THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 254 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.6 2082 बुधवार, 10 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## सोनिया गांधी को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को नोटिस दिया है। यह नोटिस उस याचिका पर आया है, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980-81 की वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़ा गया था। इसके अलावा याचिका में मजिस्ट्रेट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है और पूरे केस का रिकॉर्ड (टीसीआर) मंगाया है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। इस दौरान सोनिया और राज्य सरकार को नोटिस का जवाब देना होगा।

# फालतू पेपरवर्क खत्म हो : पीएम मोदी

## > नियम-कानून परेशानी के लिए नहीं, जिंदगी आसान बनाने के लिए है

### > बार-बार डेटा जमा करना बंद करना होगा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में मंगलवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक हुई। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया। पीएम ने बैठक में कहा, 'मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा।' पीएम ने इंडिगो संकट पर कहा-लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है। बैठक में पीएम ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार जीत के शिल्पकार हैं।

सरकार ने सेल्फ-सर्टिफिकेशन की इजाजत देकर नागरिकों पर भरोसा किया। इस बात पर जोर दिया कि यह भरोसा बिना किसी गलत इस्तेमाल के 10 साल से कामयाबी से काम कर रहा है। ईज ऑफ लाइफ और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों ही मोदी सरकार की प्राथमिकता है। देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेज़ में है, जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे से हो रहे हैं।सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित हैं, न कि सिर्फ आर्थिक या रेवेन्यू-केंद्रित। इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें।

**11 दिसंबर को एनडीए सांसदों का डिनर**

पीएम मोदी 11 दिसंबर को एनडीए के सभी सांसदों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन करने वाले हैं।

इसका उद्देश्य सहयोगी दलों के साथ बेहतर तालमेल, समन्वय और संसद सत्र के दौरान साझा रणनीति तैयार करना बताया जा रहा है। इस डिनर में सरकार के विधायी एजेंडे, सेशन की प्राथमिकताओं और पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

### राहुल गांधी ने सरकार पर बोला हमला

## चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है बीजेपी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। शीतकालीन सत्र में मंगलवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव सुधारों पर हो रही चर्चा में शामिल हुए। चर्चा के दौरान खादी पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, देश के पहनावे में देश की झलक दिखती है। खादी देश की भावना है। हमारा देश 150 करोड़ लोगों से बना है। देश के सारे धागे एक जैसे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है। नाथूराम गोडसे ने गांधी को मारा। यह असहज करने वाला सत्य है। चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सदन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की छाती में तीन गोलियां लगीं। नाथूराम गोडसे ने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या कर दी। आज हमारे दोस्तों ने उन्हें दूर धकेल दिया है। वह एक असहज सच्चाई हैं, लेकिन प्रोजेक्ट यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसा कि मैंने कहा, सब कुछ वोट से निकला है। सभी संस्थाएं वोट से निकली हैं। इसलिए यह साफ है कि आरएसएस को उन सभी संस्थाओं पर कब्जा करना होगा जो वहां से निकली हैं। राहुल गांधी ने कहा, सभी जानते हैं कि कैसे भारत के विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलरों की नियुक्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे कोई मतलब नहीं है कि व्यक्ति की योग्यता क्या है, बस उसकी एक योग्यता है कि वह संघ से जुड़ा हो। >14

## सुप्रीम कोर्ट का बीएलओ की सुरक्षा पर ईसीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर और बीएलओ के सुसाइड से जुड़े एक मामले पर सुनवाई की। कोर्ट ने इस चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। याचिका सनातनी संसद संगठन ने दायर की थी। जिसमें एसआईआर प्रक्रिया के बाद पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट पब्लिश होने तक बंगाल पुलिस को चुनाव आयोग के अधीन करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

कोर्ट में बताया गया कि बंगाल में बीएलओ के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए वहां सेंट्रल फोर्स तैनात की जाए। कोर्ट ने ममता सरकार को भी नोटिस जारी किया, जिसमें एसआईआर के पूरा होने तक राज्य में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती के लिए वैकल्पिक निर्देश देने की मांग की गई है।

## 10 बड़े एयरपोर्ट पर आईएएस अफसर

### इंडिगो की उड़ानों में 10% कटौती, मंत्री बोले-स्लॉट दूसरी एयरलाइंस को देंगे-आज 180 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में लगातार 8 दिन से चल रहे संकट के बीच सरकार ने इंडिगो पर भी सख्त एक्शन लिया है। सोमवार को सिविल एविएशन मंत्रालय की हाई लेवल मीटिंग के दौरान एयरलाइन की 10% फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया गया। यह कटौती हाई-डिमांड, हाई-फ्रीक्वेंसी रूट पर फ्लाइट में गई है। इसका असर इंडिगो की रोजाना ऑपरेट होने वाली 2300 फ्लाइट्स पर पड़ेगा। यानी लगभग 115 फ्लाइट्स घट जाएंगी। इसके अलावा इंडिगो को बुधवार शाम 5 बजे तक डीजीसीए को एक बदला हुआ शेड्यूल जमा करने का भी निर्देश दिया गया है। इधर केंद्र ने मौजूदा हालात की जांच के लिए 10 बडे एयरपोर्ट पर सीनियर अफसरों को तैनात किया है। ये लोग पता लगाएंगे कि यात्रियों को कौन-कौन सी परेशानी आ रही है। >14

# राज्यों में एसआईआर के काम में 'बाधा' पर अदालत सख्त

### कहा-ईसी संज्ञान में लाए हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम

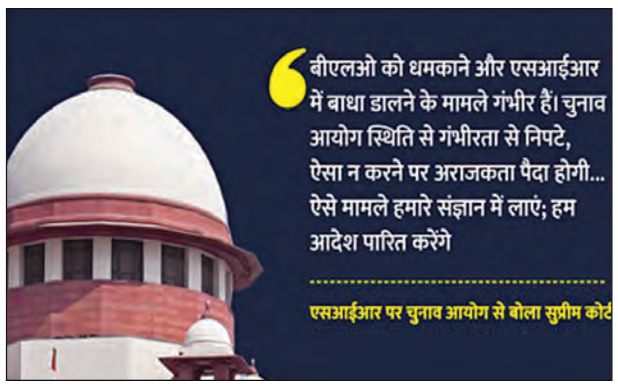


बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे।

## आरएस पुरा में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियां

जम्मू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आरएस पुरा के कोटली मिर्डियां में जगतार सिंह के खेतों में आज सुबह एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। सूचना मिलते ही बीपीपी बासपुर की टीम मौके पर पहुंची और गुब्बारे को कब्जे में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल गुब्बारे की जांच और उसकी सामग्री की पुष्टि के लिए आगे की कार्रवाई जारी है। स्थानीय लोगों और अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकार के घटनाओं की तत्काल रिपोर्टिंग सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। बीपीपी बासपुर ने आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

# सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

## बेटी के लिए नॉन-एससी पिता की जगह एससी मां का सर्टिफिकेट

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने बेहद दुर्लभ मामले में मां की जाति के आधार पर बेटी को अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति दे दी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने एक नाबालिग बेटी की पढ़ाई और भविष्य को देखते हुए उसकी मां की 'आदि द्रविड़' जाति के आधार पर एससी सर्टिफिकेट जारी करने की अपनी मंजूरी दे दी।

महिला की शादी गैर-अनुसूचित जाति से आने वाले शख्स से हुई। हालांकि कोर्ट की ओर से अभी भी उन याचिकाओं पर फैसला सुनाया जाना है जो इस नियम को चुनौती देती हैं कि बच्चे को उसके पिता की जाति मिलती है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने से इनकार कर दिया, जिसमें पुडुचेरी की लड़की को एससी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया था, वह भी इस आधार पर कि इसके बिना उसके एकेडमिक करियर को नुकसान हो सकता है। बेंच ने कहा, "हम कानून के सवाल को खुला रख रहे हैं।"

### मां के नाम से प्रमाणपत्र क्यों नहीं: एससी

हालांकि अपने फैसले में सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी कहा कि इससे एक बड़ी बहस छिड़ सकती है। उन्होंने कहा, "बदलते समय के साथ, मां की जाति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए?" इस फैसले से मतलब यह होगा कि अनुसूचित जाति से आने वाली एक महिला की उसकी ऊंची जाति के पुरुष की शादी से पैदा हुए बच्चे और ऊंची जाति के परिवार के माहौल में पले-बढ़े बच्चे भी एससी प्रमाणपत्र के हकदार होंगे। मां ने तहसीलदार से अपने तीन बच्चों (दो बेटियों और एक बेटे) को उसके जाति प्रमाण पत्र के आधार पर एससी सर्टिफिकेट देने का अनुरोध किया था, क्योंकि उनके पति शादी के बाद से ही उसके घर यानी ससुराल में रह रहे थे।

अपने आवेदन में महिला ने तर्क दिया था कि उसके माता-पिता और दादा-दादी हिंदू आदि द्रविड़ समुदाय से ताल्लुक रखते थे। 5 मार्च, 1964 और 17 फरवरी, 2002 की राष्ट्रपति की ओर से जारी अधिसूचनाएं, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के साथ पढ़ी जाती हैं, ये निर्देश बताते हैं कि किसी व्यक्ति की जाति प्रमाण पत्र हासिल करने की पात्रता मुख्य रूप से उसके पिता की जाति के साथ-साथ राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के अधिकार क्षेत्र में उसके आवासीय स्थिति पर आधारित होती है।

### एससी ने माना पिता की जाति को निर्णायक कारक

आरक्षण से जुड़े एक मामले पुनीत राय बनाम दिनेश चौधरी [(2003) 8 एससीसी 204] में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसी व्यक्ति की जाति तय करने के लिए निर्णायक कारक पारंपरिक हिंदू कानून के अनुसार पिता की ही जाति होगी और वैधानिक कानून की अनुपस्थिति में, वे अपनी जाति पिता से विरासत में पाएंगे, न कि मां से। फिर 2012 के 'रमेशभाई डभाई नाइका बनाम गुजरात' फैसले में, सुप्रीम कोर्ट की 2 जजों की बेंच ने फैसला सुनाया, "अंतर-जातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह से पैदा हुए व्यक्ति की जाति का निर्धारण करने को लेकर संबंधित तथ्यों की पूरी तरह से अनदेखी नहीं की जा सकती।"

बेंच ने आगे कहा, "अंतर-जातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, यह माना जा सकता है कि बच्चे की जाति पिता की जाति से मानी जाएगी। यह धारणा उस मामले में अधिक मजबूत हो सकती है जहां अंतर-जातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, पति अगड़ी जाति का है।"

## प्याज-लहसुन की वजह से पति-पत्नी में कलह, कोर्ट पहुंचा मामला; हुआ तलाक

अहमदाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में एक दंपती के बीच प्याज और लहसुन को लेकर ऐसा झगड़ा पसरा कि बात तलाक तक पहुंच गई। पत्नी स्वामिनारायण संप्रदाय की थीं और इन चीजों को खाने से सख्त परहेज करती थीं, लेकिन पति और ससुराल वालों को कोई ऐसी पाबंदी नहीं थी। पत्नी की छोटी-सी आदत इतनी बड़ी बन गई कि पति ने तलाक की अर्जी दाखिल कर दी और अब गुजरात हाईकोर्ट ने भी इसे मंजूर कर लिया।

दंपती की शादी 2002 में हुई थी, लेकिन खाने की पसंद को लेकर दोनों में शुरुआत से ही अनबन रहती थी। पत्नी प्याज और लहसुन से दूर रहती थीं, जबकि पति को इनके बिना खाना फीका लगता था। नतीजा यह हुआ कि घर में अलग-अलग किचन चलने लगे। धीरे-धीरे बात इतनी बिगड़ गई कि पत्नी घर छोड़कर चली गईं और बच्चे को भी साथ ले गईं।

2013 में पति ने अहमदाबाद की फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की। उन्होंने पत्नी पर क्रूरता और घर छोड़ने का आरोप लगाया। पत्नी का कहना था कि ससुराल वाले उनकी धार्मिक मान्यताओं का सम्मान नहीं करते थे, जिसकी वजह से उन्हें घर छोड़ना पड़ा। कोर्ट ने मामले की सुनवाई की और 8 मई 2024 को शादी को भंग कर दिया। साथ ही, पति को मेंटेनेंस देने का आदेश दिया है। इस फैसले से दोनों पक्ष खुश नहीं थे। पति ने मेंटेनेंस की रकम को चुनौती दी, जबकि पत्नी ने तलाक के फैसले के खिलाफ अपील की है। मामला गुजरात हाईकोर्ट पहुंचा, जहां दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। सुनवाई के दौरान पत्नी ने कहा कि अब उन्हें तलाक से कोई आपत्ति नहीं है।

हाईकोर्ट ने पत्नी की अपील को खारिज कर दिया और फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस संगीता विशेन और नीशा ठाकोर ने कहा कि जब पत्नी खुद तलाक से सहमत हैं, तो आगे जांच की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि मेंटेनेंस का फैसला सही है, क्योंकि बच्चे की जिम्मेदारी पति पर भी है।

## उद्धव की शिवसेना में सब कुछ ठीक नहीं

### नेता विपक्ष के नाम पर खींचतान जारी, नाराज़ हैं भास्कर जाधव ?

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जहां विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूटीबी) में नेता विपक्ष पद को लेकर घमासान मचा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक नेता विपक्ष के पद को लेकर भास्कर जाधव के नाम पर ठाकरे परिवार तैयार नहीं है। इससे भास्कर जाधव नाराज बताए जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक भास्कर जाधव की नाराजगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे अब बीजेपी का दरवाजा खटखटा रहे हैं लेकिन फिलहाल उनकी बात नहीं बन रही है।सूत्रों के मुताबिक शिवसेना(यूटीबी) के नेताओं और विधायकों को ऐसा लगता है कि अनिल परब को विधानपरिषद् में नेता विपक्ष और विधानसभा में आदित्य ठाकरे को नेता विपक्ष बनाया जाए। ठाकरे परिवार नेता विपक्ष के पद को लेकर भास्कर जाधव के नाम पर पर राजी नहीं है। ठाकरे परिवार के फैसले से नाराज होकर भास्कर जाधव अब पार्टी के विधायकों को अपने साथ जोड़ने में लगे हैं। यह कोशिश इसलिए हो रही है ताकि उद्धव ठाकरे पर दबाव बनाया जा सके।

इतना ही नहीं सूत्रों की मानें तो भास्कर जाधव कई विकल्प पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक वे भारतीय जनता पार्टी का दरवाजा भी खटखटा रहे हैं लेकिन एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने बीजेपी से आग्रह किया है कि वह भास्कर जाधव को पार्टी में शामिल नहीं करे। इन सारी खींचतान के बीच शिवसेना (यूटीबी) को भी इस बात का अंदेशा है कि उनकी पार्टी के अंदर की खींचतान कहीं किसी फूट में न बदल जाए। शिवसेना (यूटीबी) के नेताओं का कहना है कि सत्तापक्ष उनकी पार्टी में फूट डालने की कोशिश कर रही है। हालांकि सोमवार को आदित्य ठाकरे ने इन बातों को अफवाह बताया था।

## दिल्ली में फिर मर्डर: 10वीं पास नौकरी की तलाश, सुल्तानपुरी में मिला 20 साल के युवक का शव

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुरी इलाके में एक 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को बीते सोमवार की शाम को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि नमोकार अस्पताल के पास एक अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें युवक का शव मिला। मृतक की पहचान सुमित (20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ए-ब्लॉक, सुल्तानपुरी का निवासी था। पुलिस ने तुरंत शव का मेडिकल लीगल केस तैयार करवाया और उसे एसजीएम अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया है।

घटना स्थल का निरीक्षण क्राइम टीम द्वारा किया गया और मामले में प्रासंगिक धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक सुमित 10वीं पास था और नौकरी की तलाश कर रहा था। उसके माता-पिता एक निजी फर्म में हाउसकीपिंग स्टाफ के तौर पर काम करते हैं। इस घटना के संबंध में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

## केरल एक्ट्रेस असॉल्ट केस - कानूनी एक्शन लेंगे दिलीप

# बोले- मेरे खिलाफ साजिश रची गई

कोच्चि, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2017 के चर्चित एक्ट्रेस अपहरण और हमले मामले में ट्रायल कोर्ट से बरी मलयालम एक्टर दिलीप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वह अब उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने उनके नाम को इस केस में जानबूझकर घसीटा। वहीं केरल सरकार ने हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। कोर्ट से बरी होने के फैसले के बाद तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दिलीप ने कहा कि उनके नाम को इस केस में घसीटने के पीछे हुई बड़ी साजिश की वह जांच करवाएंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि जांच टीम ने मुख्यमंत्री को भी गुमराह किया और कुछ अधिकारियों ने अपने निजी फायदे के लिए उन्हें फंसाया है। कोर्ट के फैसले की प्रमाणित कॉपी मिलने के बाद वे आगे की कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने सीधे-सीधे अभिनेत्री मंजू वारियर (पूर्व पत्नी) पर इल्जाम लगाते हुए कहा कि मंजू ने ही उन्हें फंसाने की शुरुआत की थी। उन्होंने दरबार हॉल ग्राउंड में अम्मा (एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स) की मीटिंग में दिए गए

उनके भाषण का जिक्र किया, जहां उन्होंने कहा था कि एक्ट्रेस पर हमले के पीछे की साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। दिलीप ने दावा किया कि इस भाषण के तुरंत बाद ही उन्हें इस मामले में आरोपी बना दिया गया।

### हालांकि, मंजू वारियर ने इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया है

दिलीप के वकील बी। रमन पिल्लई ने भी आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अभिनेता को फंसाने की साजिश रची थी। उन्होंने सीधे-सीधे एडीजीपी बी। संध्या का नाम लिया, जो जांच की देखरेख कर रही थीं, और कहा कि साजिश की पूरी अगुवाई इन्हीं ने की थी।

दिलीप ने यह भी दावा किया कि पुलिस के कुछ क्रिमिनल लोगों ने जेल के कैदियों के साथ मिलकर उनकी जिंदगी और करियर बर्बाद करने के इरादे से झूठी बातें बनाईं। इस बीच, राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि वह ट्रायल कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेगी, जिसमें लगभग आठ साल की कानूनी कार्रवाई के बाद दिलीप को बरी कर दिया गया था। वीडी। सतीशन ने कहा कि साल 2017 में जब एक्ट्रेस पर हमला हुआ था, तब कांग्रेस विधायक पी।टी। थॉमस ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और केस दर्ज कराने में अहम भूमिका निभाई। उनके दखल के बिना यह केस या तो दब जाता या इतना आगे कभी नहीं बढ़ पाता। पूर्व राज्य पुलिस प्रमुख टी।पी। सेनकुमार ने 2017 में ही स्पष्ट कर दिया था कि दिलीप के खिलाफ कोई ठोस या वैध सबूत नहीं था, इसलिए उन्हें आरोपी नहीं बनाया जाना चाहिए था।

अब कोर्ट के बरी फैसले के बाद उन्होंने दोहराया कि बिना सबूत के गिरफ्तारी और जांच गढ़ना गलत था, जो जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। टी।पी। सेनकुमार ने कहा, "मामलों की जांच का यह सही तरीका नहीं है। क्या जांच इस तरह होनी चाहिए कि पहले किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लो, फिर उसके खिलाफ सबूत बनाने की कोशिश करो और इसके लिए झूठी कहानियां तक गढ़ी जाएं?

## पंजाब-हरियाणा में जुवेनाइल एक्ट की उड़ी धज्जियां? राज्य सरकारों से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

चंडीगढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिना किसी अधिकार किशोरों को जेल की सजा सुनाने को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। चंडीगढ़ निवासी एडवोकेट विनीत जाखड़ द्वारा दाखिल की गई याचिका में कहा गया है कि किशोरों द्वारा किए गए अपराधों के मामलों के लिए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य किशोरों का सुधार, कल्याण और पुनर्वास है। याचिका में बताया गया कि जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड विभिन्न जिलों में अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर कार्य कर रहा है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई मामलों में बोर्ड द्वारा किशोरों को तीन महीने से लेकर तीन साल तक की जेल की सजा सुनाई जा रही है। एक मामले का हवाला देते हुए बताया गया कि बोर्ड ने एक किशोर को छह महीने तक रोजाना पांच घंटे थाने में रखने का आदेश दिया। याचिका में कहा गया कि इस प्रकार के आदेश जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के उद्देश्यों के विपरीत हैं। याचिका में अपील की गई है कि बोर्ड को इस प्रकार के आदेश जारी करने से रोका जाए और वर्तमान में प्रभावी आदेशों पर तुरंत रोक लगाई जाए।

## दरिंदगी के बाद कत्ल: पांच साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या

फरीदाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में पांच साल की एक मासूम के साथ दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पल्ला थाना इलाके में हुई इस दिल दहलाने वाली वारदात ने एक बार फिर समाज को झकझोर दिया है और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह भयानक घटना को उस समय हुई जब मासूम घर के बाहर खेल रही थी। एक आरोपी पिंटू चॉकलेट दिलाने के बहाने बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद, आरोपी ने मासूम के साथ अमानवीय दरिंदगी की और फिर उसकी हत्या कर दी।

## अश्लील मांगों से तंग आकर नर्स ने की सुसाइड की कोशिश, सीनियर डॉक्टर पर लगे घिनौने आरोप

गढ़चिरौली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में हेल्थ डिपार्टमेंट को झकझोर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, यहां मुलचेरा तालुका के एक सब-सेंटर में काम करने वाली 45 साल की कॉन्ट्रैक्ट नर्स ने एक सीनियर ऑफिसर के लगातार फिजिकल प्लेज़र मांगे जाने के बाद ज़हर खाकर सुसाइड करने की कोशिश की।

पीड़ित नर्स का अभी गढ़चिरौली डिर्सट्रिक्ट जनरल हॉस्पिटल के इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज चल रहा है। पीड़िता के बयान के आधार पर गढ़चिरौली पुलिस ने रात ज़ीरो एफआईआर दर्ज की और तालुका हेल्थ ऑफिसर डॉ। विनोद म्हासखेत्री के खिलाफ केस दर्ज किया। हालांकि, इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। इस बीच पीड़ित महिला तालुका के एक हेल्थ सब-सेंटर में कॉन्ट्रैक्ट नर्स के तौर पर काम कर रही है। उसकी सैलरी दो साल से रुकी हुई थी।

इसलिए, वह तालुका हेल्थ ऑफिसर से व्हाट्सएप मैसेज के ज़रिए कॉन्टैक्ट करती थी, लेकिन तालुका हेल्थ ऑफिसर ने चैटिंग के ज़रिए फिजिकल प्लेज़र की मांग की। यह पिछले कुछ महीनों से चल रहा था, इसलिए नर्स अपनी ड्यूटी पूरी करके घर लौट आई। वह बहुत स्ट्रेस में थी। रात का खाना खाने के बाद जब उसका पति सो गया तो उसने ज़हरीला लिक्विड पी लिया। इसलिए उसे तुरंत रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया,

## गुजरात की महिला डॉक्टर की हत्या के लिए 15 लाख की सुपारी, वारदात से पहले 6 गिरफ्तार

झुंझुनू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले की पिलानी पुलिस ने एक सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए गुजरात की एक महिला डॉक्टर की हत्या की साजिश को वारदात से ठीक पहले नाकाम कर दिया है। मामले में अवैध हथियार के साथ छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि यह मामला एक स्थानीय रंगदारी के लिए फायरिंग की जांच से शुरू हुआ, जिसमें मुख्य आरोपी हिमांशु जाट ने पूछताछ में कबूला कि उसने और उसके साथियों ने 15 लाख की सुपारी लेकर गुजरात में महिला डॉक्टर की हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने इस सुपारी हत्याकांड के षड्यंत्र में शामिल 6 आरोपियों भुपेन्द्र कुमार मेघवाल (20) निवासी लिखवा थाना पिलानी, आकाश उर्फ बिटटू मेघवाल (21), मनोज मेघवाल (30) निवासी पाथडिया थाना पिलानी और अनुज शर्मा (22) निवासी पीलोदा थाना सूरजगढ़ को जयपुर, गुजरात, पिलानी से और हिमांशु जाट (19) निवासी नरहड़ थाना पिलानी, सचिन उर्फ कालु मेघवाल (24) निवासी लिखवा को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से हत्या के लिए खरीदा गया एक पिस्टल, 7 जिंदा कारतूस, 4 खाली कारतूस के खोल जब्त की गई है। आरोपियों ने एडवांस राशि लेकर जयपुर से हथियार खरीदे थे और गुजरात जाकर टारगेट की रैकी भी की थी,

## 'जबरदस्ती की बात क्यों करते हो'

### भाई को गांजा तस्करी में गिरफ्तारी के सवाल पर भड़कीं मंत्री

खजुराहो, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मंत्री प्रतिमा बागरी अपने भाई की गांजा तस्करी में गिरफ्तारी पर पूछे गए सवाल पर भड़क गईं। उन्होंने पत्रकारों को डांट दिया। यह घटना खजुराहो में महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर के बाहर हुई, जहां मीडिया ने उनके भाई अनिल बागरी की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा। गिरफ्तारी का ये मामला सुर्खियों में है क्योंकि मंत्री के परिवार से हाल के दिनों में नशे के कारोबार से जुड़े कई केस सामने आ चुके हैं, जिससे राजनीतिक घमासान बढ़ता जा रहा है। यह पूरा मामला प्रदेश की राजनीति में तीखी बहस का केंद्र बन गया है।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी कार्यक्रम में शामिल होने खजुराहो पहुंची थीं। बाहर निकलते ही जैसे ही मीडिया ने उनके भाई के 46 किलो गांजा तस्करी में गिरफ्तारी पर सवाल किया, वे तमतमा गईं और पत्रकारों पर तेज लहजे में बरस पड़ीं। उन्होंने कहा, जबरदस्ती की बात क्यों करते हो तुम लोग? और बिना किसी अन्य सवाल का जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गईं। इस प्रतिक्रिया ने राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है क्योंकि विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि मंत्री अपने परिवार को राजनीतिक संरक्षण दे रही हैं।

कुछ दिन पहले उनके बहनोई की भी बांदा में नशे के मामलों में गिरफ्तारी हुई थी, जिससे विवाद और गहरा गया है। सतना पुलिस ने हाल ही में मंत्री के सगे भाई अनिल बागरी और उसके साथी को 46 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि वह अपने जीजा शैलेंद्र सिंह के साथ मिलकर नशे की सप्लाई कर रहा था और दोनों अब सलाखों के पीछे हैं। इसके अलावा यूपी के बांदा जिले की नरैनी पुलिस ने 3 दिसंबर को अंतर्राज्यीय तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को पकड़ा, जिनमें मंत्री की छोटी बहन के पति शैलेन्द्र सिंह भी शामिल थे।

# 'ये नया विज्ञान कब आया'

## दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के 'एक्यूआई तापमान' वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के 'एक्यूआई तापमान है' टिप्पणी पर कड़ी आलोचना की है। केजरीवाल ने पूछा कियह नया विज्ञान कब आया? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके उत्तराधिकारी ने स्वीकार किया है कि रीडिंग को कम रखने के लिए एक्यूआई मॉनिटर पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पहली बात - मुख्यमंत्री जी ने ये तो स्वीकार कर लिया कि जहां-जहां एक्यूआई मॉनिटर लगे हैं, वहीं पानी का छिड़काव कराया जा रहा है ताकि दिल्ली के लोगों तक प्रदूषण का सच ना पहुंच पाए। यानी आंकड़ों को छुपाकर हवा साफ दिखाने का खेल चल रहा है।'

बता दें कि एक कार्यक्रम में बोलते हुए दिल्ली की सीएम गुप्ता से विपक्ष के आरोपों के बारे में पूछा गया था कि प्रदूषण के आंकड़ों को गलत साबित करने के लिए हॉटस्पॉट में एयर मॉनिटर पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इस पर सीएम ने जवाब दिया, 'मुझे बताइए, हॉटस्पॉट क्या होता है? हॉटस्पॉट वह क्षेत्र होता है, जहां प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा होता है। ठीक है? इसका समाधान क्या है? आप वहां छिड़काव करते हैं, पानी डालते हैं। आप मिट्टी को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं। तो आप केवल हॉटस्पॉट पर ही छिड़काव करेंगे।'

### एक्यूआई एक तापमान की तरह- सीएम रेखा गुप्ता

उन्होंने आगे कहा, 'क्या मॉनिटर का उपयोग करने से एक्यूआई कम हो जाता है? एक्यूआई एक तापमान की तरह है, जिसे आप किसी भी उपकरण से जान सकते हैं, इसलिए हॉटस्पॉट के पास पानी डालना ही एकमात्र समाधान है, जो हम कर भी रहे हैं।' इसके बाद से दिल्ली की भाजपा सरकार राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते एक्यूआई से निपटने के अपने तरीकों के लिए आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। सोशल मीडिया पर सीएम रेखा गुप्ता के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसी पर अब पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने उन पर निशाना साधा है।

## कपिल शर्मा कैफे फायरिंग: बिश्नोई गैंग की कनाडा वसूली, कबड्डी कनेक्शन का खुलासा

चंडीगढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफ़े पर फायरिंग करने वाले दो मोस्ट वांटेड की तस्वीर सामने आई है। इन दोनों शूटर्स ने कपिल शर्मा के कैफे पर एक-दो नहीं बल्कि तीन बार फायरिंग की थी। तीनों बार फायरिंग में ये दोनों ही शूटर्स शामिल थे। वैसे तो ये दोनों पंजाबी मूल के रहने वाले हैं। कनाडा में हुई फायरिंग में शामिल इन दोनों शूटर का नाम शैरी और दिलजोत रेहल है। ये दोनों ही जो लॉरेश बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं। इन दोनों ने ही फायरिंग में अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। फिलहाल, कनाडा पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इनकी तलाश में जुटी हुई हैं। इस मामले का मास्टरमाइंड शीपू है। इस गैंग्स्टर के इशारे पर ही दोनों शूटर्स ने कपिल शर्मा के कैफे पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इस मामले में लुधियाना से बन्धुमान सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इसने बताया है कि कनाडा कबड्डी लीग्स है गैंगस्टरों के निशाने पर है। कबड्डी प्लेयर्स को टारगेट और हायर करने का सिंडिकेट एक्टिव है। इंटरनेशनल आर्म्स सप्लायर के निशाने पर कबड्डी लीग्स है। क्या भारत के कबड्डी प्लेयर्स को गैंगस्टर हायर कर रहे हैं? कनाडा में कबड्डी लीग्स के जरिए करोड़ों के वसूली का प्लान डी कोड किया जा रहा है।

कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग के पीछे पंजाबी सिंगर कनेक्शन क्यों सामने आया? आखिर लॉरेंस गैंग का कनाडा के एक सिंगर से रिश्ते के पीछे मकसद क्या है? भारत में वसूली में अड़चन तो वसूली गैंग क्यों कनाडा शिफ्ट हुआ? कॉल सेंटर की तर्ज पर कनाडा में वसूली के लिए टार्गेट की लिस्ट तैयार की गई। कबड्डी लीग्स में वसूली के टार्गेट सेट किए गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बन्धु मान सिंह ने पूछताछ में बताया है कि लारेंस गैंग और गोल्डी बराड़ गैंग अब भारत की बजाय कनाडा में ज्यादा एक्टिव हैं। दोनों गैंग कनाडा में एक्सटॉर्शन का बड़ा सिंडिकेट चला रहे हैं। रंगदारी के लिए कनाडा में गैंग के लोगों ने खोल रखें हैं। बाकायदा डब्बा कॉल सेंटर है।

सुविचार: अपनी सारी आशायें भगवान पर छोड़ दें, तब किसी भी व्यक्ति से कोई निराशा नहीं मिलेगी

# जूपल्ली ने अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए पर्यटन को महत्वपूर्ण बताया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपली कृष्णा राव ने पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का प्रमुख इंजन बताया। मध्य पूर्व और एशिया के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कई ऐसे देश, जिनके पास सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, उन्होंने पर्यटन को प्राथमिकता देकर उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति हासिल की है। इसके विपरीत, मंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र तेलंगाना और भारत–दोनों में–लंबे समय तक उपेक्षित रहा।

हालांकि, वर्तमान सरकार के तहत इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और योजनाबद्ध हस्तक्षेप किए जा रहे हैं। जूपल्ली कृष्णा राव ने मंगलवार को 'एक्सपीरियंस तेलंगाना: हेरिटेज, कल्चर और फ्यूचर–रेडी टूरिज्म' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया, जो तेलंगाना राइजिंग–ग्लोबल समिट का हिस्सा थी।

सत्र में बंदोबस्ती और वन मंत्री कोंडा सुरेखा, टीजीटीडीसी प्रबंध निदेशक क्रांति वल्लूरु, प्रिंसिपल सीसीएफ सुनीथा बागवत, एनआईटीएचएम निदेशक वेंकट रामणा, एक्सपेरियम के चेयरमैन रंधेव राव, आईएचसीएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष (दक्षिण और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन) प्रभात वर्मा और रामोजी फिल्म सिटी के उपाध्यक्ष ए.वी. राव ने भी भाग लिया। सत्र की शुरुआत में मंत्री ने समिट का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया कि उन्होंने तेलंगाना को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के उद्देश्य से इतनी बड़ी पहल का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि यह दृष्टि केवल आ र्थि क संकेतकों तक सीमित नहीं है,

बल्कि समाज के सभी वर्गों के कल्याण और उत्थान के लिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की भी है। तेलंगाना राज्य गठन आंदोलन के दौरान दिए गए बलिदानों को याद करते हुए जूपली कृष्णा राव ने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर आर्थिक विकास आवश्यक है, जो भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन सामूहिक संकल्प और मजबूत नेतृत्व से संभव है। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना में विरासत स्मारक, ऐतिहासिक किले, प्राचीन मंदिर, सुंदर प्राकृतिक स्थल, जीवंत त्योहार, और प्रसिद्ध कला एवं हस्तशिल्प परंपराएँ सहित पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन जनता में उनके बारे में जागरूकता अभी भी सीमित है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे राज्य की विरासत, इतिहास और प्राकृतिक आकर्षणों को स्वयं अनुभव करें। जूपल्ली कृष्णा राव ने सरकार की महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को क्षेत्रीय पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने, सांस्कृतिक समझ बढ़ाने, सामाजिक समृद्धि और सामुदायिक भागीदारी के अवसर प्रदान करती है। मंत्री ने पर्यटन–संबंधी बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि लग्जरी से लेकर बजट तक सभी तरह के आवास, सड़क किनारे सुविधाएँ और बहुदिवसीय यात्रा के लिए आवश्यक अन्य सुविधाएँ जरूरी हैं।

पर्यटन क्षेत्र में निवेश युवाओं के लिए रोजगार और स्व–रोजगार के अवसर बढ़ा सकता है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। शातवाहन काल से लेकर काकतीय युग तक फैली तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए मंत्री ने राज्य की स्थापत्य धरोहर–कुतुब शाही मकबरे, काकतीय कला तोरणम और अन्य ऐतिहासिक स्थलों–को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि त्योहारों, कलाओं, हस्तशिल्प, हैंडलूम और स्थानीय कारीगरों के काम में तेलंगाना की सांस्कृतिक जीवंतता झलकती है, जो छोटे व्यवसायों और पारंपरिक आजीविकाओं का सहारा है। उन्होंने तेलंगाना के लोगों की दयालुता और ईमानदारी के मूल्यों का भी उल्लेख किया और कवि पोथना के कार्यों को इस भाव का प्रतीक बताया। आगे की दिशा पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग का लक्ष्य है कि 2047 तक पर्यटन क्षेत्र तेलंगाना के जीडीपी में 10% योगदान दे।

नई पर्यटन नीति में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए अनेक प्रोत्साहन शामिल किए गए हैं। विभाग कुछ प्रमुख परिसंपत्तियों को राजस्व–सृजन वाली पर्यटन अवसंरचनाओं में बदलने की दिशा में भी काम कर रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा। मंत्री ने बताया कि हाल ही में लॉन्च की गई आधिकारिक तेलंगाना पर्यटन वेबसाइट एक व्यापक मंच है, जो परिवहन, आवास, सुरक्षा सुविधाएँ और पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराती है, जिससे पर्यटकों को झंझट–मुक्त अनुभव मिलता है। अंत में, जूपल्ली कृष्णा राव ने नागरिकों, निवेशकों और उद्योग हितधारकों से अपील की कि वे मिलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तेलंगाना की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा दें, ताकि राज्य को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, स्वागतयोग्य और भविष्य–उन्मुख वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

# सीएम ने सभी जिला कलेक्टरेटों में 'तेलंगाना तल्ली' की प्रतिमाओं का वर्चुअल अनावरण किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता )। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित ग्लोबल समिट के मंच से सभी जिला कलेक्टरेटों में स्थापित तेलंगाना तल्लि की प्रतिमाओं का वर्चुअल अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने याद किया कि 9 दिसंबर 2009 को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना राज्य गठन की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की थी। इस घोषणा ने तेलंगाना के लोगों में खुशी की लहर पैदा की और उनके आत्मसम्मान को मजबूती दी। 9 दिसंबर को स्मरणीय बनाने के लिए सरकार ने इस दिन को जनता की सरकार द्वारा तेलंगाना तल्लि की प्रतिमा के अनावरण दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी का हिस्सा है कि राज्य सरकार ने पहले ही सचिवालय में तेलंगाना तल्लि की प्रतिमा का अनावरण किया, जिससे प्रशासन को प्रेरणा मिली है।, 'आज हम सभी जिला कलेक्टरेटों में तेलंगाना तल्लि की प्रतिमाओं का अनावरण कर रहे हैं।' रेवंत रेड्डी ने यह भी याद किया कि सोनिया गांधी ने 2004 में करीमनगर में तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने का वादा किया था। संयोग से सोनिया गांधी का जन्मदिन भी 9 दिसंबर को ही है–उसी दिन जब उन्होंने तेलंगाना के लोगों से किया गया अपना वादा पूरा किया। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि जब तक तेलंगाना राज्य रहेगा, वे तेलंगाना तल्लि प्रतिमा अनावरण दिवस और सोनिया गांधी का जन्मदिन उत्सव के रूप में मनाते रहेंगे।

# कविता की टिप्पणियों से भड़के बीआरएस नेता पार्टी में बढ़ी राजनीतिक गर्मी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता द्वारा हाल ही में कई बीआरएस नेताओं पर की गई टिप्पणियों ने पार्टी के भीतर राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है।

पूर्व मंत्रियों और विधायकों पर उनके सार्वजनिक आरोपों के बाद अब गुलाबी पार्टी के नेताओं की ओर से तीखे पलटवार शुरू हो गए हैं, जिससे अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है।

कविता, जो बीते कुछ समय से अपने पिता व पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से दूरी बनाती दिख रही हैं, जागृति जनम बाटा कार्यक्रमों के दौरान लगातार बीआरएस नेताओं को निशाने पर ले रही हैं। पूर्व मंत्री मल्लारेड्डी और जीएचएमसी क्षेत्र के बीआरएस विधायकों पर उनके ताज़ा आरोप–खासकर कुकटपल्ली विधायक माधवराम कृष्णा राव पर जमीन से जुड़े अनियमितताओं के आरोपने राजनीतिक हलचल मचा दी है।

कविता की टिप्पणियों पर बीआरएस नेताओं के कड़े जवाबों ने इस विवाद को अब सीधा राजनीतिक टकराव बना दिया है। कृष्णा राव ने कविता के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि कविता, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ मिलकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को घेरने की कोशिश कर रही हैं।

इधर कविता भी बीआरएस के दस साल के शासनकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को सार्वजनिक मंचों पर उठाती जा रही हैं। उनके लगातार बयानों से बीआरएस नेतृत्व मुश्किल में दिख रहा है और कई नेता इससे उपजे राजनीतिक नुकसान को संभालने में जुटे हैं। तेज़ होती बयानबाज़ी अब पूरी तरह राजनीतिक संघर्ष का रूप ले चुकी है, जिससे तेलंगाना का सियासी तापमान और बढ़ गया है।

# CLASSIFIEDS

## CHANGE OF NAME

I, Balaviri Devi, Mother of Mr Bhola Singh, presently Residing at post Saradar Garh, Chaukara, Barhaun, Bardhaun, th. Mat, Dist Mathura Uttar Pradesh - 281204, have changed my Name from Balveeri Devi to Balaviri Devi vide affidavit dt 08 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad

I, Sabita Sainy. W/o, JC 760368Y, Ex-Sub Hony Capt, Binod Bihari, R/o, Dist: Vaishali, Bihar, changed my name from Sabita Sainy to Sabita Saini vide Affidavit No BN 820574 dt. 08.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Mounika, W/o, No. 14671401M, Hav, Ramakrishna Garikapati, R/o, Dist : Guntur, A P, changed my name from Mounika to Garikapati Mounika vide Affidavit No BN 820564 dt. 08.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, JC 771403W, Sub, Bhagirath Ram, R/o, Dist: Didwana-Kuchaman, Rajasthan, changed my Mother's name from Kishni Devi to Kishani Devi vide Affidavit No 282785 dt.06.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14671401M, Hav, Ramakrishna Garikapati, R/o, Dist : Guntur, A P, changed my Son's name from G Partha Saradhi to Garikapati Partha Saradhi vide Affidavit No. 282816 dt 08.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14646881 W, Hav, Vikram Singh, R/o, Dist: Aligarh, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Sapana Kumari to Sapna Kumari vide Affidavit No. 282817 dt. 08.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 769163L, Sub, Subodh Kumar, R/o. Dist: Muzaffarnagar,U P, changed my Mother's name from Rajesh Davi to Rajesh vide Affidavit No. 282822 dt.08.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 770988H, Sub, Deepak Nath, R/o, Dist Nainital, Uttarakhand, changed my Daughter's name from Desha Goswami, vide Affidavit No.282823 dt.08.22.2025, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# लाइफ़ साइंसेज़ में 63,000 करोड़ के निवेश : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने बताया कि वर्तमान सरकार की उद्योग–अनुकूल नीतियों के चलते पिछले दो वर्षों में केवल लाइफ़ साइंसेज़ क्षेत्र में ही तेलंगाना ने 63,000 करोड़ के निवेश आकर्षित किए हैं।

वे मंगलवार को आयोजित ग्लोबल समिट में फ्यूचर सिटी पर एक पैनल चर्चा के दौरान बोल रहे थे। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना वैक्सीन उत्पादन के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है और कोविड–19 महामारी के दौरान विश्व की मदद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्य में 2,000 फ़ार्मा कंपनियाँ कार्यरत हैं जिनका संयुक्त मूल्यांकन 100 अरब अमेरिकी डॉलर है, और विश्व की शीर्ष 10 फ़ार्मा कंपनियों में से 8 तेलंगाना से संचालन करती हैं। श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार नीतिगत निरंतरता सुनिश्चित कर रही है। पिछले शासनकालों में लागू की गई औद्योगिक नीतियों और निर्णयों को बिना बाधा जारी रखा गया है, ताकि उद्योग जगत को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लगभग 30 वर्षों से विभिन्न सरकारों की नीतियों को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने घोषणा की कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर की लाइफ़ साइंसेज़ यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य उद्योग जगत के सहयोग से उच्च कौशलयुक्त प्रतिभा तैयार करना है।

उन्होंने यह भी बताया कि यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी को भी उद्योग साझेदारी के साथ स्थापित किया गया है, जहाँ डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ ने दो बैचों को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार भी प्रदान किया। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने नई ग्रीन एनर्जी पॉलिसी तैयार की है, जिससे भविष्य में बिजली की कमी न होने पाए।

# शराब दुकान से चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

आदिलाबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेला मंडल केंद्र में मंगलवार को दो लोगों को उसी शराब की दुकान से चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जहाँ से वे डेढ़ महीने पहले भी शराब लेकर भाग चुके थे। उनके पास से 2.40 लाख रुपये नकद और 15,000 रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई।

# विजन 2047 तेलंगाना को वैश्विक आर्थिक केंद्र बनाएगा : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़कों, भवन एवं चलचित्र विभाग के मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को "तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना तेज़ विकास के निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है। वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं और नीति विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की विकास रूपरेखा तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 पर आधारित है, जिसका लक्ष्य राज्य को दक्षिण भारत का प्रमुख आर्थिक केंद्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धी विकास गंतव्य बनाना है।

मंत्री ने बताया कि सरकार सड़क, रेल, विमानन, डिजिटल नेटवर्क, बिजली, स्वास्थ्य और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में एकीकृत अवसंरचना प्रणाली तैयार कर रही है, जिससे तेज औद्योगिकीकरण, सुगम संपर्क और टिकाऊ आर्थिक विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पहली बार व्यापक रोड सेक्टर नीति तैयार की है, जो आने वाले दो दशकों के लिए प्राथमिकताओं और निवेश रणनीतियों को निर्धारित करती है। कोमटिरेड्डी ने कहा कि विश्वस्तरीय ड्राई पोर्ट की स्थापना से तेलंगाना एक लॉजिस्टिक्स पावरहाउस के रूप में उभरेगा, जिससे वैश्विक व्यापार पहुंच और औद्योगिक क्षमता दोनों बढ़ेंगी। सड़क अवसंरचना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क नेटवर्क ही मजबूत अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। उन्होंने क्षेत्रीय रिंग रोड, रेडियल लिंक, 11,399 करोड़ रुपये के हाइब्रिड एन्नुइटी मॉडल सड़क परियोजनाओं और दो तेलुगु राज्यों की राजधानियों को जोड़ने वाले प्रस्तावित 8–लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे सहित कई प्रमुख परियोजनाओं का उल्लेख किया। रेल आधुनिकीकरण के संदर्भ में मंत्री ने कहा कि राज्य हाई–स्पीड और उच्च दक्षता वाले रेल तंत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें समर्पित माल गलियारे, अंतरराष्ट्रीय मानकों के उन्नत स्टेशन, मजबूत क्षेत्रीय रेल नेटवर्क और भविष्य में हाई–स्पीड एवं बुलेट ट्रेन प्रस्ताव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना वैश्विक व्यापार यात्रा, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन को समर्थन देने के लिए मजबूत एविएशन इकोसिस्टम भी विकसित कर रहा है। साथ ही, सरकार टीआईएमएस अस्पतालों के माध्यम से विश्वस्तरीय, निःशुल्क सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने पर भी कार्य कर रही है। कोमटिरेड्डी ने कहा, तेलंगाना अपनी तुलना पड़ोसी राज्यों से नहीं करता। हमारे मानक जापान, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश हैं। उन्होंने निवेशकों और विशेषज्ञों से रचनात्मक सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप गतिशीलता और अवसंरचना ढांचे को मजबूत बनाने के लिए विचारों, साझेदारी और नवाचार का स्वागत करता है। अंत में उन्होंने कहा, तेलंगाना सिर्फ बढ़ नहीं रहा–तेलंगाना उभर रहा है। इसके बाद सत्र पैनल चर्चा में परिवर्तित हुआ।

# ओयू स्टाफ जेएसी ने सीएम रेवंत रेड्डी के दौरे का स्वागत किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के टीचिंग और नॉन–टीचिंग कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के विश्वविद्यालय के दूसरे दौरे का किया और उनसे कर्मचारियों व छात्रों से सीधे संवाद कर लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान करने की अपील की।खुले पत्र में जेएसी ने कहा कि पिछले दौरे के दौरान कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मिलने का अवसर नहीं दिया गया था। विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत और तेलंगाना आंदोलन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए समिति ने मुख्यमंत्री–जो ओयू के पूर्व छात्र भी हैं का विश्वविद्यालय के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित करने पर आभार व्यक्त किया। जेएसी ने गंभीर स्टाफ कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि 12 राज्य विश्वविद्यालयों में 75% शिक्षण पद संविदा कर्मचारियों से भरे हुए हैं। इनमें से कई 25 वर्षों से सेवाएँ दे रहे हैं और अब उनकी औसत आयु 55 वर्ष हो चुकी है। केवल उस्मानिया विश्वविद्यालय में ही 1,240 स्वीकृत शिक्षण पदों में से सिर्फ 340 नियमित हैं।

समिति ने संविदा शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के नियमितीकरण, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार "समान काम के लिए समान वेतन", 60% ईपीएफ भुगतान तथा आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण पर रोक लगाने की मांग की। जेएसी ने पदोन्नति में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि ओयू के कुलपति के मनमाने फैसलों के कारण कमजोर वर्गों से आने वाले 50 योग्य शिक्षकों को प्रमोशन से वंचित कर दिया गया। समिति ने 300 स्थानीय तेलंगाना सुरक्षा गार्डों को हटाकर उनकी जगह अधिक वेतन पाने वाले सेवानिवृत्त गैर–स्थानीय कर्मियों की नियुक्ति पर भी आपत्ति जताई।

# सीसीएस बालानगर ने कुख्यात लूट गैंग का भंडाफोड़, 17 मामले सुलझे

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की सीसीएस बालानगर पुलिस ने लगातार लूट और वसूली की वारदातों में शामिल एक तीन सदस्यीय गैंग को गिरफ्तार कर 17 मामलों का खुलासा किया है। यह मामला 19 नवंबर को उस समय प्रकाश में आया, जब शिकायतकर्ता मारडानी सुनील कुमार ने डुंडीगल के रोटरी–1 इलाके में दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चाकू की नोक पर सोने की चेन लूटे जाने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद डुंडीगल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तिलपिथिया गुरुदर सिंह उर्फ गुरु सिंह (24), येल्लम्माबांडा; शेख नगुल मीरा उर्फ गोरे (30), गुंटूर जिला; और कोटा अखिल कुमार (23), पलनाडु जिला के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने कुल 17 अपराधों की स्वीकारोक्ति की, जिनमें 8 लूट, 5 वसूली के मामले, 2 वाहन चोरी और अन्य चोरी की वारदातें शामिल हैं। ये अपराध डुंडीगल, कुकटपल्ली, केपीएचबी, अल्लापुर, बालानगर, माधापुर, बच्छुपल्ली और मियापुर क्षेत्रों में किए गए थे। पुलिस ने उनके कब्जे से दो चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें और 6 मोबाइल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार यह गैंग सुनसान इलाकों में लोगों को निशाना बनाकर चाकू से धमकाते हुए सोना, नकदी और मोबाइल फोन लूट लेती थी। डीसीपी क्राइम्स ए. मुथ्यम रेड्डी के निर्देश पर सीसीएस बालानगर की तीन टीमों ने आरोपियों को 8 दिसंबर को डुंडीगल के रोटरी–1 क्षेत्र से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई डीसीपी क्राइम्स ए. मुथ्यम रेड्डी, अतिरिक्त डीसीपी क्राइम्स के. राम कुमार, एसीपी टी. नागेश्वर राव और इंस्पेक्टर ए. रवि कुमार के निर्देशन में सीसीएस बालानगर टीम द्वारा की गई।

# टीपीसीसी अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण संगठनात्मक दिशा-निर्देश जारी किए

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने मंगलवार को जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) अध्यक्षों तथा कांग्रेस की सभी अग्रिम एवं सहयोगी इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ जूम मीटिंग कर महत्वपूर्ण संगठनात्मक दिशा–निर्देश जारी किए। बैठक में उन्होंने हाल ही में नियुक्त हुए डीसीसी अध्यक्षों को बधाई दी और उन्हें तुरंत वरिष्ठ नेताओं के साथ तालमेल स्थापित कर सामूहिक रूप से काम करने का निर्देश दिया। टीपीसीसी अध्यक्ष ने जिला इकाइयों को "वोट चोर' हस्ताक्षर अभियान को तेज गति से चलाने तथा 14 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाले "वोट चोर महाधरना' में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के आदेश दिए। स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में महेश गौड़ ने पार्टी को बूथ एवं स्तर पर सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन द्वारा निर्धारित "छह माह की प्रदर्शन अवधि' को पूरा करना जिलों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में जीत केवल तभी संभव है, जब जिला स्तर पर संगठन सामूहिक प्रयास और एकजुटता के साथ कार्य करे।

# बीआरएस ने विजय दिवस पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ दिखाया सख्त रुख

> चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के गठन की केंद्र सरकार की 9 दिसंबर 2009 की घोषणा की 16वीं वर्षगांठ पर विजय दिवस मनाते हुए बीआरएस नेताओं ने तेलंगाना भवन में कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक संघर्ष का बिगुल फूँक दिया। नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को राज्य का 'एकमात्र निर्माता' बताते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिर्फ दो वर्षों में तेलंगाना को 'व्यवस्थित रूप से नष्ट' कर दिया है। वरिष्ठ नेता जी. देवीप्रसाद ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि विजय दिवस को चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की नई

शुरुआत माना जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र की घोषणा का श्रेय चंद्रशेखर राव के आमरण अनशन को जाता है और उनके नेतृत्व में बीआरएस सरकार ने तेलंगाना को आदर्श राज्य के रूप में विकसित किया। देवीप्रसाद और अन्य नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार विकास के नाम पर विनाश कर रही है और राज्य को पटरी पर लाने के लिए बीआरएस नेतृत्व की वापसी आवश्यक है।

पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार ने कहा कि तेलंगाना के गठन, अस्तित्व और विकास के पीछे मुख्य शक्ति के. चंद्रशेखर राव ही हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल न रहे टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की बयानबाज़ी विश्वसनीय नहीं है। विनोद कुमार ने चेतावनी दी कि अगर सच नहीं बोला गया तो झूठ परोसे जाने का खतरा बढ़ जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री मोहम्मद महमूद अली और पूर्व विधान परिषद उपसभापति बंदा प्रकाश ने भी अपने विचार रखे।

## बस ने ऑटो को उड़ाया, 3 की मौत

वैशाली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। वैशाली में बस ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 10 लोग घायल हैं। घायलों की हालत नाजुक है। हादसा मंगलवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे जिले के हाजीपुर-लालगंज रोड पर कंचनपुर धनुषी के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से उड़ गया। बस भी क्षतिग्रस्त हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा।

ऑटो हाजीपुर से लालगंज की ओर जा रहा था, जबकि बस लालगंज से हाजीपुर की तरफ आ रही थी। पुलिस फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान करने में जुटी है। टक्कर के बाद ऑटो पर बैठे लोग सड़क पर इधर-उधर फेंका गए। सभी लोगों को चोट आई है। कुछ की हालत गंभीर है।

## लैंड फॉर जॉब केस में चारा घोटाले वाली पैंतरेबाजी कर रहीं राबड़ी

# कोर्ट में सीबीआई ने क्यों दी ये दलील?

पटना नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक स्थानीय अदालत को बताया है कि बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी मामले को विशेष न्यायाधीश से स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका कुछ और नहीं बल्कि एक कमजोर फोरम शॉपिंग की कोशिश है। हमारे सहयोगी सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने कहा है कि राबड़ी की याचिका अदालत को छलने की एक दुर्भावनापूर्ण कोशिश से ज्यादा कुछ नहीं है और यह न केवल अदालत को बदनाम करने, बल्कि विशेष न्यायाधीश को धमकाने का भी एक प्रयास है, ताकि न्याय के स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रशासन में सीधा हस्तक्षेप हो।

### सीबीआई ने राबड़ी की याचिका पर दी कड़ी दलील

सीबीआई ने दलील दी है कि विशेष न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश न्यायिक विवेक के प्रयोग और अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा के बाद पारित किए गए हैं। सीबीआई ने कहा है कि 'पक्षपात की आशंका के आधार पर मामले का स्थानांतरण व्यापक परिणाम देता है, खासकर केवल अनुमानों और अटकलों पर आधारित।' जवाब में आगे कहा गया है, 'इससे न केवल केस की प्रगति पर असर पड़ेगा, बल्कि ऐसा करना संबंधित जज के मनोबल को भी गिराएगा।'

### चारा घोटाले में भी हुई थी ऐसी ही पैंतरेबाजी

राबड़ी पर कथित तौर पर फोरम शॉपिंग में लिप्त होने के अपने आरोप को पुष्ट करने के लिए, सीबीआई ने चारा घोटाले का हवाला दिया है, जिसमें राबड़ी देवी के पति और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव दोषी हैं। सीबीआई के जवाब में कहा गया है, 'आवेदक (राबड़ी देवी) और उनके परिवार द्वारा फोरम शॉपिंग में लिप्त होने का यह कोई अकेला मामला नहीं है। उनके पति से जुड़े एक पिछले मामले, जिसे चारा घोटाला के नाम से जाना जाता है , में 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने मामले के स्थानांतरण संबंधी याचिका को खारिज कर दिया था।'

### सुप्रीम कोर्ट ने तब खारिज की थी लालू की याचिका

विस्तार से बताते हुए, एजेंसी ने दलील दी कि अगर राबड़ी को पक्षपात की कोई आशंका थी, तो उसे 'शुरुआती चरण में ही पेश किया जाना चाहिए था, न कि तब जब आरोपों पर महीनों तक बहस चली, उन पर आदेश सुरक्षित रखे गए, आरोप तय किए गए और मामला अब अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में है।' एजेंसी ने आगे कहा है कि सिर्फ इसलिए कि किसी पक्ष के खिलाफ कुछ आदेश पारित किए गए हैं, मामले को स्थानांतरित करने का आधार नहीं बन सकता, जैसा कि आवेदक (राबड़ी देवी) ने यहां कहा है।

मामलों का स्थानांतरण छोटी-मोटी शिकायतों या अतिसंवेदनशीलता के लिए नहीं, बल्कि किसी ज्यादा ठोस, बाध्यकारी, लोक न्याय और उससे जुड़े माहौल की नजर से खतरे में डालने वाले, जिससे मुकदमे की निष्पक्षता में जनता का विश्वास कमजोर हो, के लिए किया जाना चाहिए।'

## पटना के बिहटा में चला अतिक्रमण पर बुलडोजर

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद से अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पटना के बिहटा में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। पटना जिलाधिकारी के आदेश पर दानापुर की एसडीएम दिव्या शक्ति के नेतृत्व में यह कार्रवाई शुरू की गई। अभियान के तहत सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में बिहटा चौक से लेकर बिहटा डोमनिया पुल बाजार तक सड़क के दोनों किनारों पर हुए अवैध कब्जों को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय अंचल अधिकारी राकेश कुमार सिंह और पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। इस कार्रवाई पर स्थानीय निवासी अजय कुमार पिंटू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सही है, लेकिन गरीब दुकानदारों के लिए नगर परिषद प्रशासन को ऑप्शनल व्यवस्था करनी चाहिए।

स्थानीय अजय कुमार पिंटू ने बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में वेंडिंग जोन बनाने की मांग की, ताकि सभी दुकानें एक जगह लग सकें। बिहटा में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि बिहटा नगर परिषद बने चार साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक वेंडिंग जोन और पार्किंग जैसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण जाम की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के कारण लगातार बिहटा में जाम की स्थिति बन रही थी। पटना जिला प्रशासन और दानापुर अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में अवैध कब्जा किए गए निर्माण को प्रशासन के बुलडोजर जरिए हटाया गया है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

# 'बंटोगे तो कटोगे... ये क्या है?'

## सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने साधा निशाना, कहा- अविचारों से टूटता है देश

फैजाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी की फैजाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश विचारों से बनता है और अविचारों से टूटता है। सीएम योगी कहते हैं कि बंटोगे तो कटोगे।। ये क्या है। देश वंदे मातरम से मजबूत होगा। सपा सांसद ने वंदे मातरम् पर हुई चर्चा को लेकर कहा कि कल लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा हुई थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी शुरुआत की, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हमारे नेता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अपने विचार रखे। मैंने भी वंदे मातरम पर अपने विचार रखे और अपने नेता व अन्य इंडिया गठबंधन नेताओं को सम्मत करते हुए अपने विचार रखे।

### सीएम योगी के बयान पर साधा निशाना

अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश विचारों से बनता है और अविचारों से टूटता है। एक विचार ही था महात्मा गांधी जिनसे प्रभावित होकर कई सपूत खड़े हो गए और शहीद हो गए। देश अविचारों से टूटता है। हमारे देश में अनेकता में एकता का सूत्र मजबूत है। हमारे उत्तर प्रदेश में योगी जी कहते हैं 'बंटोगे तो कटोगे' ये क्या है? वंदे मातरम से देश मजबूत होगा। विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है, लड़ रहा है।।।अयोध्या में हमारी जीत से पता चलता है कि इस देश की राजनीति धर्म के आधार पर नहीं चल सकती, मेरी जीत से पूरे देश में संदेश गया है। भाजपा वाले जनता को भ्रमित करते रहते हैं।

### वंदे मातरम पर सपा सांसद की लोकसभा में स्पीच

इससे पहले सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में अपनी बात रखते हुए राम मंदिर में उन्हें न्योता नहीं देने पर भी केंद्र सरकार को घेरा, उन्होंने कहा कि वंदे मातरम इस देश की एकता, अखंडता।। आपसदारी और भाईचारे का संदेश है। लेकिन, आज अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आज हमारी सरकार चाहे वो यूपी की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में या केंद्र सरकार हो वो भेद कर रही है और आपसी विवाद पैदा किया जा रहा है।

## प्रेमी से पूछा-लड़की की लाश तो नहीं मिलेगी

### शादी करवाई:आगरा से भागे; पकड़े जाने पर प्रेमिका पंचायत में बोली- साथ नहीं छोड़ूंगी

आगरा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा में लव अफेयर के बाद घर से भागे प्रेमी-प्रेमिका के लिए पंचायत बैठी। प्रेमी से पूछा गया कि कोई दबाव तो नहीं है। 6 महीने बाद लड़की की लाश तो नहीं मिलेगी। प्रेमिका से भी पूछा गया कि अगर लड़का कोई काम धंधा नहीं करेगा तो उसे छोड़ तो नहीं दोगी। दोनों हर बात पर राजी हुए तो उनकी शादी करवा दी गई। दरअसल, खेड़ा जवाहर का संदीप और फतेहाबाद के कछपुरा हिमाउपुर की नेहा 6 दिसंबर को घर से भाग गए थे। परिवार वालों ने दोनों को ढूंढने की बहुत कोशिश की। दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों से पूछताछ की, लेकिन कोई खोज-खबर नहीं मिली। अगले दिन दोनों का पता चला। घरवाले वहां पहुंचे और दोनों को लड़की के गांव ले आए। फिर एक मंदिर में पंचायत हुई। पंचों ने संदीप से पूछा- तुम पर कोई दबाव तो नहीं है। उसे छोड़ तो नहीं देगा। ऐसे ही लड़की से सवाल किए गए। दोनों की सहमति के बाद शादी करवाले का फैसला लिया गया।

## 'वंदे मातरम' पर कैराना सांसद इकरा हसन का जोरदार संबोधन, समझाया अर्थ

### संसद में बजी तालियां

शामली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कैराना सांसद इकरा हसन ने संसद में विशेष संबोधन दिया। जैसे ही उन्होंने सदन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का शाब्दिक अर्थ समझाया, कई सदस्य हैरान रह गए। उनके भाषण की वीडियो तेजी से वायरल हो रही है। इकरा हसन ने अपने भाषण में बताया कि राष्ट्रगीत को लेकर कभी भी अनिवार्यता नहीं रखी गई, बल्कि इसे सम्मान और स्वैच्छिकता के साथ अपनाया गया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने 'राजधर्म' का पालन करते हुए यह सुनिश्चित किया था कि वंदे मातरम किसी पर थोपा न जाए, बल्कि लोग इसे सम्मानपूर्वक गाएं।

### अर्थ समझाते ही सदस्य हुए आश्चर्यचकित

सांसद इकरा हसन द्वारा वंदे मातरम का अर्थ व संदर्भ समझाए जाने पर कई सदस्यों ने आश्चर्य व्यक्त किया। उनके तार्किक और शांत अंदाज़ वाले भाषण की चर्चा सदन से लेकर सोशल मीडिया तक हो रही है।

### सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

उनका यह भाषण सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड कर रहा है, जहां लोग इसे 'संतुलित', 'तथ्यात्मक' और 'शांतिपूर्ण संदेश' वाला बताकर सराह रहे हैं।

## 50 हजार का इनामी सामा एनकाउंटर में ढेर

शामली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। शामली में 50 हजार का इनामी बदमाश समयदीन उर्फ सामा मुठभेड़ में मारा गया है। एक सिपाही भी हाथ में गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस को देर रात इनपुट मिला कि समयदीन शामली में है और भागने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने रात 2 बजे घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी फायर किया। इसमें समयदीन को गोली लग गई। वह जमीन पर गिर पड़ा।

पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां उसकी मौत हो गई। मौत से पहले पूछताछ में समयदीन ने बताया कि शामली में दो महीने पहले (18 अक्टूबर) हुए एनकाउंटर में मारा गया नफीस उसका साथी था। 40 साल का समयदीन शामली के ही कांधला का रहने वाला था। अभी कर्नाटक के तुमकूर में रहता था। 18 अक्टूबर शामली में एनकाउंटर के दौरान मारे गए बदमाश नफीस के साथ था। लेकिन, मौका पाकर भाग निकला था। पुलिस के मुताबिक, सामा यूपी में वारदात करने के बाद कर्नाटक भाग जाता था। उसके खिलाफ 23 मुकदमे दर्ज थे।

## तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर हथियारों के साथ गिरफ्तार साढ़े तीन लाख की सुपारी का खुलासा

मुज्जफरपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर पुलिस की सक्रियता से एक बड़ी हत्या की वारदात होने से बच गई। मामला गरहां ओपी थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने विशेष जांच अभियान के दौरान बाइक सवार तीन संदिग्ध अपराधियों को पकड़ा। गिरफ्तार बदमाशों के पास से तीन अवैध हथियार, कई जिंदा कारतूस और मादक पदार्थ की एक खेप बरामद की गई है।

सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पटियासा के पास कुछ युवक संदिग्ध हालात में घूम रहे हैं। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आरोपी भागने लगे, लेकिन पीछा कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गौरव निखिल, रोहित कुमार और निखिल कुमार के रूप में हुई है। तीनों का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें रोहित पर पहले से मामला दर्ज है। एसडीपीओ टाउन–2 बिनीता सिन्हा की टीम द्वारा की गई सघन पूछताछ में बड़े खुलासे हुए।

पता चला कि यह गिरोह सुपारी किलर है और मुजफ्फरपुर के गायघाट क्षेत्र के एक प्रत्याशी की हत्या करने आया था। तीनों को यह काम साढ़े तीन लाख रुपये में सौंपा गया था। सिटी एसपी ने बताया कि कॉन्ट्रैक्ट देने वाले व्यक्ति की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है और इसमें बड़े अपराधियों के लिंक मिलने की भी आशंका जताई है।

## एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराने वाले को पांच वर्ष की सजा, कोर्ट ने कहा- कठोर दंड नहीं दिया गया तो...

लखनऊ, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जमीन से जुड़े विवाद में एससी/एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा लिखवाने के मामले में दोषी करार दिए गए विकास कुमार को एससी/एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया है कि इस मामले में यदि दोषी को कोई राहत धनराशि दी गई हो तो वापस ली जाए। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि वादी मुकदमे का सबसे महत्वपूर्ण साक्षी होता है और उसे न्यायालय के समक्ष सत्य बयान देना चाहिए। यदि फर्जी मुकदमे दर्ज कराने वालों पर कठोर दंड नहीं दिया जाएगा तो कानून का दुरुपयोग बढ़ेगा।

सरकारी वकील अरविंद मिश्रा ने बताया कि विकास कुमार ने 29 जून 2019 को थाना पीजीआइ में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से ओम शंकर यादव, अरुण कुमार, नीतू यादव और अखिलेश पाल मौके पर आए और जातिसूचक गालियां देते हुए उसे जमीन से भगा दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस को आरोपियों की घटना स्थल पर मौजूदगी के कोई प्रमाण नहीं मिले। स्वतंत्र गवाहों ने भी ऐसी किसी घटना से साफ इनकार किया। जांच में यह भी सामने आया कि विकास कुमार के परिवार की जमीन पर बैंक से कर्ज लिया गया था। कर्ज न चुकाने की स्थिति में बैंक ने उस जमीन की नीलामी कर दी थी। नीलामी में ओम शंकर यादव के भांजे कमलेश ने जमीन खरीदी थी। इसी जमीन विवाद के चलते बाद में कमलेश की हत्या हो गई थी, जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

उस मुकदमे में ओम शंकर यादव पैरवी कर रहा था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसी पैरवी से रोकने और दबाव बनाने के उद्देश्य से दोषी ने एससी/एसटी एक्ट के तहत झूठा मुकदमा दर्ज कराया। घटना के असत्य पाए जाने पर विवेचना अधिकारी ने 26 दिसंबर 2019 को न्यायालय में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। सभी साक्ष्यों और बयानों के आधार पर अदालत ने विकास कुमार को दोषी करार दिया।

## गैंगस्टर एक्ट में दोषी सुंदर भाटी समेत दस लोगों को 9-9 साल की सजा, कोर्ट ने लगाया भारी जुर्माना

नोएडा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा की कासना कोतवाली में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के एक अहम मामले में जिला अदालत ने कुख्यात गैंगस्टर सुंदर भाटी समेत 10 दोषियों को नौ-नौ साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इन सभी पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर दो-दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सजा पाए दोषियों में सुंदर भाटी, सिंहराज, विकास पंडित, योगेश, ऋषिपाल, बॉबी उर्फ शेरसिंह, सोनू, यतेन्द्र चौधरी, अनूप भाटी और दिनेश भाटी शामिल हैं। हालांकि सिंहराज और ऋषिपाल को छोड़कर बाकी आठ दोषी अपनी घोषित सजा से अधिक अवधि जेल में बिताने के कारण रिहा कर दिए गए जबकि सिंहराज और ऋषिपाल को शेष सजा पूरी करने के जेल भेजा गया है। दरअसल ये मामला 8 फरवरी 2015 का है जब नियाना गांव में एक शादी समारोह से लौटते समय दादूपुर के ग्राम प्रधान, सपा नेता हरेंद्र नागर और उनके सरकारी गनर भूदेव शर्मा पर जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, बदमाशों में से एक जतिन खत्री भी ढेर हो गया था। जांच में हरेंद्र नागर और सुंदर भाटी के बीच सरिया चोरी, फैक्टरी स्क्रैप और पानी सप्लाई को लेकर पुरानी रंजिश की बात सामने आई थी। वर्चस्व की इस लड़ाई के चलते ही हत्या की सुपारी दी गई थी। इसी प्रकरण में सुंदर भाटी समेत 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2021 में इसी हत्याकांड में अदालत ने सुंदर भाटी सहित 12 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

# बंद पड़ी शुगर मिल चालू करने का वादा कब होगा पूरा? सीएम नीतीश कुमार के नेता ने दी जानकारी

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में नई शुगर मिल खोलने को लेकर राजनीति एक बार फिर गर्म हो गई है। इस बीच जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने काम को लेकर बेहद गंभीर हैं और सरकार बनने के बाद से एक दिन भी आराम नहीं किया है। उनका कहना है कि बिहार में बंद पड़ी मिलों को फिर से शुरू कराने और नई मिलों के निर्माण में सरकार लगातार काम कर रही है। नीरज कुमार ने कहा कि विपक्ष के नेता बार-बार आरोप लगा रहे हैं कि सरकार ने शुगर मिलों के लिए जमीन का आवंटन नहीं किया है और कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बंद मिलों की समस्याओं को दूर करने, निवेश आकर्षित करने और गन्ना किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई बैठकों में खुद समीक्षा की है।

### बिहार में एक नई शुगर मिल खोलने की प्रक्रिया जारी- नीरज कुमार

जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि बिहार में एक नई शुगर मिल खोलने की प्रक्रिया जारी है और यह मिल गन्ना उत्पादन वाले क्षेत्रों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। नीरज कुमार के अनुसार, सरकार का फोकस सिर्फ नई मिल बनाना ही नहीं, बल्कि पुराने उद्योगों को फिर से खड़ा करना भी है। ताकि रोजगार और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा कि जो लोग सिर्फ बयान देने में विश्वास रखते हैं, वे जानते ही नहीं कि जमीन पर कितना काम हो रहा है।

### स्वतंत्रता संग्राम में 'वंदे मातरम्' ने निभाया प्रेरणादायक रोल- नीरज कुमार

इसके साथ ही 'वंदे मातरम्' को लेकर संसद में चल रही चर्चा पर भी नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय गीत को लेकर देश में कई राजनीतिक विचारधाराएं अपनी-अपनी राय देती रही हैं, लेकिन इसका देश के आजादी आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि आज इसे अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा रहा है, लेकिन यह तथ्य नहीं बदलता कि 'वंदे मातरम्' ने स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा भावनात्मक और प्रेरणादायक रोल निभाया है।

### अलसी मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा विपक्ष

नीरज कुमार ने कहा कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा होना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन इसे अनावश्यक विवाद का रूप देना सही नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि बिहार में नई शुगर मिल बनने में सरकार कोई देरी नहीं कर रही है, पूरी प्रक्रिया तय समय में आगे बढ़ रही है और मुख्यमंत्री की खास निगरानी में है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार काम करते हैं और विपक्ष सिर्फ सवाल पूछने में व्यस्त है।

## आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया मौलवी, गांव वालों ने पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा

सुपौल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सुपौल जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है,जहां एक प्रेमी जोड़े को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा गया और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। यह घटना जिले के बलुआ बाजार थाना क्षेत्र के तुलसीपट्टी गांव की बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, रविवार को गांव वालों ने एक मौलवी और शादीशुदा महिला को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। मौलवी गांव में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम करता है। मामला सामने आते ही ग्रामीण बौखला गए और दोनों को पकड़कर एक पेड़ से बांध दिया। जिसके बाद भीड़ ने मौलवी की जमकर पिटाई कर दी।

मौलवी की पिटाई करने के बाद ग्रामीणों ने पंचायत बैठाई। पंचायत ने मौलवी पर करीब दो लाख रुपए का जुर्माना लगाकर मामला रफा-दफा कर दिया। मौलवी पक्ष ने मौके पर ही एक लाख रुपये दिया। पैसे कम पड़ने पर उसके मोबाइल वगैर को ले लिया गया। इस मामले पर बलुआ बाजार थानाध्यक्ष सुमित कुमार ने बताया कि वीडियो की जांच कर ली गई है

## दम घुटने लगा! एक्यूआई 480 के पार

### रिकॉर्ड तोड़ प्रदूषण; शहर बना गैस चेंबर

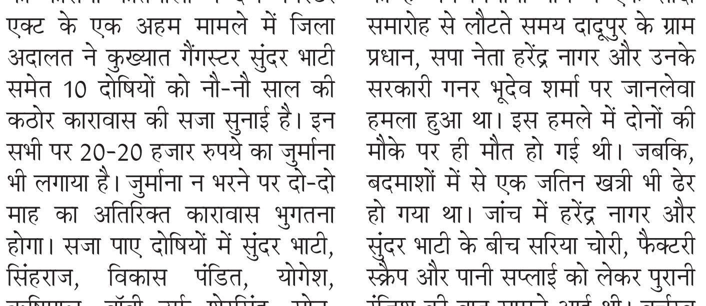


मुज्जफरपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में प्रदूषण का संकट लगातार गहराता जा रहा है। शहर की हवा 'अति खराब' श्रेणी को भी पार कर चुकी है और एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 450 से 480 के बीच रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। खराब हवा के कारण आम लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है और सांस संबंधी बीमारियों में इजाफा होने की आशंका है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार मुजफ्फरपुर का ओवरऑल एक्यूआई 470 दर्ज किया गया है, जो अब तक का सबसे गंभीर स्तर माना जा रहा है। एमआईटी क्षेत्र में 468, समाहरणालय के पास 450, अतरदाहा में 474 और बुद्ध कॉलोनी में 482 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया है। ये सभी घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाके हैं, जिनमें प्रदूषण का असर बुजुर्गों और बच्चों पर अधिक देखने को मिल रहा है। चिकित्सकों ने लोगों को मास्क पहनने, अनावश्यक बाहर न निकलने और सांस से जुड़ी दिक्कत होने पर तुरंत इलाज कराने की सलाह दी है।

विशेषज्ञों के अनुसार धूल-मिट्टी, वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्य, तापमान में उतार-चढ़ाव और हवा की गति कम होने से प्रदूषण के स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। लगातार बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम अलर्ट हो गए हैं। नगर निगम की टीम प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव, निर्माण स्थलों की निगरानी और अन्य जरूरी कार्रवाइयों में जुट गई है। शहर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के उपायों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

## नौकरी का लालच, शादी के नाम पर धोखा! नागपुर में महिला कबड्डी खिलाड़ी ने की आत्महत्या

नागपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर के सावनेर इलाके से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां मालेगांव (टाउन) की रहने वाली 29 साल की महिला कबड्डी खिलाड़ी किरण सूरज धाड़े ने मानसिक प्रताड़ना और धोखे से तंग आकर अपनी जान दे दी। कीटनाशक का सेवन करने से उनकी हालत गंभीर हो गई थी, जिसके बाद इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दुख और आक्रोश पैदा कर दिया है। किरण की घर की आर्थिक हालत काफी कमजोर थी। उन्होंने बीए तक की पढ़ाई पूरी की थी और सेना, पुलिस, होमगार्ड, रक्षा विभाग और अन्य सरकारी नौकरियों के लिए लगातार प्रयास कर रही थीं, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पा रही थी। इसी बीच, स्वप्निल जयदेव लांबघरे नाम के युवक ने उन्हें नौकरी दिलाने का लालच दिया और शादी करने का प्रस्ताव रखा।

# पूर्व सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले वकील की पिटाई
# कड़कड़डूमा कोर्ट में चप्पलों से पीटा गया

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर की दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में वकीलों ने चप्पलों से पिटाई की है।

वकील राकेश किशोर, जिन्होंने हाल ही में पूर्व मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता फेंक कर हंगामा किया था, उन्हें बीआर गवई ने माफ कर दिया था। लेकिन कोर्ट परिसर में ही कुछ वकीलों ने उन्हें चप्पलों से पीट दिया। ये घटना तब हुई जब राकेश किशोर कोर्ट में मौजूद थे, तभी कुछ वकीलों ने उनपर हमला कर दिया। राकेश पर धक्का-मुक्की और चप्पलों से हमला किया गया। वहीं मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने बीच-बचाव करके उन्हें

बाहर निकाला।

**बार काउंसिल ने किया था निलंबित**

राकेश किशोर को बीआर गवई पर जूता फेंकने के बाद बार काउंसिल ने उन्हें निलंबित कर दिया था। राकेश किशोर ने तमाम निंदाओं के बाद भी कहा था कि उन्हें अपने किए पर कोई अफसोस नहीं है। उन्होंने बताया कि भगवान ने सपने में आकर उन्हें ये काम करने कहा था। राकेश किशोर एक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, जो दिल्ली बार काउंसिल में 2009 से पंजीकृत हैं। उनकी उम्र लगभग 71-72 वर्ष बताई जा रही है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निलंबन के बाद वह आगे की कार्रवाई तक कोई भी केस नहीं लड़ सकते हैं।

**बीआर गवई पर जूता फेंकने का मामला**

6 अक्टूबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में एक नियमित सुनवाई के दौरान, राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की। यह घटना सुबह करीब 11:35 बजे हुई, जब सुनवाई खजुराहो (मध्य प्रदेश) के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना से जुड़े मामले पर चल रही थी। किशोर ने जूता निकाल लिया, लेकिन सतर्क सुरक्षाकर्मियों और आसपास के वकीलों ने उन्हें तुरंत पकड़ लिया

# दिल्ली हाईकोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार को दिया ये निर्देश
## आपत्तिजनक सामग्री से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मानहानि मुकदमे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को जम्मू और कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी से कहा कि मुकदमे में सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने वालों का नाम भी शामिल करें।

अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए निर्धारित 13 जनवरी से पहले सूचीबद्ध करने की सुरिंदर कुमार चौधरी की अर्जी स्वीकार कर ली। अदालत ने मामले को 16 दिसंबर को सूचीबद्ध करते हुए सुरिंदर कुमार चौधरी को पक्षकारों को शामिल करने का आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि एक महिला के साथ संबंध होने के आरोपों पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट अपलोड किया गया था।

# 'कैश बम' धमाका! उद्धव ठाकरे के नेता के वीडियो से मचा सियासी भूचाल

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में उस वक्त हंगामा मच गया जब शिवसेना यूबीटी के एक नेता अंबादास दानवे ने एक बड़ा 'कैश बम' फोड़ दिया। 9 दिसंबर की सुबह ही उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। उसमें एक फ्रेम में एक विधायक दिखाई दे रहा है और दूसरे फ्रेम में नोटों की गड्डियां नजर आ रही हैं। इस वीडियो से एकदम खलबली मच गई है।

अधिवेशन के दूसरे ही दिन सुबह-सुबह उद्धव ठाकरे के नेता अंबादास दानवे ने बड़ा खुलासा कर दिया है। उनके आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया। इसमें कुल तीन वीडियो शामिल हैं। इनमें से एक वीडियो में विधायक महेंद्र दळवी दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में नोटों की गड्डियां दिखाई देती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि अपनी पोस्ट में दानवे ने किसी का नाम सीधे नहीं लिया है।

लेकिन उन्होंने सरकार से सवाल पूछे हैं, जिसके कारण राजनीतिक माहौल गरमाया है। अंबादास दानवे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, "इस सरकार के पास सिर्फ किसानों की कर्जमाफी के लिए पैसा नहीं है... बाकी सब ओके है! जनता को थोड़ा बताइए फडणवीस और शिंदे जी, ये विधायक कौन हैं और ये नोटों की गड्डियों के साथ क्या कर रहे हैं?" वहीं शिवसेना (यूबीटी) विधायक सचिन अहीर ने सरकार को घेरते हुए कहा कि, सरकार के पास किसानों की मदद के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन विधायकों और मंत्रियों के पास करोड़ों रुपये जमा हैं। साफ़ है कि राज्य कितना भ्रष्ट होता जा रहा है।

यह एक वीडियो कॉल जैसा दिखाई देता है। इसमें एकनाथ शिंदे गट के विधायक महेंद्र दळवी नजर आते हैं। दूसरी तरफ का व्यक्ति दिखाई नहीं देता, लेकिन वीडियो में नोटों की भारी गड्डियां दिख रही हैं। इसी को लेकर दानवे ने मुख्यमंत्री फडणवीस से सवाल किया है कि ये विधायक कौन है और पैसों की गड्डियों के साथ क्या कर रहा है?

इस पूरे विवाद पर विधायक महेंद्र दळवी ने जवाब देते हुए कहा: "अंबादास दानवे के पास कोई काम नहीं है। वे किसी के भी खिलाफ कुछ भी बोलते हैं। किसी को ब्लैकमेल करना उन्हें शोभा नहीं देता। ये वीडियो मेरा नहीं है।

## लाल मिर्ची के चक्कर में एमपी के शख्स ने गंवा दिए लाखों रुपये, कर्नाटक से ठगी का है कनेक्शन

बड़वानी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा शहर में लाल मिर्च खरीदने के बहाने बड़े ऑनलाइन फ्रॉड का खुलासा हुआ है। सस्ते दाम और आकर्षक ऑफ़र के लालच में एक व्यापारी ऐसे सौदे में फंस गया, जिसमें न तो उसे माल मिला और न ही उसकी राशि वापस लौटी। पुलिस जांच में पता चला कि जिस आरोपी ने व्यापारी से 5.64 लाख रुपये हड़पे, वह बीते 20 महीनों से फरार चल रहा था और अपनी पहचान बदलकर कर्नाटक के हुबली में छिपा हुआ था। आरोपी का नाम सोमनाथ कागल है। पुलिस के मुताबिक, शहर के एक व्यापारी ने 27 अप्रैल 2024 को एफआईआर दर्ज कराई थी। फरियादी ने शिकायत में बताया कि उसकी पहचान सोशल मीडिया के जरिए आंध्र प्रदेश के गुंटूर में स्थित ओम ट्रेडर्स के मालिक बताने वाले सोमनाथ से हुई।

# सत्येंद्र जैन ने वापस लिया मानहानि का मुकदमा
# भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ दायर मुकदमा वापस ले लिया है। उन्होंने यह मुकदमा पिछले साल दायर किया था। वरिष्ठ सिविल जज गौरव शर्मा ने मुकदमे की वापसी को स्वीकार कर लिया और मामले को वापस लिया गया कहकर निपटा दिया। जज ने अपने आदेश में कहा कि वादी मुकदमे का स्वामी है और इसलिए, उसे इसे वापस लेने का अधिकार है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए मामला वापस लिया गया कहकर निपटाया जाता है। जैन के वकील रजत भारद्वाज और करण शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि वादी वर्तमान मुकदमा वापस लेना चाहता है। इस साल जुलाई में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने जैन द्वारा दायर दीवानी मानहानि के मुकदमे को खारिज करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी। जैन ने अपने मुकदमे में आरोप लगाया था कि बांसुरी स्वराज ने अक्टूबर 2023 में एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में मानहानिकारक टिप्पणी की थी। रोहिणी कोर्ट ने दिसंबर 2024 में बांसुरी स्वराज और एक टीवी समाचार चैनल को नोटिस जारी किया था। जैन ने टीवी चैनल से उक्त सामग्री को हटाने और बांसुरी स्वराज को आगे ऐसी टिप्पणी करने से रोकने का निर्देश देने की प्रार्थना की थी। उन्होंने एक रुपये के हर्जाने का दावा भी किया था। जैन ने बांसुरी स्वराज के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में एक आपराधिक मानहानि शिकायत भी दायर की थी। इसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा खारिज कर दिया गया था। सत्येंद्र जैन ने अपनी मानहानि शिकायत में आरोप लगाया था कि स्वराज ने पांच अक्टूबर 2023 को एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए थे। यह साक्षात्कार लाखों लोगों द्वारा देखा गया था। जैन ने दावा किया कि ये टिप्पणियां बांसुरी स्वराज द्वारा उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से

## सरकार के रडार पर 719 कर्मचारी, फर्जी प्रमाण पत्र इस्तेमाल करने का शक; मंत्री ने दी जानकारी

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार को 719 कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, जिन्होंने कथित तौर पर विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र का उपयोग किया। दिव्यांग कल्याण मंत्री अतुल सावे ने मंगलवार को यह जानकारी विधानसभा में दी। मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य विभाग की ओर से दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी होने के बाद दिव्यांग प्रमाण पत्रों की जांच अनिवार्य कर दी गई है और अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, सरकार को 719 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, जिन्होंने कथित तौर पर विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए, फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किया।

उन्होंने शरद पवार गुट की राकांपा के विधायक बापू पाटरे की ओर से पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह जवाब दिया। सावे ने बताया कि सतारा में 78, पुणे में 46 और लातूर में 26 कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा, पुणे जिले में 21 कर्मचारियों को फर्जी प्रमाण पत्र

जमा करने के कारण निलंबित कर दिया गया है और नंदुरबार में दो को पद से हटा दिया गया।

सरकारी निर्देशों के अनुसार, जिन कर्मचारियों के प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए या जिनकी दिव्यांगता 40 फीसदी से कम आंकी गई, उनके खिलाफ 2016 के 'निःशक्त व्यक्ति अधिकार अधिनियम' की धारा 11 के तहत कार्रवाई की जाएगी और अनुशासनात्मक कार्यवाही भी होगी। मंत्री ने बताया कि नौ अक्टूबर को जारी सरकारी नोटिस में सभी विभागों को निर्देश दिया गया था कि वे दिव्यांग प्रमाण पत्रों की जांच पूरी करें और आठ जनवरी, 2026 तक विस्तृत रिपोर्ट जमा करें।

## श्योपुर में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, पूर्व मंत्री के भांजे की मौत

श्योपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में श्योपुर के कराहल थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में कार सवार युवक देवेंद्र रावत की मौके पर ही मौत हो गई। देवेंद्र रावत पूर्व मंत्री रामनिवास रावत के भांजे बताए जा रहे हैं। हादसा ग्राम सिलपुरी में मंगलवार रात हुआ। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के वक्त देवेंद्र रावत कार में अकेले सवार थे और गाड़ी की रफ़्तार तेज थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और इसके चलते देवेंद्र रावत की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए।

सूचना मिलते ही कराहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से देवेंद्र रावत को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला है कि कार काफी रफ्तार से आ रही थी और अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। ग्रामीणों की सूचना पर हम लोग एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

# 'नोटिस भेजूंगा', बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने अपने इस बयान को बताया 'फेक न्यूज'

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। फेक न्यूज का दौर लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला दिल्ली से बीजेपी सांसद और प्रसिद्ध गायक मनोज तिवारी से जुड़ा सामने आया है। डॉलर और रुपये को लेकर उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है, जिसे अब वह पूरी तरह से गलत बता रहे हैं। मनोज तिवारी का कहना है कि सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर उनके नाम से एक फर्जी बयान वायरल हो रहा था, जिसपर उन्होंने नाराजगी जाहिर की है। मनोज तिवारी ने कहा कि व्हाट्सएप के जरिए उनके करीबी लोगों ने कुछ स्क्रीनशॉट भेजे, जिनमें उनके नाम से एक बयान चलाया जा रहा था। वह कहते हैं कि जब उन्होंने यह देखा तो वह हैरान रह गए, क्योंकि यह पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बात थी।

वायरल किए जा रहे फर्जी बयान में लिखा था, हम जेब में रुपया लेकर घूमते हैं, हमें डॉलर से क्या लेना-देना। डॉलर महंगा हुआ या सस्ता, इसका हमारे देश के लोगों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मनोज तिवारी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान कभी नहीं दिया। बल्कि इसके विपरीत, वह लोगों को हमेशा डिजिटल भुगतान के लिए प्रेरित करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं लगातार लोगों से कहता हूं कि यह डिजिटल युग है। जेब में बड़ा नकद लेकर घूमने की जरूरत नहीं है। बैंक खाते खोलिए, डिजिटल तरीका अपनाइए और यूपीआई का इस्तेमाल कीजिए, लेकिन कुछ मीडिया वाले बयान का गलत अर्थ निकालकर फेक न्यूज चलाते हैं।

**बिना पुष्टि किए चलाई जाती हैं फेक खबरें- मनोज तिवारी**

उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में गलत खबरें चलाना लोकतंत्र और जनता, दोनों के लिए चिंता की बात है। दुनिया पहले ही फेक न्यूज की समस्या से जूझ रही है, ऐसे में मीडिया की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वह तथ्य आधारित रिपोर्टिंग करें।

**गलत खबर चलाने वालों को भेजा जाएगा कानूनी नोटिस- तिवारी**

मनोज तिवारी ने कहा कि उनके नाम से गलत खबर चलाने वाले सभी संस्थानों के खिलाफ वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि जिन पत्रकारों या प्लेटफॉर्म्स ने इस फर्जी बयान को प्रसारित या साझा किया है, उन्हें जल्द ही उनका कानूनी नोटिस मिलेगा। उन्होंने इसे उनकी छवि खराब करने की साजिश बताया और आग्रह किया कि मीडिया खबरें चलाने से पहले तथ्यों की जांच करें। उन्होंने यह भी अपील की कि जनता सोशल मीडिया पर देखी हर बात पर तुरंत विश्वास न करें।

यदि किसी खबर पर संदेह हो तो पहले उसकी पुष्टि करें, तभी उसे आगे बढ़ाएं। फेक न्यूज के इस मामले ने एक बार फिर इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि डिजिटल दौर में सूचना का प्रसार तेज जरूर हुआ है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

## खजुराहो के रिजॉर्ट में खाना खाने के बाद बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत, तीन की मौत

खजुराहो, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खजुराहो स्थित गौतम रिसॉर्ट में सोमवार को आठ कर्मचारियों ने खाना खाया और खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई थी और उनको भर्ती कराया गया था। इन आठ लोगों में तीन लोग रामस्वरूप कुशवाह, प्रागीलाल कुशवाह, गिरिजा रजक की मौत हो गई है। पांच लोगों का इलाज अभी जारी है जिनमें दो की स्थिति गंभीर बताई गई है। खजुराहो में यह घटना उसे समय आई है जब खजुराहो में प्रवास पर मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रीगण हैं। घटना को लेकर अफसर के हाथ पांव फूल गए हैं।

अचानक एक साथ मौत का मामला संदिग्ध हो गया है जिसे लेकर सीएमएचओ आरपी गुप्ता ने कहा है कि इस तरह से फूड प्वाइजनिंग से लोगों की मौत नहीं होती है। घटना की हकीकत जानने के लिए फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम बुलाई गई है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण सामने आ सकेगा। सोमवार शाम करीब 5 बजे खजुराहो के गौतम रिसॉर्ट में भोजन करने के बाद 8 लोगों की हालत बिगड़ने पर उन्हें एम्बुलेंस की मदद से तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

# मलकानगिरी में महिला का सिरकटा शव मिलने से मचा हड़कंप, तोड़फोड़ और आगजनी, धारा 163 लागू, इंटरनेट बंद

मलकानगिरी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में उस समय तनाव फैल गया जब एमवी-26 और रखेलगुड़ा गांवों के बीच की नदी से एक महिला का सिरकटा शव बरामद हुआ। इस सनसनीखेज घटना ने दोनों गांवों के लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। गुस्साए लोगों ने तोड़फोड़ और आगजनी की। हालात को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में धारा 163 लागू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, मृतका रखेलगुड़ा गांव की रहने वाली थी। उसका शव नदी में संदिग्ध परिस्थितियों में तैरता हुआ मिला, जिससे गांव वालों में शक पैदा हुआ कि महिला की हत्या की गई है। सिर कटे होने के कारण मामला और भी रहस्यमय हो गया। दोनों गांवों के लोग इस घटना को लेकर आमने-सामने आ गए। महिला की मौत को लेकर तरह-तरह के आरोप लगने लगे, जिससे इलाके में तनाव तेजी से बढ़ गया। स्थानीय लोग तुरंत कार्रवाई और पूरी घटना की सच्चाई सामने लाने की मांग कर रहे हैं। कुछ लोगों पर एमवी-26 गांव में तोड़फोड़ करने और घरों में आग लगाने की कोशिश करने का आरोप भी लगा है। हालांकि, पुलिस की ओर से समय रहते हस्तक्षेप के कारण बड़ा नुकसान होने से बच गया। तनाव को बढ़ता देख पुलिस फोर्स को इलाके में तैनात किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं और स्थिति को शांत बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि महिला का सिर अभी तक बरामद नहीं हुआ है। गांव वालों ने प्रशासन से महिला के गायब सिर को जल्द से जल्द ढूंढने की मांग की है, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों से पूछताछ की जा रही है।

अभी तक पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा,"हम मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। हमारे अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। अभी स्थिति सामान्य है। ओड्राफ और फायर सर्विस की टीमें भी यहां मौजूद हैं। हम जनता से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं।" महिला का सिर न मिलने और मौत की परिस्थितियों को लेकर अभी भी कई सवाल खड़े हैं, जिसकी वजह से दोनों गांवों में तनाव बना हुआ है।

## क्या तेंदुए-बाघ के हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों को नौकरी देगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पिछले कई महीनों से तेंदुओं और बाघों के हमलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के कई जिलों से आए दिन इंसानों और जानवरों पर हमले की खबरें सामने आ रही हैं। इससे न सिर्फ ग्रामीण इलाकों में भय का माहौल बन गया है, बल्कि लगातार जानें जाने से कई परिवार आर्थिक संकट में भी फंस गए हैं। इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार अब एक बड़े फैसले पर गंभीरता से विचार कर रही है। तेंदुए या बाघ के हमले में मौत होने पर पीड़ित परिवार को वन विभाग में सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव।

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार इस प्रस्ताव पर तेजी से काम कर रही है। कई मामलों में पीड़ित परिवार का अकेला कमाने वाला व्यक्ति ही तेंदुए या बाघ का शिकार बन जाता है। उसके बाद परिवार पर अचानक आर्थिक संकट टूट पड़ता है, बच्चों की पढ़ाई रुक जाती है, खेती-बाड़ी बिगड़ जाती है, घर का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है और कर्ज का बोझ बढ़ जाता है

# बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने के लिए खूब मिल रहा चंदा, 3 दिन में जमा हुए 3 करोड़

मुर्शिदाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में अयोध्या में तोड़ी गई बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बन रही एक नई बाबरी मस्जिद लगातार खबरों में बनी हुई है। टीएमसी से निकाले गए विधायक हुमायूं कबीर ने सोमवार को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट कर दिखाया था कि कैसे उनकी मस्जिद को बड़ी तादाद में चंदा आया है। अब मंगलवार को विधायक के सहयोगियों ने दावा किया कि मस्जिद के लिए मिले चंदे की राशि लगभग तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में इस मस्जिद का शिलान्यास किया था और महज तीन दिन में इस मस्जिद को 3 करोड़ का चंदा आ गया है।

शिलान्यास के बाद से ही कबीर पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने, साथ ही बाबरी पर राजनीति करने जैसे आरोप लग रहे हैं। लेकिन विधायक ने दावा किया है कि कुछ को छोड़कर उनके साथ पूरे भारत के मुसलमान हैं।

कबीर के मुताबिक स्थल पर 12 दान पेटियां रखी गई थीं। अब तक इन पेटियों से 57 लाख रुपये की गिनती हुई है, जबकि क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से 2.47 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। योगदान के लिए शिलान्यास स्थल पर एक दान पेटी अब भी रखी हुई है। जिसमें चंदा लगातार आ रहा है। अपने ऊपर बीजेपी से मिले होने के आरोपों को नकारते हुए हुमायूं कबीर ने कहा है कि मुझे कहीं से पैसा नहीं मिल रहा है, ये पूरी मस्जिद चंदे से बनेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मस्जिद के साथ यहां हॉस्पिटल और मेडिकल भी बनेगा। 825 किलोमीटर दूर बाबरी बनाने का चंदा कर रहा है और बेगैरत लोग ख़ामोश हैं। सत्ता का एक ऐजेंट बेहद शातिर तरीके से मूल विवाद को दूसरे राज्य में उठा ले गया और वहां मस्जिद थी। वहीं कई मुस्लिम पक्ष के लोगों ने भी हुमायूं कबीर के इस मस्जिद पर सवाल खड़े किए हैं। 1993 में तोड़ी गई बाबरी मस्जिद की जगह अब राम मंदिर बन चुका है, लेकिन असल बाबरी से 825 किलोमीटर दूर बाबरी के लिए चंदा करना कितना सही है। साथ ही कई लोगों ने ये भी आरोप लगाया है कि बेहद ही शातिर तरीके से बाबरी मूल विवाद को उस राज्य ले जाया गया है,

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 दिसंबर - 2025

# कमजोर विपक्ष के लिए कौन जिम्मेदार?

राजेश कुमार पासी

संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष उतना ही जरूरी है जितना कि सत्तापक्ष जरूरी है। अगर विपक्ष नहीं है तो लोकतंत्र भी नहीं है। अगर किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष ज्यादा कमजोर हो जाता है तो सत्तापक्ष के तानाशाह बनने का डर पैदा हो जाता है। जब से मोदी सत्ता में आये हैं, विपक्ष और मीडिया का एक वर्ग उन पर तानाशाही का आरोप लगाता रहता है। वास्तव में स्थिति इसके विपरीत है. मोदी बेहद उदारवादी नेता हैं। उन्होंने अपने 11 साल के कार्यकाल में विपक्ष की राज्य सरकारों के प्रति बेहद उदारवादी रवैया अपनाया है। कई बार ऐसे मौके आये जब वो विपक्ष की सरकारों को भंग करके राष्ट्रपति शासन लगा सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया । विपक्ष के कई मुख्यमंत्रियों ने उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया लेकिन मोदी ने कभी किसी मुख्यमंत्री के खिलाफ बदले की कार्यवाही नहीं की। वास्तव में मोदी अगर तानाशाही करते तो विपक्ष इतना कमजोर नहीं होता जितना अब नजर आ रहा है। मोदी की उदारता ही विपक्ष की कमजोरी का बड़ा कारण है जिसे विपक्ष समझ नहीं पा रहा है।

विपक्ष ये समझ ही नहीं पा रहा है कि क्यों देश में सत्ताविरोधी लहर की जगह सत्ता के पक्ष में लहर चल रही है। भाजपा बड़े धैर्य के साथ सकारात्मक विचारधारा और राष्ट्रवादी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। मोदी के नेतृत्व में भाजपा अपनी बड़ी लाइन खींच रही है जो दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। विपक्ष अपनी लाइन खींचने की जगह भाजपा की लाइन को छोटा करने के प्रयास में लगा रहता है। विपक्ष की यही नकारात्मक सोच उसे लगातार कमजोर करती जा रही है। सच तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी भी चाहते होंगे कि विपक्ष इतना कमजोर न हो जाये कि भाजपा तानाशाही की ओर चल पड़े क्योंकि इसके बाद भाजपा की बर्बादी शुरू हो जाएगी। देश की जनता भी कमजोर विपक्ष नहीं चाहती है, इसलिए विपक्ष की कमजोरी उसे भी चुभ रही है। विपक्ष की कमियों को नजरअंदाज करके अभी भी देश का बड़ा वर्ग उसके साथ खड़ा हुआ है। इसके बावजूद देश की राजनीति का सच यह है कि विपक्ष धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है। भाजपा विपक्ष की कमजोरी से सतर्क है। वो चाहती है कि विपक्ष इस तरह से कमजोर होता चला जाये लेकिन वो लड़ता हुआ दिखाई देता रहे । वास्तव में भाजपा जानती है कि विपक्ष को खत्म करने का मतलब है राजनीति में शून्य पैदा करना. भाजपा ये कभी नहीं चाहती है। राजनीति में शून्य कभी नहीं रहता. अगर शून्य पैदा हो जाता है तो जनता उसका विकल्प लेकर आ जाती है। भाजपा नहीं चाहती कि इस विपक्ष के विकल्प का उसको सामना करना पड़े क्योंकि इससे बढ़िया विपक्ष उसे मिलने वाला नहीं है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों की अपेक्षा 2024 में मजबूत विपक्ष चुनकर जनता ने भेजा है। अजीब बात यह है कि 235 लोकसभा सीटें जीतने वाला विपक्ष एक अल्पमत वाली सरकार के सामने बहुत कमजोर नजर आ रहा है। भारत की राजनीति में एक अजूबा हो रहा है लेकिन विपक्ष इसे समझ नहीं पा रहा है। बात सिर्फ कमजोर विपक्ष की नहीं है बल्कि यह है कि ये दिनोंदिन कमजोर हो रहा है। कई मायनों में 1984 की दो सीट वाली भाजपा से ज्यादा कमजोर 99 सीटों वाली कांग्रेस दिखाई दे रही है. इसकी वजह यह है कि कांग्रेस के मजबूत होने की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है। बेशक कांग्रेस की 99 सीटें हैं लेकिन वो ऐसी हालत में आ गई है कि उसके दोबारा खड़े होकर सत्ता की लड़ाई में शामिल होने की संभावना दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है । जब भविष्य अंधकारमय दिखाई देने लगे तो वर्तमान का महत्व खत्म हो जाता है। कभी भाजपा के बारे में सोचकर ये लगता था कि ये पार्टी अकेले दम पर सरकार नहीं बना पाएगी लेकिन आज ये बात कांग्रेस के बारे में कही जा सकती है। दोनों दलों की स्थिति में अंतर यह है कि तब भाजपा ऊपर की ओर जा रही थी लेकिन कांग्रेस आज नीचे की ओर जा रही है।

अगर बात सिर्फ कांग्रेस तक सीमित होती तो भी विपक्ष की कमजोरी चिंता का विषय नहीं थी लेकिन दूसरे दलों के भी हालात बेहतर नहीं हैं। कांग्रेस के अलावा कोई और राजनीतिक दल ऐसा नहीं है जिसकी एक से ज्यादा राज्यों में सरकार चल रही हो । समस्या यह है कि ज्यादातर विपक्षी दलों की कमान वंशवादी नेताओं के हाथ में है और वो इन्हें विरासत में मिली हुई है। ममता बनर्जी विपक्ष की एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने अपने दम पर संघर्ष करके पार्टी खड़ी की और 14 सालों से लगातार सत्ता में हैं । अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी सत्ता को भी भाजपा से बड़ी चुनौती मिलने वाली है। पंजाब में भगवंत मान बेशक आम आदमी पार्टी के गैर-वंशवादी मुख्यमंत्री हैं लेकिन वो केजरीवाल की मेहरबानी से सत्ता में आये हैं। अखिलेश यादव को उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने चुनाव जीतकर सत्ता सौंपी थी लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी दो विधानसभा चुनावों में हार चुकी है और अगले चुनाव में भी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेजस्वी यादव पिछले दो विधानसभा चुनाव से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सत्ता उनसे दूर नजर आ रही है। अब उन्हें अगले चुनावों में अपने पिता लालू प्रसाद यादव की मदद मिलने की भी उम्मीद खत्म हो गई है । बिहार के चुनाव में विपक्ष की कमजोरी खुलकर सामने आ गई है. जिस तरह से महागठबंधन ने चुनाव लड़ा, उससे साबित हो गया कि भाजपा के सामने विपक्ष कितना कमजोर है। विपक्ष ने जिस तरह चुनाव लड़ा, उससे साबित होता है कि देश की जनता आज भी विपक्ष पर मेहरबान है अन्यथा इतने वोट उसे नहीं मिलने चाहिए थे। महागठबंधन का कोई सर्वमान्य नेता नहीं था और न ही एक रणनीति थी। यहां तक कि कई सीटों पर इसके घटक दल एक दूसरे के सामने खड़े थे। महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी अपने अस्तित्व की जंग लड़ रही थी, इसलिए कोई सकारात्मक संदेश नहीं दे पाई । एनडीए के मुकाबले महागठबंधन ने ऐसे वादे किए जिन्हें पूरा करना असंभव था जिसने उसकी विश्वसनीयता खत्म कर दी । एक तरफ भाजपा बिहार की जनता को लालू यादव के जंगलराज का डर दिखा रही थी, तो दूसरी तरफ राजद के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आक्रामक चुनाव प्रचार से जनता को जंगलराज की याद दिला दी। चुनाव शुरू होने से पहले यह महसूस किया जा रहा था कि जनता बिहार में बदलाव चाहती है लेकिन महागठबंधन ने अपनी गलतियों से हाथ में आती सत्ता को छोड़ दिया । बिहार चुनाव की हार विपक्ष के भविष्य के लिए बहुत घातक साबित होने वाली है। बिहार में मिली शर्मनाक पराजय के बाद विपक्ष के दूसरे दल कांग्रेस से दूरी बनाते हुए दिख रहे हैं। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि झारखंड में हेमंत सोरेन कांग्रेस से गठबंधन तोड़कर भाजपा से हाथ मिला सकते हैं। बंगाल में ममता बनर्जी अकेले चुनाव लड़ना चाहती हैं. इससे इंडिया गठबंधन को चोट लगना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का मूड भी कुछ अच्छा नहीं लग रहा है। केजरीवाल पहले ही कांग्रेस के खिलाफ खड़े दिखाई दे रहे हैं।

## एकाधिकार के खतरे

बीते कुछ दिनों से इंडिगो जमीन पर क्या आया पूरे देश का विमानन उद्योग संकट में आ गया है। हवा में उडने वाले कई संभ्रांत लोग जमीन पर लेटने को मजबूर हुए। इस तरह के संकट का एकमात्र कारण जो समझ में आ रहा है वह है किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार का बढ़ता खतरा। बताया जा रहा है कि देश की सबसे पडी विमान कंपनी इंडिगो ने नए नियमों के अनुसार स्टाफ की भर्ती को प्राथमिकता नहीं दी, जिसकी वजह से उक्त संकट आ खडा हुआ। हालात से निपटने के लिए सरकार ने जांच के लिए एक समिति बनाई है। जो इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65% की अब जांच कर रिपोर्ट सौंपेगा। बहरहाल, सरकार ने घोषणा की है कि इस परिणाम से सबक लेते हुए इंडिगो की भागीदारी में पांच प्रतिशत की कटौती की जाएगी। इंडिगो का मामला लापरवाही, बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का बेजा फायदा उठाने की कोशिश और जिम्मेदारियों से भागने का सबसे बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। संकट के दौरान भी, जब तक सरकार ने दखल नहीं दिया, कंपनी अपने अडियल रुख से जरा भी टस से मस नहीं हुई। डीजीसीए के नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम सभी एयरलाइंस पर लागू होने थे और इसके लिए सभी को पर्याप्त समय भी दिया गया था। लेकिन, इंडिगो ने पता नहीं क्यों नए नियमों के हिसाब से स्टाफ की भर्ती नहीं की, जिससे मौजूदा संकट इतना बड़ा हो गया। सरकार ने एक कमिटी बनाई है, जो इस बात की जांच करेगी कि कहीं इंडिगो ने जानबूझकर तैयारियों में देरी तो नहीं की, ताकि अथॉरिटीज पर प्रेशर बनाया जा सके। यह आशंका को इस वजह से भी बल मिलता है कि केबिन क्रू और पायलटों की कमी को एकाएक पूरा नहीं किया जा सकता। क्या इंडिगो एयरलाइंस इस बात का इंतजार कर रही थी कि क्राइसिस हो ताकि उसे नियमों में छूट मिल सके? भारतीय विमानन क्षेत्र में इस समय इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65% है। उसके बेड़े में 417 विमान हैं और सामान्य दिनों में हर दिन 2200 उड़ानें भरी जाती हैं। हैरानी की बात तो यह है कि संकट खड़ा होने पर उसकी पहली प्रतिक्रिया भी दिखाता है कि कंपनी अपने दबदबे को लेकर आत्मविस्वास से लबरेज है। हजारों यात्री जहां-तहां फंस गए, रिफंड के लिए परेशान होते रहे, जबकि दूसरी कंपनियां मनमाना किराया वसूलने लगीं। सरकार की तरफ से फिलहाल नए नियमों में थोड़ी रियायत दी गई है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके। फौरी तौर पर जनता को राहत देने के लिए यह भले सही हो, लेकिन नए एफडीटीएल नियमों से किसी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं और पायलटों की सेहत व उड़ान सुरक्षा के लिए जरूरी माना जा रहा है। सरकार ने इंडिगो से जवाब भी मांगा है, लेकिन यह समय नीतियों के मूल्यांकन का भी है। सवाल है कि अगर कंपनी नए नियमों के लिए तैयारी नहीं कर रही थी, तो अथॉरिटीज को इसकी खबर क्यों नहीं लगी? क्या डीजीसीए के निगरानी सिस्टम में ही कहीं खोट है? मौजूदा संकट याद दिलाता है कि किसी भी क्षेत्र में मोनोपॉली होना कितना खतरनाक हो सकता है, जबकि कंपनियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो तो ग्राहकों को वाजिब कीमत पर अच्छी सर्विस मिलती है। देश में हवाई क्षेत्र की तरक्की की रफ्तार बहुत अच्छी है। यह आगे बनी रहे और यात्रियों को भी अच्छी सेवा मिले, इसके लिए और क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर भी केंद्र को ध्यान देने की जरूरत है।

## आखिर देश में कब तक बनते रहेंगे 'लाक्षागृह' और मरते रहेंगे निर्दोष

ज्ञान चंद पाटनी

महाभारत में जिक्र आता है कि पांडवों को खत्म करने के लिए दुर्योधन ने 'लाक्षागृह' का निर्माण करवाया था। विदुर का संकेत समझकर वे तो वहां से बच निकले थे लेकिन प्रशासनिक लापरवाही, पैसा कमाने की भूख और जन सामान्य में जागरूकता की कमी के कारण देश में जगह-जगह बने 'लाक्षागृह' लोगों की जान ले रहे हैं। इस बार पर्यटन के लिए विख्यात गोवा के 'लाक्षागृह' में 25 जानें गईं। गोवा का नाइट क्लब अग्निकांड केवल एक स्थानीय त्रासदी नहीं है बल्कि एक बार फिर पूरे देश के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है। इस हादसे से स्पष्ट हो गया है कि हम सुरक्षा व्यवस्था के प्रति कितने लापरवाह हैं। व्यापार करने वालों को आर्थिक लाभ की तो चिंता है लेकिन वे सुरक्षा से जुड़े नियमों की पालना नहीं करना चाहते। इस तरह वे लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। गोवा में नाइट क्लब के अंदर लगी आग की वजह से 25 लोगों की जान चली गई। यह हादसा हमारी व्यवस्था और मानकों पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

हादसे के बाद यह बात सामने आई है कि नाइट क्लब का प्रवेश द्वार असामान्य रूप से संकरा था, जिसके कारण आग लगने के बाद लोगों के सुरक्षित बाहर निकलने में बाधा आई।

साथ ही क्लब में ताड़ के पत्तों से अस्थाई संरचना बनाई गई थी। इससे आग को तेजी से फैलने का रास्ता मिला। इससे पता चलता है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी हुई और यह लापरवाही भारी पड़ी। सरकार ने हादसे के बाद एक विशेष जांच समिति का गठन किया है, जो अग्निकांड के कारणों और जिम्मेदारों की शीघ्र पहचान करेगी। यह समिति न केवल प्रशासनिक कमी को उजागर करेगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस सुझाव भी देगी। हर मृतक के सबसे करीबी रिश्तेदार को 5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण फंड से देने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों तथा क्लब मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कहीं भी होने वाले हादसे के बाद इसी तरह के बयान सामने आते हैं लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए जाते। इसलिए ऐसे हादसों पर भी अंकुश नहीं लगता। यह दावा करना कि नाइट क्लब के संचालक और स्टाफ की लापरवाही के कारण ही नाइट क्लब 'लाक्षागृह' बना, गलत होगा। इसके लिए नियामक एजेंसियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। क्लबों को बिना उचित जांच के लाइसेंस जारी कर दिया जाता है, मुनाफे के नाम पर व्यवसायी सुरक्षा उपायों को दरकिनार कर देते हैं। पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन से जुड़े अधिकारी इन स्थानों का नियमित निरीक्षण नहीं करते। इससे समय रहते सुरक्षा कमियों की तरफ ध्यान नहीं जाता और हादसा हो जाता है।

इस घटना से सबक लेना होगा कि सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से भीड़ वाली जगहों की सुरक्षा के लिए सख्त नियम बनाए जाएं और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिर्फ कड़े फायर सेफ्टी मानकों को अपनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि व्यक्ति स्तर पर जागरूकता, प्रशिक्षित स्टाफ और आपातकालीन व्यवस्थाएं भी पूरी होनी चाहिए।

साथ ही, सामुदायिक सहभागिता और स्थायी निगरानी तंत्र भी आवश्यक हैं। देश में कहीं न कहीं आग लगने की घटना सामने आती ही रहती है। हाल ही राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के आईसीयू में लगी आग दिल दहलाने वाली थी।

## विश्व मानव अधिकार दिवस: अब चुप्पी भी गुनाह है

आरके जैन

10 दिसंबर। आज फिर वही सवाल लौट आया है, बिना दस्तक दिए, सीधा गले पर हाथ रखकर-आप जिंदा है या सिर्फ़ साँस ले रहे है? 1948 में पेरिस ने "सब इंसान बराबर और आज़ाद हैं" लिखकर मानवता के नाम एक वादा किया था। मगर 2025 का भारत एक चुभता हुआ सवाल पूछ रहा है-क्या हम वाकई उस वादे को निभा रहे हैं, या हमारी चुप्पी ही अन्याय की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है? यह दिन हमें झकझोरने आया है, क्योंकि अब सिर्फ़ अत्याचार ही अपराध नहीं; अत्याचार देखकर चुप रह जाना भी उतना ही बड़ा गुनाह है।

आज जब हम मानव अधिकार दिवस मनाते हैं, तो यह उत्सव नहीं-एक मुकदमा है, और कटघरे में हम खुद खड़े हैं। जब हाथरस की बेटी को रात के अँधेरे में मिट्टी में दबा दिया जाता है, जब मणिपुर में औरतों का सम्मान तार-तार होता है, जब कश्मीर में एक बच्चा शक के नाम पर मारा जाता है, और दिल्ली में एक लड़की को उसकी शक्ल की वजह से "चिंकी" कहा जाता है-तब मानवाधिकार किसी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि ज़ख्म बनकर सामने आते हैं। उस समय 30 अनुच्छेद किसी पुस्तक में नहीं, बल्कि इस देश की सड़कों, घरों और अदालतों में रोते हुए दिखाई देते हैं।

भारत में मानवाधिकार कोई सैद्धांतिक बहस नहीं, बल्कि हर दिन खून और आँसुओं से लिखा जाने वाला सच है। एक दलित दूल्हे की जान घोड़ी चढ़ने की कीमत बन जाती है। एक आदिवासी महिला को लकड़ी लाने पर जादू-टोना का आरोप झेलना पड़ता है। एक ट्रांसजेंडर मर जाता है, पर श्मशान में भी उसे जगह नहीं मिलती। और जब कानून बराबरी की बात करता है, तो समाज उसकी आवाज़ को जाति, धर्म और पहचान के पत्थरों से दबा देता है। विडम्बना यह है कि यही देश दुनिया को अहिंसा और योग का संदेश देता है। यही देश भाषणों में "विश्व गुरु" बनता है, पर अपने ही गाँव में पानी की एक हांडी से दलित को दूर रखता है। यही देश चंद्रयान को तारों तक भेज देता है, लेकिन एक मज़दूर को मेहनत के बाद 200 रुपये देने में कंजूसी करता है। लोकतंत्र का मंदिर कहलाने वाला देश कई बार उस मीडिया का बोझ ढोता है जो सत्ता की चौखट से बंधी घंटी की तरह बजता है। आज का भारत मानवाधिकारों को किताबों में नहीं, सड़कों पर, अस्पतालों में, कोर्ट के गलियारों में, और हर उस घर में महसूस कर रहा है जहाँ न्याय की उम्मीद धीरे-धीरे दम तोड़ रही है। जब एक दलित महिला को पंचायत के आदेश पर गाँव के बीच में अपमानित किया जाता है, जब एक आदिवासी बच्ची भूख से बिलखते-बिलखते मर जाती है क्योंकि उसे राशन कार्ड "सूची में नहीं" बताया गया, जब एक युवा पत्रकार को महज़ सवाल पूछने पर देशद्रोही कहकर जेल में डाल दिया जाता है, तब मानवाधिकार केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि एक सच्ची चीख बन जाते हैं।

हम कहते हैं कि भारत डिजिटल हो रहा है, पर क्या इंसानियत भी डिजिटल हो गई? जब इलाज न मिलने से अस्पताल के दरवाज़े पर एक बच्चा दम तोड़ देता है, जब ऑक्सीजन की कमी से कोविड वार्ड में लोग मर जाते हैं और जिम्मेदारी गायब हो जाती है, जब अग्निपथ योजना के नाम पर युवाओं का भविष्य अनिश्चित हो जाता है, जब बेरोज़गारी की दर इतिहास के सबसे ऊँचे स्तर पर हो और फिर भी युवा "आलसी" कहे जाएँ-तो ये सब बेरोज़गार आँकड़े नहीं, टूटते सपनों की चिताएँ हैं।

भारत के पास चंद्रयान भेजने की ताकत है, पर सड़क पर रिक्शा खींचती 65-70 वर्षीया दादी के पास रोटी की ताकत नहीं। हमारे हाई-टेक शहरों में चमक है, पर किसान की आत्महत्या में उसके शरीर से ज्यादा कर्ज़ के काग़ज़ मिलते हैं। हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन एक आदिवासी युवक पुलिस हिरासत में मारा जाता है और उसके परिवार को एफआईआर की कॉपी तक नहीं मिलती। संविधान कहता है "बराबरी का अधिकार", पर वास्तविकता पूछती है-बराबरी किसके लिए? सिर्फ़ नाम के लिए? या सिर्फ़ भाषणों के लिए? शिक्षा अधिकार है, लेकिन सरकारी स्कूलों में बच्चे आज भी टाट पर बैठकर पढ़ते हैं, जबकि अधिकारी एसी कमरों में मीटिंगें करते हैं। स्वास्थ्य भी अधिकार है, पर एक प्रसूता अस्पताल पहुँचने से पहले ही ऑटोरिक्शा में बच्चा जन्म देने को मजबूर होती है। अभिव्यक्ति का भी अधिकार है, पर सोशल मीडिया पर आलोचना करने पर घर गिरा दिए जाते हैं। पर्यावरण का भी अधिकार है, पर खनन की आड़ में आदिवासी गाँव उजाड़े जाते हैं। और महिलाएँ? वे आज भी "सुरक्षित घर पहुँच गई क्या?" के मेसेज पर निर्भर देश की नागरिक हैं-जहाँ हर 15 मिनट में एक बलात्कार दर्ज होता है। मानव अधिकार दिवस उस सोच के खिलाफ युद्ध है जो कहती है-"अगर मेरे घर में सब ठीक है, तो दुनिया ठीक है।" नहीं, मानवता एक परिवार है; एक ज़ख्म सबका दर्द होना चाहिए। अगर दिल्ली में कोई लड़की छेड़ी जाती है, मुंबई में एसिड अटैक होता है, राजस्थान में मूँछ रखने पर दलित की हत्या होती है, या उड़ीसा में एक बुजुर्ग अपनी पत्नी का शव कंधे पर लेकर चलता है-तो ये सिर्फ़ खबरें नहीं, हमारी सभ्यता की परीक्षा हैं।

अब लड़ाई कानून की नहीं, हमारी आत्मा की है-हमारे भीतर के डर और चुप्पी के खिलाफ। शुरुआत घर से कीजियेः बेटी को बेटे जितनी आज़ादी दीजिये। झुग्गी के बच्चों को पुरानी किताबें दे दीजिये। ऑफिस में किसी की पहचान का मज़ाक बनने से रोक दीजिये। अपनी भाषा की गालियों से स्त्री-विरोधी शब्द हटाइए। नफरत फैलाने वाले ग्रुप छोड़ दीजिये। किसी भी धर्म या जाति का मज़ाक उड़ाना बंद कीजिये, क्योंकि मज़ाक से शुरू हुई नफरत कई बार हत्या पर खत्म होती है।

मानव अधिकार दिवस की असली पुकार है-अब चुप्पी भी गुनाह है। जब आपने बलात्कार की खबर स्क्रॉल कर दी, आप भी दोषी थे। जब आपने धर्म पर ताना मारा, आप भी दोषी थे। जब आपने व्हाट्सएप पर नफरत भेजी, आप भी दोषी थे। जब आप भीड़ हत्या पर "होता रहता है" कहकर आगे बढ़ गए, आप भी दोषी थे। मानवाधिकार दिवस किसी सेमिनार का मौका नहीं। यह युद्ध है-उस मानसिकता के खिलाफ जो औरत को संपत्ति, दलित को नीचा, मुस्लिम को संदिग्ध, आदिवासी को पिछड़ा और ट्रांसजेंडर को अदृश्य समझती है। यह युद्ध उस चुप्पी के खिलाफ है जो अपराधियों को ढाल देती है। पर हर युद्ध हथियारों से नहीं जीता जाता-कभी-कभी एक इंसान का साहस दुनिया बदल देता है। अगर आप सच में इंसान हो, तो शुरुआत यहीं से कीजियेः अपने मोहल्ले के मंदिर में किसी दलित को रोका जाए तो आवाज़ उठाइए। अपनी बेटी को चुप कराने के बजाय उसकी बात सुनिए, क्योंकि उसकी आवाज़ उसका अस्तित्व है। नफरत और हिंसा वाले ग्रुप छोड़ दीजिये; किसी भी अपमान को "मनोरंजन" कहना बंद कीजिये।

## अखिलेश का मोदी-योगी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेता अखिलेश यादव ने आज 09 दिसंबर को लोकसभा में अपना भाषण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था का स्वरूप खो चुका है और सत्ताधारी दल के इशारों पर नाच रहा है। विशेष वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे विपक्षी दलों के समर्थकों के वोट कटने की साजिश रची जा रही है। अखिलेश ने स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की थी, उन क्षेत्रों में पांच हजार से अधिक वोट जानबूझकर डिलीट करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि यह लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है और जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

भाषण की शुरुआत में ही अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष से अपील की कि सदन का माहौल शांत रखा जाए ताकि उनकी बात सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन के नाम पर सत्ताधारी दल विपक्ष को कमजोर करने का कुचक्र चला रहा है। बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में यह प्रक्रिया तेज हो गई है और मुस्लिम, दलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े वर्गों के इलाकों में मतदान केंद्र अधिकारी घर-घर जाकर वोटरों के नाम मिटाने का काम कर रहे हैं। अखिलेश ने उदाहरण देते हुए बताया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह की चालाकी से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की राह में रोड़ा अटकाया गया था। उन्होंने दावा किया कि अब 2027 के चुनाव से पहले यही सिलसिला दोहराया जा रहा है, जिससे डेढ़ से दो करोड़ वोट प्रभावित हो सकते हैं।

भाषण के दौरान अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार घुसपैठियों को पकड़ने के नाम पर डिटेंशन सेंटर बना रही है, लेकिन असल में यह अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथकंडा है। अखिलेश ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर घुसपैठिए इतने खतरनाक हैं तो इन्हें पकड़ने के बजाय क्यों निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी घुसपैठ के खिलाफ है, लेकिन निर्दोषों को सताने का विरोध करेगी। योगी सरकार के डिटेंशन सेंटरों को अखिलेश ने अमानवीय बताया और कहा कि इससे प्रदेश की शांति भंग होगी। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपील की कि इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाएं। अखिलेश ने चुनाव आयोग की कमियों को गिनाते हुए कहा कि आयोग ने बिना किसी तैयारी के स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन शुरू कर दिया। मतदान केंद्र अधिकारियों पर इतना दबाव बनाया गया कि गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कई ने आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आयोग से मांग की कि इस प्रक्रिया को स्थगित कर समय बढ़ाया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। भाषण में अखिलेश ने सत्ताधारी दल पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर पहुंच गई है। भाजपा भविष्य की बातें करती है, लेकिन वर्तमान में जनता की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। अखिलेश ने चार सौ चौदह दिनों में उत्तर प्रदेश चुनाव होने की बात कही और दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस साजिश का डटकर मुकाबला करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों से एकता की अपील की और कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबको साथ आना होगा।

अखिलेश के भाषण के बीच में सत्ताधारी दल के सदस्यों ने हंगामा किया, लेकिन अखिलेश ने शांत स्वर में अपनी बात जारी रखी। उन्होंने कहा कि सच्चाई से सरकार डर रही है, इसलिए हंगामा कर रही है। अखिलेश ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा कि अगर पहले साथ देते तो आज यह मांग न करनी पड़ती। भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। अखिलेश ने सेना की बहादुरी की तारीफ की, लेकिन सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलवामा जैसी घटनाओं में खुफिया तंत्र की नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा। सीजफायर का फैसला किस दबाव में हुआ, इसका जवाब सरकार दे। अखिलेश ने आर्थिक नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रही मार को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। रक्षा बजट को सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत करना चाहिए और इसे गैर-लंचेपदह बनाना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए कहा कि देश को अपनी रक्षा सामग्री खुद बनाने पर जोर देना होगा। भाषण के अंत में अखिलेश ने सुझाव दिए कि पाकिस्तान और आतंकवाद पर दस-पंद्रह वर्षीय रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने चीन सीमा विवाद का जिक्र किया और सरकार से इंफ्रास्ट्रक्चर पर स्पष्टता मांगी।

## उसने घर क्या खरीदा

डॉ. सुरेश कुमार

मेरठ के छोटा बृज मोहल्ले में आजकल हलचल मची है। हर तपते दोपहर में पंडित चतुर्भुज शर्मा, जो अब रिटायर्ड हैं लेकिन दिनभर अँगोछा डालकर धर्म की दशा-स्थिति पर चिंतित रहते हैं, फरिश्ते की तरह खबरें बाँटते घूमते हैं-भाई, मुसलमान ने घर खरीद लिया अब कुछ नहीं बचा सनातन में! जैसे किसी ने मंदिर की मूर्ति बेच दी हो। मोहल्ले की चाय की दुकान पर अब प्रधानमंत्री से ज़्यादा चर्चा उस मुसलमान ख़रीदार की होती है। लोग कहते हैं, "साला मौलाना आया है, अब मस्जिद बना देगा!" किसी ने तो यहाँ तक कहा-"यह जिहाद की नई चाल है-'मकान जिहाद!'" पंडितजी इतना दुखी हैं जैसे भगवान विष्णु ने व्हाट्सऐप ग्रुप छोड़ दिया हो।

उधर मकान खरीदने वाले सज्जन, अलीम भाई, सरकारी अस्पताल में फार्मासिस्ट हैं। घर खरीदकर बोले-"सोचा बच्चों को पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल मिलेगा।" लेकिन मोहल्ले की 'राष्ट्रीय सुरक्षा समिति' को इसमें "साजिश" दिख रही है। चौकीदार बृजलाल ने तो एक दिन कहा, "देखना, ये पहले दीवार उठाएगा, फिर ऊपर मिनार निकलेगी, फिर लाउडस्पीकर!" बगल के शर्मा अंकल बोले-"पूरे मोहल्ले में नमाज़ की हवा फैलेगी।" अब मोहल्ले की हवा तो पहले ही ड्रेनेज से आती थी, पर इन धर्मरक्षकों को परेशानी धर्म से है। शाम को जब मोहल्ले की पंचायत बैठती है-चाय, मूँगफली और राष्ट्र-धर्म का पैकेज खुलता है। वहां पंडितजी कहते हैं, "भाई, यह घर बचाना धर्म की रक्षा है।" गुप्ता जी बोले, "पर दुबई में मुसलमान बादशाह ने हिंदू मंदिर बनवाया " पंडितजी खिसिया गए-"वो तो राजनैतिक चाल है, हमें तो अपने घर के अंदर देखना चाहिए।" तभी चौकीदार बोला, "साहब, कल तो अलीम भाई हमारे मंदिर के दानपात्र में 100 रुपये डाल गए थे " पंडितजी तमतमा गए-"यही तो खतरनाक बात है, पहले पैसे डालेंगे, फिर भावना बदलेंगे!" अब धर्म की भावना इतनी कमजोर कि सौ रुपये लेकर बदल जाए-तो फिर भगवान को पेटीएम अकाउंट खोल लेना चाहिए।

इस मोहल्ले में धर्म अब अख़बार की हेडलाइन है-हर सुबह खतरे में आने वाला धर्म शाम को आराम से नींद में चला जाता है। पंडितजी फेसबुक पर लिखते हैं-हिंदू समाज जागो, मुसलमान सोसायटी में घुस गया! और वहीं नीचे अलीम भाई उनकी पोस्ट को 'लाइक' कर देते हैं। यह दृश्य इतना सुंदर लगता है जैसे कोई आदमी खुद ही अपने डर का प्रचारक हो और खुद ही उसके दर्शक भी। ऐसी आत्मनिर्भर डर की व्यवस्था शायद विश्व में कहीं नहीं। और मोहल्ले के बाकी लोग, जिनके घर में सिलेंडर खाली है, बच्चे बेरोजगार हैं, राशन कम मिला-अब इनका असली मनोरंजन यही है कि कौन किसके घर में घुसा और कौन धर्म की बाउंड्री लांघ गया। एक दिन अलीम भाई ने सबको दावत दी-"घर की दीवार रंगाई करवाई है, आइए हाउसवॉर्मिंग कर लीजिए।" पंडितजी पहले तो बोले, "नहीं जाएंगे, शुद्धिकरण कराना पड़ेगा।" फिर सुना कि चिकन बिरयानी मिलेगी-तो बोले, "देखो, इंसानियत भी कोई चीज़ होती है।" पहुँचे तो बिरयानी के बाद बोले, "बहुत बढ़िया इतना स्वाद तो हरि प्रसाद की पोती की शादी में भी नहीं था।" अलीम भाई मुस्कराए-"धर्म तो आज एक प्लेट में बैठकर खा लिया पंडितजी।" पंडितजी खिलखिलाए-"खाना छोड़िए, नमक किस कंपनी का है?" पंडितजी को डर था कि कहीं नमक भी इस्लामिक न हो। अगली सुबह पंडितजी ने फिर वही राग छेड़ दिया-"अब मोहल्ले की हवा बदल गई है।" अलीम भाई ने कहा, "क्यों पंडितजी, अब बिरयानी की खुशबू आ रही होगी?"

# क्या आप जानते हैं ? गणेश जी ने अपनी ही मां पार्वती को दिया था अद्भुत वरदान !

भगवान गणेश को विघ्नों का नाश करने वाला और पूजाओं का प्रथम देव कहा जाता है। वे माता पार्वती के परम प्रिय पुत्र थे, जिनका जन्म मां ने अपने शरीर के उर्जामय तत्व और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र के बीच का यह संबंध इतना पवित्र और अनोखा था कि गणेश जी ने अपनी मां की आज्ञा के लिए अपने जीवन तक का त्याग कर दिया और बाद में उन्हें हाथी का मुख देकर पुनर्जीवन मिला तथा सभी देवताओं में प्रथम पूजनीय होने का आशीर्वाद भी। कहते हैं कि माता पार्वती ने श्री गणेश को बाल्यकाल से ही जीवन की हर शिक्षा दी, और श्री गणेश ने भी अपनी मां की हर आज्ञा व सीख का पूरी निष्ठा से पालन किया। लेकिन इसी प्रेम और भक्ति के बीच एक ऐसी घटना भी घटी जिसमें पुत्र गणेश ने ही अपनी मां को एक असाधारण वरदान प्रदान किया।

पौराणिक परंपरा के अनुसार, एक समय माता पार्वती ने अपने पुत्र की कुशलता और दीर्घायु के लिए एक विशेष उपवास किया। यही उपवास आगे चलकर संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना गया। जब गणेश जी ने अपनी माता की यह अनन्य भक्ति और प्रेम देखा, तो वे अत्यंत प्रसन्न हुए और अपनी मां को एक दिव्य और कल्याणकारी वरदान प्रदान किया।

**वरदान का अर्थ**-भगवान गणेश ने माता पार्वती से कहा कि जो भी स्त्री संकष्टी चतुर्थी का व्रत सच्चे मन और श्रद्धा से करेगी, उसे वैसी ही आज्ञाकारी, सौभाग्यशाली, दीर्घायु और गुणवान संतान का सुख प्राप्त होगा जैसी माता पार्वती को गणेश स्वरूप में मिली। साथ ही देवी पार्वती की कृपा उस स्त्री और उसकी संतान पर सदैव बनी रहेगी। यह वरदान केवल संतान की प्राप्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि संतान को जीवन के हर संकट से बचाने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नों को दूर करने वाले देव हैं। इस कथा के अनुसार, गणेश जी ने अपने मातृत्व का सुख संसार की सभी माताओं के लिए उपलब्ध करने का संकल्प लिया था। इसलिए आज भी माताएँ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखती हैं ताकि उनकी संतान निरोगी और दीर्घायु रहे, घर में सुख, सौभाग्य और शांति बनी रहे। जीवन के सभी विघ्न गणेश जी दूर कर दें, यह वरदान मां-पुत्र के प्रेम की अनोखी मिसाल माना जाता है।

# दूसरों की नकारात्मक बातों पर ध्यान न दें सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें

एक संत और उनका शिष्य अलग-अलग गांवों में यात्रा करते रहते थे। संत बहुत विद्वान और दयालु थे और उनके उपदेश सुनने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे। उनके प्रवचन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते थे।

एक दिन, वे एक छोटे से गांव में पहुंचे। वहां संत अपने ज्ञान और उपदेशों के कारण बहुत प्रसिद्ध हो गए। उनके दर्शन करने के लिए काफी लोग आने लगे। ये देखकर गांव का एक अन्य पुजारी असुरक्षित महसूस करने लगा। उसे डर था कि संत की वजह से उसके भक्त कम हो जाएंगे।

पुजारी ने अपनी असुरक्षा और ईर्ष्या के कारण संत का दुष्प्रचार शुरू कर दिया। वह गांव वालों से संत की बुराई करने लगा। धीरे-धीरे कुछ लोग संत के प्रति नकारात्मक हो गए और उनकी बातों को फैलाने लगे।

संत के शिष्य ने यह सब सुना और बहुत गुस्सा हुआ। उसने तुरंत गुरु के पास जाकर सारी बातें बताईं और कहा कि गुरुजी, लोग हमारे खिलाफ हैं। हमें क्या करना चाहिए?

संत ने शांति से शिष्य की बात सुनी और कहा कि बेटा, हमें दूसरों की नकारात्मक बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। हमें सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहिए और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

शिष्य को संत की बात समझ में नहीं आई और उसने फिर भी अपने गुस्से को व्यक्त किया। तब संत ने उसे समझाने के लिए एक उदाहरण दिया कि जब हाथी गांव में आता है, तो सारे कुत्ते भौंकने लगते हैं, पर क्या हाथी पर इसका कोई असर होता है? वह अपनी मस्त चाल से चलता रहता है। हमें भी वैसे ही अपने रास्ते पर चलते रहना चाहिए। बुराई करने वाले लोग हमेशा रहेंगे, लेकिन अगर हम अपने काम में सच्चे और ईमानदार रहेंगे, तो हमारा सम्मान बढ़ेगा और बुराई करने वाले लोगों के शब्द खुद ही निष्फल हो जाएंगे।

संत की बात सुनकर शिष्य का मन शांत हो गया। उसने समझ लिया कि जीवन में सफलता और शांति के लिए दूसरों की नकारात्मकता पर ध्यान नहीं देना चाहिए और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना ही सबसे बड़ा मंत्र है, ऐसा करने पर ही जीवन में शांति आ सकती है।

**प्रसंग की सीख**

**नकारात्मकता पर ध्यान न दें**

जीवन में हमेशा कुछ लोग आपके विरोध में होंगे। उनकी आलोचना या बुराई पर ध्यान देने से आपका समय और ऊर्जा खराब होती है। हमें सकारात्मक कामों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

**अपने लक्ष्य पर फोकस करें**

जैसे हाथी अपनी चाल से चलता है, हमें भी अपने लक्ष्य और कार्य पर ध्यान देना चाहिए। जब हम लगातार मेहनत करते हैं और अपने काम में निपुण होते हैं, तो नकारात्मक लोग अपने आप अप्रभावी हो जाते हैं।

***ईमानदारी और मेहनत सबसे बड़ा हथियार है***

दूसरों की नकारात्मक बातें हमें विचलित कर सकती हैं, लेकिन ईमानदारी और मेहनत के साथ किया गया कार्य हमेशा सम्मान और सफलता दिलाता है।

**सकारात्मक लोगों के साथ रहें**

जो लोग आपके विकास और प्रगति में विश्वास रखते हैं, उनके साथ समय बिताएं। ऐसा करने से मानसिक शक्ति बढ़ाती है और आत्मविश्वास बना रहता है।

**भावनाओं को नियंत्रित करना सीखें**

गुस्सा और असुरक्षा की भावना अक्सर गलत निर्णय लेने पर मजबूर करते हैं। अपने भावनाओं को समझें और उन्हें नियंत्रित करना सीखें।

**धैर्य और संयम बनाए रखें**

बुराई करने वाले लोग समय-समय पर प्रकट होते हैं। उनके प्रभाव में आए बिना धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ते रहें, तभी सफलता के साथ शांति भी मिलती है।

**अपने काम से दूसरों को प्रभावित करें**

अपने अच्छे कर्म और प्रयास ही दूसरों की बुराई को बेअसर कर सकते हैं। परिणाम हमेशा आपके पक्ष में होंगे अगर आप लगातार मेहनत करते रहें।

# कुंभ राशि में बैठकर राहु खोल देंगे किस्मत के दरवाजे

छाया ग्रह राहु ने 18 मई 2025 को शनि की प्रिय राशि कुंभ में प्रवेश किया था और 5 दिसंबर 2026 तक ये इसी राशि में मौजूद रहेगा। ज्योतिष अनुसार राहु का ये गोचर 2026 में तीन राशियों को खूब लाभ देगा। इन राशियों को नए साल में अप्रत्याशित प्रगति और बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। रुके हुए काम पूरे होंगे और करियर में नई उपलब्धियां मिलेंगी। आर्थिक मामलों के लिए ये साल बेहद शानदार साबित होगा।

**मिथुन राशि: नए अवसर और करियर ग्रोथ**

राहु की कुंभ राशि में मौजूदगी मिथुन राशि वालों के लिए लकी साबित होगी। करियर में अचानक ग्रोथ मिलेगी। विदेश या मल्टीनेशनल कंपनियों में काम कर रहे लोग तगड़ा मुनाफा कमाएंगे। बिजनेस में बड़े कॉन्ट्रैक्ट के मिलने की संभावना दिख रही है। मीडिया, मार्केटिंग, ऑनलाइन वर्क, शिक्षा क्षेत्र वालों को राहु नए साल में अपार सफलता दिलाएगा।

**तुला राशि: धन लाभ और नई शुरुआत के संकेत**

तुला राशि वालों के लिए राहु की कुंभ राशि में मौजूदगी लकी साबित होगी। आप इस दौरान अच्छा कमाई करने में कामयाब रहेंगे। निवेश से बड़ा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। रिलेशनशिप में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल सकते हैं। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। जो काम लंबे समय से अटका था वो तेजी से पूरा होने लगेगा। पार्टनरशिप के काम में सफलता मिलेगी।

**धनु राशि: नए साल में आपको सुनहरी सफलता मिलेगी**

धनु राशि वालों के लिए राहु का कुंभ में होना लकी साबित होगा। नए साल में नई नौकरी या प्रमोशन मिलने के शुभ संयोग बन रहे हैं। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। इस साल धनु राशि वाले अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

# इस मूलांक के हैं गौरव खन्ना, ऐसे लोग बनते हैं टॉपर

Bigg Boss 19 विजेता गौरव खन्ना के लिए 2025 बेहद लकी साल साबित हुआ क्योंकि इस साल उन्होंने एक नहीं बल्कि दो ट्रॉफी अपने नाम की। बिग बॉस से पहले वे 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' की ट्रॉफी भी जीत चुके हैं। बिग बॉस शो में उनके शांत स्वभाव, समझदारी, परफेक्ट टाइमिंग और स्ट्रेटेजिक गेम प्लान की हर किसी ने तारीफ की। अंकज्योतिष के अनुसार गौरव खन्ना को ये खास खूबियां उनके मूलांक से मिली हैं। बता दें 11 दिसंबर को जन्मे गौरव खन्ना मूलांक 2 के जातक हैं। इस मूलांक के लोग प्रतियोगिताओं को जीतने में माहिर होते हैं। चलिए जानते हैं इस मूलांक वालों की खूबियां।

**मूलांक 2 किनका होता है ?**

जिन लोगों की जन्म तारीख 2 ,11, 20 और 29 होती है उनका मूलांक 2 होता है। इस मूलांक का स्वामी चंद्रमा को माना गया है।

गौरव खन्ना के मूलांक की सबसे बड़ी खासियत क्या है?

मूलांक 2 वाले लोगों में नैचुरल इनबिल्ट खूबियां होती हैं, जो उन्हें भीड़ से अलग बनाती हैं। ये लोग शांत स्वभाव के होते हैं। फालतू की चीजों में नहीं उलझते हैं। ये अपने काम से काम रखते हैं। इनकी निर्णय शक्ति अच्छी होती है। इनके अंदर नेतृत्व करने की भी खूबी पाई जाती है।

**मूलांक 2 वालों की खूबियां**

इस मूलांक के लोगों का माइंड तेज चलता है। जिस वजह से ये नई चीजें बहुत जल्दी सीख लेते हैं

ये लोग प्रैक्टिकल और लॉजिकल दोनों तरह से सोचते हैं।

ये कोई भी काम स्ट्रेटेजी बनाकर करते हैं इसलिए सफलता पाते हैं।

ये हर समय फोकस्ड कहते हैं। अपने लक्ष्य से नहीं भटकते हैं।

ये आसानी से हार नहीं मानते और अंतिम दम तक लगे रहते हैं।

इन लोगों का स्वभाव शांत होता है, लेकिन ये जो बोलते हैं दमदारी से बोलते हैं।

ये बात को सीधा-सीधा कहने वालों में से हैं।

ये लोग आसानी से लोगों का विश्वास जीत लेते हैं।

किस समय पर क्या कदम उठाना है, इन्हें पता होता है।

ये लोग कम्पटीशन में नंबर वन बनने का दम रखते हैं।

**अच्छे विचार तनाव दूर करके व्यक्ति को शांत, स्वाभाविक, संतुलित और आनंदपूर्ण बना देते हैं**

शांति का मूल आधार सद्विचार हैं। जीवन के क्लेशों के कारण व्यक्ति भीतर से अशांत और असंतुलित रहता है। ये क्लेश गलत विचार की वजह से ही होते हैं। जब व्यक्ति के मन में सत्य, शुभ और सकारात्मक विचार उदित होते हैं, तब उसका आंतरिक तनाव मिट जाता है। अच्छे विचार व्यक्ति को स्वाभाविक, संतुलित और आनंदपूर्ण बनाते हैं और जीवन में स्थायी शांति की ओर ले जाते हैं।

# कैसे नदी में गिरे वीर्य को मछली ने पीया, पैदा हो गईं पांडवों की दादी, अपूर्व सुंदरी सत्यवती

महाभारत की कहानी भी कई विचित्र और अलौकिक जन्मों से भरी हुई है. इसमें कर्ण से लेकर आचार्य कृति तक का जन्म है. द्रोणाचार्य एक पात्र में भरे वीर्य से पैदा हो गए. वहीं पांडवों की पड़दादी सत्यवती का जन्म तो और भी हैरान करने वाला था. एक राजा का वीर्य नदी में गिर गया. उसको एक मछली ने पी लिया. इससे उसके पेट के अंदर सत्यवती का जन्म हुआ. इसकी पूरी कहानी तो बहुत दिलचस्प है।

ये सत्यवती वही थीं, जिन पर राजा शांतनु रीझ गए. तब भीष्म ने अपने पिता की शादी उनसे कराई. तभी भीष्म को ये प्रतिज्ञा करनी पड़ी कि वो जीवन में कभी विवाह नहीं करेंगे. सत्यवती अपूर्व रूपवती थीं।

महाभारत की कहानी की शुरुआत जिस स्त्री से होती है, वो सत्यवती ही हैं, जिन्हें देखकर हस्तिनापुर के राजा शांतनु मोहित हो जाते हैं. बाद में सशर्त उनकी सत्यवती से शादी होती है, जिससे उनके दो बेटे होते हैं. ये होते हैं चित्रांगद और विचित्रवीर्य. फिर विचित्रवीर्य की पत्नियों से पांडु और धृतराष्ट्र का जन्म होता है. महाभारत में ऋषि व्यास इस कथा को कहते हैं।

उस समय चेदि नाम का एक देश होता था, जिसके पुरु वंश के राजा थे उपरिचर वसु. उपरिचर इंद्र के दोस्त थे. उनके विमान से ही वह आकाश का गमन किया करते थे, इसी वजह से उनका नाम उपरिचर पड़ गया।

उपरिचर की राजधानी के करीब शुक्तिमत नाम की नदी थी. एक दिन राजा शिकार खेलने गया. तभी वह अपनी रूपवती पत्नी गिरिका का स्मरण करने लगा. इससे वह कामासक्त हुआ. कथा कहती है, इससे उसका वीर्य स्खलित हो गया, उसने इसे एक बाज पक्षी को दिया और कहा कि इसे उसकी पत्नी तक पहुंचा दिया जाए।

**वीर्य से नदी की मछली गर्भवती हो गई**

जब बाज वहां से इसे लेकर उड़ा तो रास्ते में उस पर आक्रमण हो गया. नतीजतन ये वीर्य नदी में गिर गया. उस समय नदी में एक अप्सरा रहती थी, जिसका नाम अद्रिका था, वह ब्रह्मशाप के चलते मछली में बदल गई थी. नदी में ही अपना समय काट रही थी. उसने वह वीर्य ग्रहण कर लिया. जिससे वह गर्भवती हो गई. मछली के गर्भ से मछुआरे को मिले एक लड़का और एक लड़की

दसवें महिने एक मछुवारे ने जाल फेंका. ये मोटी सी मछली उसके जाल में फंस गई. मछेरे को उस मछली के पेट से एक नवजात लड़का और लड़की मिले, जिसको वह राजा के पास ले गया. तभी अप्सरा शाप से मुक्त होकर आकाशमार्ग में चली गई. राजा उपरिचर ने मछुआरे से कहा, ये कन्या अब तुम्हारी ही रहेगी. लड़के को उसने अपने बेटे की अपना लिया, जो बाद मतस्य नाम का धार्मिक राजा हुआ।

**वो लड़की ही सत्यवती यानि मतस्यगंधा थीं**

अब आप सोच रहे होंगे कि इस लड़की का क्या हुआ. ये लड़की जैसे जैसे बड़ी होती गई, वैसे वैसे बहुत खूबसूरत होती गई. लेकिन चूंकि वह मछुआरों के साथ उन्हीं की बस्ती में रहती थी लिहाजा नाम मतस्यगंधा पड़ा. वही सत्यवती थी. उसके देह ऐसी सुगंध निकलती थी कि दूर दूर तक उसका भान हो जाता था. इसलिए उसका एक नाम योजनगंधा भी था।

**इस तरह राजा शांतनु से सत्यवती की शादी हुई**

एक दिन जब राजा शांतनु यमुना तट के करीब वन में थे तो उन्हें एक मोहक सुंगध का अहसास हुआ. जब उन्होंने सुगंध का पीछा किया तो ये एक रूपवती कन्या के पास जाकर खत्म हुई. वह सत्यवती थीं. राजा के पूछने पर उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा, मैं धीवर जाति की कन्या हूं. पिता के आदेशानुसार नाव चलाती हूं. शांतनु इस कन्या पर इतना मोहित हो गए कि उसका हाथ मांगने उसके पिता दासराज के पास जा पहुंचे । **(जारी)**

# 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन ने कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा को कहा शुक्रिया

**बोलीं-, 'आप सिर्फ मौके नहीं देते, बल्कि कुछ बनने की जगह देते हैं'**

सारा ने आगे लिखा है, 'हर बार जब 'धुरंधर' की कास्टिंग की तारीफ होती है, तो मुझे बहुत गर्व होता है, क्योंकि आपकी समझ, आपके विजन और आपके दिल ने उस जादू को बनाया। आप वह देखते हैं, जो दूसरे अक्सर चूक जाते हैं। आप सिर्फ मौके नहीं देते, आप लोगों को कुछ बनने की जगह देते हैं। आपका पैशन मुझे बहुत प्रेरित करता है। हर दिन खुद से बेहतर करने की आपकी जो भूख है, वह कुछ ऐसी है, जिसे मैं सच में देखती हूं।

अभिनेत्री सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'धुरंधर' में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया है। उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। फिल्म में उन्होंने यमाली (राकेश बेदी) की बेटी एलीना का किरदार अदा किया है। उनके अभिनय और खूबसूरती ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। सारा ने फिल्म में काम करने का श्रेय कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को देते हुए उनका शुक्रिया अदा किया है।

**'आपके यकीन ने सबकुछ बदल दिया'**

सारा अर्जुन ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने मुकेश छाबड़ा के साथ अपनी एक फोटो शेयर करते हुए एक लंबा नोट लिखा है। वे लिखती हैं, 'यह पोस्ट उस शख्स के लिए, जिसने मेरी जिंदगी का रास्ता बदल दिया। मेरे प्यारे मुकेश सर, कभी-कभी जिंदगी धीरे से पिता के साथ-साथ आपके रास्ते में एक और गाइड करने वाली मौजूदगी लाती है। कोई ऐसा जिसका विश्वास आपकी अपनी जड़ों की जगह नहीं लेता, बल्कि चुपचाप उन्हें मजबूत करता है। मेरे लिए, वह मौजूदगी आप हैं। आपने दुनिया को पता चलने से पहले ही मुझ पर इतना यकीन किया। चुपचाप किए गए आपके उस यकीन ने सब कुछ बदल दिया'।

**'सच्ची ताकत कभी शोर नहीं मचाती'**

सारा लिखती हैं, 'ऐसे पल आते हैं, जब काम बैकग्राउंड में चला जाता है और जो बचता है वह है मौजूदगी। वह शांत ताकत। वह अनकहा भरोसा, जो मेरे दिल को स्थिर और सुरक्षित महसूस कराता है। आपने मुझे दिखाया है कि सच्ची ताकत कभी शोर नहीं मचाती, और असली विश्वास को एलान की जरूरत नहीं होती। यह बस वहीं खड़ा रहता है। मुझमें एलीना को देखने के लिए धन्यवाद। उन पलों में मेरी हिम्मत बनाए रखने के लिए धन्यवाद, जिनका नाम मुझे कभी नहीं लेना पड़ा। विज्ञापन से लेकर 'धुरंधर' तक, यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता'।

**बॉक्स ऑफिस पर छाई 'धुरंधर'**

सारा ने आगे लिखा है, 'मैं इसे इत्तेफाक नहीं, रहनुमा मानती हूं कि पिता का साया भी हो और साथ ही ऐसा हाथ भी जो थामना जानता हो। मुझे आप पर गर्व है और आपने मुझ पर जो विश्वास दिखाया, मैं उसका हमेशा सम्मान करूंगी। ढेर सारे प्यार के साथ शुक्रिया'। फिल्म 'धुरंधर' 05 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। तीसरे ही दिन फिल्म 300 करोड़ क्लब का हिस्सा बन गई।

# लोग हमारे 'कर्व्स' को पसंद करते हैं : 'तमन्ना भाटिया'

तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के अलावा अपनी प्रोफैशनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में है। उसके हाथ एक बड़ी फिल्म लगने की खबर है। दरअसल तमन्ना को जो बड़ी फिल्म मिली है, उसमें वह बॉलीवुड के उभरते हुए एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएगी। यह 'व्ही शांताराम' की लाइफ पर होगी, जिसमें वह सिद्धांत के साथ लीड रोल में नजर आएगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को अभिजीत देशपांडे डायरैक्ट करेंगे, जिन्होंने सफल मराठी बायोपिक 'अनी... डॉ. काशीनाथ घनेकर' (2018) बनाई थी और यादगार मराठी फिल्म 'नटसम्राट' (2016) और हिंदी फिल्में 'टेबल नंबर 21' (2013), 'वजीर' (2016),'ब्रीद'(2018) आदि की कहानी भी लिखी है।

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में 'व्ही शांताराम' का योगदान बहुत बड़ा है। कोल्हापुर में बहुत गरीबी में पैदा हुए शांताराम ने पुणे में बाबूराव पेंटर से फिल्म-मेकिंग सीखी और फिर 'झनक झनक पायल बाजे' (1955), 'दो आंखें बारह हाथ' (1957) जैसी फिल्मों से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक यादगार छाप छोड़ी।

**'बदल' जाती हूं हर 5 साल में**

साल 2005 में बॉलीवुड फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से अभिनय जगत में कदम रखने वाली तमन्ना भाटिया ने इसके बाद दक्षिण की फिल्मों का रुख किया और कुछ ही समय में वह वहां की सबसे बड़ी स्टार बन गई। अब वह केवल दक्षिण ही नहीं, बॉलीवुड में भी खूब नाम कमा चुकी है।

तमन्ना पिछले दिनों अपने डांस नंबर्स से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। 'आज की रात हो' या फिर 'गफूर, तमन्ना के सभी डांस नंबर बहुत ही बड़े हिट रहे हैं । कमाल की बात है कि जैसे-जैसे उसकी उम्र बढ़ रही है, उसका फिगर और सुंदरता बहुत निखरती जा रही है।

आखिर तक, मेरा शरीर दुबला-पतला ही था। मेरा शरीर हमेशा से ऐसा ही रहा है। टैक्निकली यह मेरे लिए नया नहीं है। मैं ऐसे ही पली-बढ़ी हूं और ऐसी ही रही हूं।₹

उसने आगे कहा, "यह हिंदी बैल्ट के दर्शकों के लिए नया हो सकता है, लेकिन मैं लगभग 100 फिल्में कर चुकी हूं और लोगों ने मुझे अलग-अलग फिल्मों में अलग-अलग शरीर में देखा है लेकिन ज्यादातर फिल्मों में मैं दुबली-पतली ही रही हूं। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि महिलाओं का शरीर बदलता रहता है, हर पांच साल में हम खुद का एक अलग रूप देखते हैं।

इस बीच अपनी ' कर्वी बॉडी' को लेकर भी कोरोना के समय वजन पर पड़ा असर तमन्ना ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं और अब वह अपने इस बदलाव को लेकर भी चर्चा में है। पिछले कुछ महीनों में ही तमन्ना ने कई किलो वजन कम कर लिया है, जिसे देखने के बाद जहां उसके फैंस कुछ खुश हैं, तो कुछ सोशल मीडिया यूजर उस पर मोटापा कम करने वाली दवा 'ओजेम्पिक' के इस्तेमाल का आरोप लगा रहे हैं।

तमन्ना भाटिया ने अब खुद अपने वजन कम होने और ब्यूटी स्टैंडर्ड्स पर खरा उतरने के दबाव पर बात की है।

मेरे लिए नई बात नहीं है । एक इंटरव्यू में तमन्ना ने अपना वजन कम होने और बॉडी पर बात की । उसने ' ओजैंपिक' लेने के आरोपों पर कहा, मैं कैमरे के सामने साल की उम्र से कैमरे के सामने रही हूं तो छुपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मेरे कर्व्स कहीं नहीं जा रहे।

**उम्र के 20वें पड़ाव के**

तमन्ना ने बताया कि कैसे कोरोना ने उसके शरीर को सबसे ज्यादा प्रभावित किया और इस दौरान उसके लिए अपना वजन मेंटेन करना मुश्किल हो गया था । उसने कहा, मेरे केस में, कोरोना ने मेरे शरीर को काफी प्रभावित किया। मैं अपनी उम्र के तीसरे दशक के आखिर में थी और मेरे लिए यह मुश्किल हो गया था कि अपने वजन को मेंटेन कर पाऊं। मैंने इससे बहुत संघर्ष किया। मुझे अपना दाल, चावल और रोटी खाना बहुत पसंद है। ये सारी हैल्दी चीजें करते हुए भी, मुझे कैमरे के सामने जाना ही पड़ता था और मुझे लगने लगा कि मैं किसी खास साइज में नहीं रहना चाहती और मैं लगातार इसे ठीक करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे लगने लगा, ओह, क्या मेरा पेट बाहर आ रहा है ? क्योंकि एक समय ऐसा भी आया, जब मेरा पेट बाहर आने लगा था और मैं सोच में पड़ गई कि मेरे शरीर को क्या हो रहा है ।

तमन्ना ने आगे 'इंफ्लेमेशन' पर भी बात की। वह कहती है, इन्फ्लेमेशन एक वास्तविक समस्या । इस साइकल से गुजरने वाली हर महिला को ऐसा लगता है जैसे उसका शरीर बदल रहा है। मैं भी अपने शुरुआती तीसरे दशक इसी दौर से गुजर चुकी हूं और मेरे शरीर के 'कर्व्स' कहीं नहीं जा रहे क्योंकि मैं सिंधी हूं। मेरे हिप्स और कमर कहीं नहीं जा रहे क्योंकि यह हड्डियों का स्ट्रक्चर है । मुझे नहीं लगता कि आप मुझे कभी ग्लोबल ब्यूटी स्टैंडर्ड का पालन करते हुए देखेंगे क्योंकि भारतीय होना एक आकांक्षा है, लोग हमारे 'कर्व्स' को पसंद करते हैं, और मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम इसे अपनाएं।

## हाथ लगी एक और बड़ी फिल्म

**बढ़ती उम्र से डरना नहीं चाहिए**

तमन्ना का कहना है कि लोगों को बढ़ती उम्र से डरना नहीं चाहिए। उसने बताया कि इंडस्ट्री में आने से पहले ही उसने अपना प्लान बना लिया था, जिसमें करियर के साथ शादी और बच्चे भी शामिल थे।

तमन्ना ने बताया, मैं जब एक्ट्रैस बनी थी तो मैंने उस वक्त अपने लिए 10 साल का प्लान बनाया था । मैंने सोचा था कि मैं अभी काम करना शुरू क रूं गी और 30 की उम्र त क क रूं गी । उसके बाद में शादी - बच्चे करूंगी लेकिन अच्छी बात यह थी कि जब मैं काम कर रही थी और मैं अपने लास्ट के ट्वेंटीज में थी, तब मैंने असल में खुद को पहचाना और तब तक इंडस्ट्री ने भी एक्ट्रैसेस को दिलचस्प रोल ऑफर करने शुरू कर दिए थे। मुझे लगता है कि यह एक सामान्य बदलाव है जो पूरी दुनिया में हुआ है। मुझे यह समझ नहीं आता कि उम्र बढ़ने का डर क्यों है ? बहुत से लोग बढ़ती उम्र पर ऐसे बात करते हैं, जैसे कि यह कोई बीमारी है । मुझे नहीं पता कि लोग उम्र बढ़ने से इतना क्यों डरते हैं?

# मां बनने के 5 महीने बाद काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

## फिटनेस देख नहीं होगा यकीन

कियारा आडवाणी ने इस साल जुलाई में अपनी बेटी का स्वागत किया. मां बनने के 5 महीने बाद एक्ट्रेस ने बीते सोमवार को पहली बार अपने घर के बाहर कदम रखा. वो अब काम पर लौट चुकी हैं. पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ पहले बच्चे का स्वागत करने के बाद एक्ट्रेस ने कुछ समय का मैटरनिटी ब्रेक ले लिया था और लगभग 5 महीने के ब्रेक के बाद अब वो काम पर लौट आई हैं. बीते सोमवार को एक्ट्रेस को फिल्म सेट पर देखा गया. वो अपनी वैनिटी के बाहर नजर आईं.

मैटरनिटी ब्रेक के बाद कियारा आडवाणी को पहली बार बेहद स्टाइलिश अंदाज में देखा गया. वो डेनिम शर्ट और शॉर्ट्स पहने दिखीं. एक्ट्रेस ने ऑफ शोल्डर डेनिम शर्ट पहनी थी जिसे उन्होंने शॉर्ट्स के साथ पेयर किया था. वो बेहद हॉट और स्टाइलिश लग रही थीं. एक्ट्रेस की फिटनेस ने सोशल मीडिया पर बज क्रिएट किया है.

**कियारा की फिटनेस पर नहीं होगा यकीन**

कियारा आडवाणी की फिटनेस पर यकीन कर पाना फैंस के लिए थोड़ा मुश्किल हो रहा है. सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि अभी हाल ही में मां बनीं कियारा आडवाणी ने बहुत जल्दी वेट लूस कर लिया और वो वापस शेप में आ गई हैं. नेटिजेंस ने एक्ट्रेस की फिटनेस की जमकर तारीफ की है, तो कई ने उनके चेहरे के नूर को भी जमकर सराहा है.

**कियारा आडवाणी ने काम पर की वापसी**

एक्ट्रेस के फेस पर ग्लो साफ नजर आ रहा है. बिना किसी मेकअप सिंपल लुक में भी कियारा आडवाणी काफी ग्लो कर रही हैं. उन्होंने बालों को लो बोनी टेल में बांध रखा है जो फैशन गोल्स से कम नहीं है. उनके इस वीडियो पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया है.

# 'बिहार के शेर के साथ एक शेरनी'; मनीषा रानी ने पवन सिंह के साथ शेयर किया फोटो; पावर स्टार ने दिया ऐसा रिएक्शन

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। भोजपुरी इंडस्ट्री ही नहीं, बॉलीवुड जगत में भी उनका नाम है। अब टीवी इंडस्ट्री में भी उनका रुआब देखा जा रहा है। तमाम सितारे उनके साथ फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। हाल ही में मनीषा रानी ने एक्टर के साथ सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है।

**मनीषा रानी ने पवन सिंह के साथ पोस्ट किया फोटो**

मनीषा रानी भी बिहार से ताल्लुक रखती हैं। बीते दिनों पवन सिंह और मनीषा रानी को शो 'राइज एंड फॉल' में देखा गया। हालांकि, पवन सिंह के जाने के बाद मनीषा बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शो से जुड़ीं। आज मंगलवार को मनीषा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने पवन सिंह के साथ अपनी फोटो साझा की है। साथ में कैप्शन लिखा है, 'बिहार के शेर के साथ एक शेरनी'।

**पवन सिंह ने दिया ऐसा रिएक्शन**

मनीषा रानी के पोस्ट पर पवन सिंह ने रिएक्शन दिया है। उन्होंने रेड हार्ट इमोजी बनाया है। पवन सिंह के अलावा नेटिजन्स भी पोस्ट पर कमेंट कर रहे हैं। यूजर लिख रहे हैं, 'हमारे दो फेवरेट सितारे'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'बिहारी शेरनी मनीषा'।

**'बिग बॉस 19' के फिनाले में पहुंचे थे पवन सिंह**

रिपोर्ट्स के मुताबिक मनीषा रानी हाल ही में पवन सिंह के मुंबई स्थित घर पहुंची हैं। पवन सिंह की बात करें तो हाल ही में वे 'बिग बॉस 19' के फिनाले एपिसोड में पहुंचे थे। शो में उन्होंने बतौर गेस्ट शिरकत की और सलमान खान के साथ मंच साझा किया। अब वे 'लाफ्टर शेफ सीजन 3' में नजर आएंगे। साझा किए गए प्रोमो में एक्टर चोखा बनाते दिखे।

# कुमकुम भाग्य फेम जीशान खान का भयंकर एक्सीडेंट : सड़क हादसे में बाल-बाल बचे एक्टर, कार क्षतिग्रस्त

बिग बॉस ओटीटी और टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य में नजर आ चुके एक्टर जीशान खान का एक्सीडेंट हो गया। गनीमत यह रही कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन यह सड़क हादसा इतना भयंकर था कि उनकी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

यह सड़क हादसा मुंबई के वर्सोवा में 8 दिसंबर को रात करीब 8:30 बजे हुआ। जीशान की काली कार कथित तौर पर एक ग्रे रंग की गाड़ी से आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उनकी कार के एयरबैग खुल गए। एक्टर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की या नहीं, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

**कौन हैं जीशान खान?**

बता दें, जीशान ने अपना अभिनय करियर 2015 में स्टार प्लस के शो कुछ तो है तेरे मेरे दरमियान से शुरू किया। इसके बाद उन्होंने सोनी टीवी के शो परवरिश सीजन 2 में काम किया। जी टीवी के शो कुमकुम भाग्य में जीशान ने आर्यन खन्ना का किरदार निभाया था।

वह शो में 2019 से 2021 तक नजर आए, जिससे उन्हें पहचान मिली। इसके अलावा, वह नागिन में भी नजर आ चुके हैं। वहीं, उन्होंने बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में भी कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ली थी।

जीशान म्यूजिक वीडियोज में भी काम कर चुके हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनका नाम अपने से 10 साल बड़ी ऑन-स्क्रीन मां रेहाना पंडित के साथ जुड़ा था। हालांकि, 2021 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद 2024 में खबरें आई थीं कि दोनों ने फिर से पैचअप कर लिया है।

# ट्रॉफी जीतने से ज्यादा खुशी सलमान के ऑफर की, मुझे सपोर्ट करने वाले हर इंसान का शुक्रिया :बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना

टीवी के पॉपुलर एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 जीतकर अपनी किस्मत चमका दी है। शो की ट्रॉफी के साथ उन्हें 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि भी मिली। इतना ही नहीं, शो के होस्ट सलमान खान के साथ काम करने का ऑफर भी उन्हें मिला।

गौरव ने कहा कि ट्रॉफी से ज्यादा उन्हें सलमान खान के ऑफर की खुशी है। इसके अलावा उन्होंने शो की फिक्सिंग को लेकर भी अपनी राय साझा की।

सच कहूं तो मुझे सलमान खान के ऑफर की ज्यादा खुशी है, क्योंकि यह ट्रॉफी से पहले आया। अगर ट्रॉफी को केक मानें, तो यह ऑफर उस केक की सबसे स्वादिष्ट चेरी की तरह है। अब मेरे पास पूरा केक है, और मैं इंतजार कर रहा हूं कि सलमान सर जब बुलाएंगे, मैं तुरंत जाऊं।

इसका क्रेडिट आप किसे देंगे आकांक्षा या फिर ऑडियंस? इस क्रेडिट में मैं हर उस इंसान को शामिल करूंगा जिसने मुझे सपोर्ट किया, मुझे जाना-पहचाना और सबसे बड़ी बात यह समझी कि मैं सच में ऐसा ही हूं। जो लोग मेरे साथ चार महीने अंदर रहे, वे शायद मुझे पूरी तरह नहीं समझ पाए, लेकिन टीवी के जरिए बाहर से देखने वाले लोग मुझे समझ गए। उन लोगों के लिए क्या कहेंगे जो अब भी सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि शो फीक्स था, सब कुछ एक्टिंग थी? अगर आपको लगता है कि मैंने चार महीने लगातार, 24 घंटे एक्टिंग की, तो आप मुझे ऑस्कर दे दीजिए! सच में सोचने वाली बात यह है कि कोई इंसान 24 घंटे एक्टिंग नहीं कर सकता। यह बात खुद सलमान खान ने भी कही है। वैसे भी, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हर राह पर ऐसे लोग मिल जाते हैं, लेकिन मैं उनके बजाय उन सभी लोगों पर ध्यान देना पसंद करूंगा, जो मुझे इतना प्यार दे रहे हैं। मैं कोशिश करूंगा कि अगले शो में उनका भी दिल जीत पाऊं, जो लोग ऐसा कह रहे हैं। आपके जीतने से फरहाना अभी भी थोड़ा गुस्से में हैं। लेकिन हमने शो में देखा कि आपने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की थी। मैंने उसे कई बार समझाने की कोशिश की थी, लेकिन मुझे नहीं पता कि उसे मुझसे क्यों नफरत है। उसकी मां मुझसे बहुत अच्छे से मिलकर गई थीं और वह मेरी बड़ी फैन भी हैं। लेकिन हां, फरहाना का अपना गेम और अपनी पसंद है, और मैं किसी की पसंद को बदल नहीं सकता। जिन लोगों ने उसे निकालने की कोशिश की थी, वे भी उसके दोस्त ही थे। हालांकि, इसके बावजूद मैं उनके लिए भी अच्छी कामना रखता हूं।

**अब हम कौन सी ट्रॉफी आपके पास देखने वाले हैं?**

सच कहूं तो मुझे अभी कुछ पता नहीं। खतरों के खिलाड़ी के बारे में क्या कहूं — जिन लोगों के साथ मैं रहा, उनके साथ रहना भी किसी खतरे से कम नहीं था। लेकिन अगर मैं करना चाहूं तो कर सकता हूँ, कोई मजबूरी या फोर्स नहीं है।

# रेखा ने एयरपोर्ट पर फैन को दिया धक्का:महिला को सेल्फी देने से किया इनकार, यूजर्स बोले- जया बच्चन की तरह बिहेव करने लगीं

वेटरन एक्ट्रेस रेखा अक्सर अपने अंदाज और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। लेकिन इस बार रेखा अपने एक फैन की वजह से चर्चा में आ गई हैं।

दरअसल, हाल ही में रेखा को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान उनके साथ उनकी मैनेजर फरजाना भी मौजूद थीं। क्लिप में रेखा कैजुअल लुक में एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आ रही हैं। उन्होंने वाइट टॉप के साथ ब्लैक ट्राउजर और श्रग पहना था। साथ ही, उनकी मांग में सिंदूर भी नजर आ रहा है। रेखा को सामने देख एक महिला फैन सेल्फी लेने के लिए फोन लेकर उनके पास पहुंच जाती है। रेखा अपनी उस महिला फैन को सेल्फी देने से मना करते हुए, धक्का दे आगे बढ़ जाती हैं। फिर वो तेजी से

बाहर निकलती हैं और पैपराजी को स्माइल के साथ वेव्स करती हैं।अब रेखा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ ने उनकी तुलना जया बच्चन से करते हुए उन्हें जया बच्चन 2.0 बताया है।

एक यूजर ने कमेंट में लिखा था-'जया बच्चन 2.0।' एक दूसरे यूजर ने टिप्पणी की- 'हे भगवान, आपने जया बच्चन की तरह अभिनय करना शुरू कर दिया।' एक अन्य ने लिखा- 'तो फिर जया और रेखा में क्या अंतर है?'

बता दें कि रेखा हाल ही में सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित 2025 रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। वो वहां पर 1981 में रिलीज हुई अपनी क्लासिक फिल्म उमराव जान स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। इस फिल्म को 4K वर्जन में रीस्टोर कर उसकी स्क्रीनिंग रखी गई थी।

# देवी पूजने वाली संस्कृति में बेटी का दान क्यों? जानिए हिंदू विवाह में कन्यादान का अर्थ और महत्व

हिंदू विवाह सिर्फ दो लोगों के बीच का बंधन नहीं, बल्कि दो वंशों, संस्कृतियों, संस्कारों और परिवारों के मिलन का मौका है। हिंदू शादियों में कई रीति रिवाज होते हैं, जिनका सही अर्थ जाने बिना ही लोग इसे अपना लेते हैं, तो कुछ गलत मतलब निकालकर अलोचना करते हैं। शादी की इन्हीं परंपराओं में से एक कन्यादान है।

आज के दौर में कन्यादान को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। कई कपल इसे महिला के लिए अपमानजनक मानकर कन्यादान को शादी संस्कार से बाहर कर देते हैं। आधुनिक विचारों के लोगों का मानना है कि कन्यादान पिछड़ी सोच का प्रतीक है। इसमें महिलाओं को वस्तु मानकर उसका दान कर दिया जाता है, जो कि गलत है। लेकिन क्या वास्तव में वेदों में भी कन्यादान का यही अर्थ बताया गया था? आइए जानते हैं हिंदू विवाह में कन्यादान का सही अर्थ और महत्व।

### देवी की भूमि में बेटी को वस्तु कैसे मान सकते हैं?

यह वही संस्कृति है जहां नारी को 'शक्ति' और 'जननी' कहा जाता है। भारत में सीता, दुर्गा और सरस्वती माता की पूजा होती है। हमारे देश में स्वयंवर का रिवाज हुआ करता था, जिसमें दुल्हन खुद अपना साथी चुनती थीं। जब पौराणिक दौर से ही महिलाओं को ही इतनी आजादी दी गई थी, तो फिर विवाह संस्कार के दौरान बेटा का दान कैसे किया जा सकता है? सच यह है कि कन्यादान का अर्थ "बेटी खो देना" नहीं बल्कि उसे नए आध्यात्मिक कुल से जोड़ना है। कन्यादान का सही अर्थ बेटी का दान नहीं, सम्मान करना है।

### कन्यादान का असली भाव

'दान' शब्द यहां स्वामित्व नहीं बल्कि संस्कारिक परिवर्तन दर्शाता है। इस प्रक्रिया में दुल्हन अपने मायके के गोत्र से पति के गोत्र में प्रवेश करती है। यह मान्यता इस वैज्ञानिक समझ से भी जुड़ी है कि आने वाली संतानें पैतृक वंश को आगे बढ़ाती हैं। इसलिए गोत्र परिवर्तन को आध्यात्मिक स्वीकृति का रूप दिया गया। कन्यादान नारी का वस्तुकरण नहीं, उसकी नई पहचान और नई यात्रा का उत्सव है।

### चयन का अधिकार

हालांकि अगर लोग शादी में कन्यादान को अपनाना नहीं चाहते हैं उनको हिंदू विवाह में चयन का अधिकार मिलता है। बिना कन्यादान भी विवाह पूरी तरह से वैध और पूर्ण माना जाता है। कई मातृसत्तात्मक समुदायों में यह अनुष्ठान होता ही नहीं, फिर भी विवाह आध्यात्मिक रूप से सही माने जाते हैं।

### आलोचना से पहले समझना जरूरी

किसी रस्म को बदलना हो तो बदलिए, पर पहले उसे समझिए। क्योंकि बिना जड़ों को जाने पेड़ को काटना सिर्फ मूर्खता है। कन्यादान ऐसा संस्कार है जो बेटी को 'किसी का बोझ' नहीं, दो परिवारों का गर्व बनाता है।

# दूल्हा है आपका यार, दुल्हन को दें ऐसा तोहफा जो दिल छू जाए

दोस्ती का रिश्ता वो है जो शादी के बाद भी नहीं बदलता। अगर आपका सबसे अच्छा दोस्त दूल्हा बन रहा है और आप उसकी होने वाली दुल्हनिया के लिए ऐसा तोहफ़ा चुनना चाहते हैं, जिससे आपकी दोस्ती की झलक भी मिले और उसका महत्व भी। साथ ही दोस्त की होने वाली जीवनसंगिनी के सामने इम्प्रेस भी जमाना है तो ये लेख आपके लिए है।

शादी एक नया सफर है, जिसमें नई उम्मीदें, सपने और नई जिम्मेदारियां होती हैं, जो अब आपका दोस्त उठाने वाला है। ऐसे में उसकी शादी में कुछ खास तोहफे देकर अपनी दोस्ती को जाहिर करें। यहां कुछ दिल छू लेने वाले और काम के गिफ्ट आइडियाज दिए जा रहे हैं जो आपके दोस्त की दुल्हन को बेहद पसंद आएंगे।

### पर्सनलाइज्ड कपल प्रोट्रेट

दोस्त और उसकी पार्टनर के एक खूबसूरत पल को कैनवास पर हमेशा के लिए सजीव कर दें। इससे बेहतर शुरुआत क्या होगी। उनकी पहली डेट या सगाई की तस्वीर, उनके नाम, खास तारीख और उनकी लव स्टोरी पर एक छोटा से कोट के साथ कस्टमाइज्ड करावा सकते हैं। ये उनके लिए खास और यादगार तोहफा होगा, जिसे वह शादी के बाद अपने कमरे में सजा सकते हैं।

### ब्राइड पैंपर किट

दुल्हन बनने की तैयारी में कई बार माइंड और स्किन दोनों स्ट्रेस में आ जाते हैं। शादी से पहले तो कई बार पार्लर जाना, मेकअप, स्किन केयर हो जाता है, लेकिन शादी के बाद लड़कियां थकावट से मुरझा सी जाती हैं। ऐसे में उन्हें ब्यूटी प्रोडक्ट्स, स्पा वाउचर और रिलैक्सिंग अरोमा कैंडल्स से भरी किट तोहफे में दे सकते हैं। ये तोहफा आपके यार के प्यार को रिलैक्स होने का मौका देगा और आपकी केयर का अहसास भी कराएगा।

### एलिगेंट मिनिमल ज्वेलरी

ऐसा गिफ्ट भी तोहफे में दे सकते हैं जो कभी स्टाइल से बाहर न जाए। दुल्हन को ब्रेसलेट, पेंडेंट या खूबसूरत इयररिंग्स तोहफे में दे सकते हैं। इस तरह के तोहफे महिलाओं को काफी पसंद आते हैं। ध्यान रखें कि दिखावे से ज्यादा उनकी पसंद मायने रखती है। इसलिए एलिगेंट मिनिमल ज्वेलरी गिफ्ट करें।

### पर्सनलाइज्ड होम डेकोर आइटम्स

अब आपका दोस्त और उनकी पत्नी मिलकर एक नया घर बसाने जा रहे हैं। ऐसे में घर की सजावट से जुड़ा सामान तोहफे में दे सकते हैं। घर के लिए एक कस्टमाइज्ड नेमप्लेट, नाम वाले कस्टम कुशन, फोटो क्लॉक या हैंडकाफ्टेड लैम्प, ये तोहफे दोस्त और उसकी पार्टनर को पसंद भी आएंगे और उनके काम भी आएंगे। दोस्त का घर आपके तोहफे से रोशन हो जाएगा।

### ब्राइडल हैंडबैग या क्लच किट

शादी के बाद हर मौके के लिए लड़कियों को ब्राइडल हैंडबैग और क्लचकिट की जरूरत पड़ती रहती है। नई दुल्हन के लिए आपका दिया ये तोहफा लाइफसेवर बन जाएगा। मेकअप की जरूरी चीजों से लेकर सुंगध तक सब एक जगह रहेगा। ये स्टाइल और उपयोगिता दोनों के लिहाज से

# लड़कों को अपने से बड़ी उम्र की महिलाएं क्यों पसंद आती हैं?

समाज हमेशा प्रेम पर उम्र का पहरा बैठाने की कोशिश करता है। पर सच्चाई यह है कि आकर्षण दिल के नियमों पर चलता है, न कि उम्र के अंतर पर। आज के युवाओं की पसंद बदल रही है। वे परिपक्वता, आत्मविश्वास और भावनात्मक सुरक्षा की ओर खिंचते हैं। बड़ी उम्र की महिलाएं उन्हें आकर्षक लगती हैं।

अपनी उम्र से बड़ी उम्र की महिलाओं के लिए वे खिंचाव महसूस करते हैं। उनके लिए वे सिर्फ पार्टनर नहीं, प्रेरणा होती हैं। यहां जानिए वो प्रमुख कारण, जो पुरुषों को

बड़ी उम्र की महिलाओं को पसंद करने पर मजबूर कर देते हैं।

### भावनात्मक परिपक्वता

बड़ी उम्र की महिलाओं में रिश्तों की समझ अधिक होती है। वे लड़ाइयों को ड्रामा में नहीं बदलतीं, संवाद में बदलती हैं। युवाओं को यह सुकून देता है।

### आत्मविश्वास और व्यक्तित्व

बड़ी उम्र की महिलाओं के पास अपनी सोच, अपने फैसले और खुद का जीवन होता है। यह स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता लड़कों को बेहद आकर्षित करती है।

### अपेक्षाओं का बोझ नहीं

वे पार्टनर को बदलने की कोशिश नहीं करतीं। न दिखावा, न बचकानी मांग, बस सम्मान और सच्चाई रखती हैं। यह सहजता रिश्ते को खूबसूरत बनाती है।

### अनुभव और बेहतर बातचीत

हर विषय पर खुलकर बात करना, समझना और सही मार्गदर्शन देना, यही मैच्योर बातचीत युवाओं को बांधे रखती है। वे सिर्फ प्रेमिका नहीं, एक समझदार साथी बनती हैं।

### सच्चा साथ, सतही प्यार नहीं

युवा लड़के जानते हैं कि बड़ी उम्र की महिलाएं खेल नहीं खेलतीं। वे कमिटमेंट को गंभीरता से देखती हैं। ये भरोसा रिश्ते को मजबूत बनाता है।

# आंवला खाने के फायदे, बालों को रखे जड़ से मजबूत, शरीर को बनाए हेल्दी

हमारे शरीर को कई पौष्टिक तत्वों की आवश्यकता होती है. शरीर में विटामिन्स, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट जैसे पोषण के लिए हरी सब्जियों फल आदि का सेवन किया जाता है. सब्जियों और फलों में कई तरह के पोषक तत्त्व होते हैं जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं. इसी तरह आंवला आयुर्वेदिक औषधीय से परिपूर्ण होता है. हेल्थ एक्सपर्ट आंवला खाने की सलाह देते हैं. यह शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है. आइए आज हम आपको आंवला के फायदे बताते हैं.

### इम्यूनिटी बूस्टर

हेल्थियंस डॉट कॉम में छपी खबर के अनुसार, आंवला एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन, गैलिक एसिड और विटामिन बी से भरपूर होता है. यह इम्यूनिटी बूस्टर का काम करता है. इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करता है, स्किन और बालों को डैमेज से बचाता है.

### स्किन के लिए लाभकारी

आंवला विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जो ब्लड को प्यूरीफाई कर त्वचा को बेहतर करने में लाभकारी है. इसका रोजाना सेवन स्किन के लिए लाभकारी होता है.

### वजन घटाने में मददगार

आंवला का जूस सेहत के लिए काफी अच्छा होता है. खासकर उन लोगों के लिए सबसे अच्छा होता है जिन्हें वजन घटाना है. इसके रोजाना सेवन से वजन को कम करने में मदद मिलती है.

### कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण

आंवला को रोजाना खाने से कोलेस्टेरॉल को नियंत्रण में रहता है और डायबिटीज की समस्या से छुटकारा दिलाता है. आंवला कैंसर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थितियों के खतरे को कम करने में कारगर है.

### बालों को रखे मजबूत

बालों के लिए आंवला एक बेहतरीन आयुर्वेदिक हर्ब है. इसके नियमित इस्तेमाल से बाल तेजी से बढ़ते हैं. साथ ही असमय बाल सफेद होने की समस्या भी नहीं परेशान करती है. बल जड़ से मजबूत होते हैं, जिससे बाल कम टूटते हैं.

# दफ्तर में 'दिल्लगी' कितना सुरक्षित? काम के बीच प्यार तलाश रहे लोग

इंसान अपने दिन का आधे से ज्यादा वक्त दफ्तर में बिताता है। यहां फाइलों, डेडलाइन और टार्गेट पूरा करने की जल्दबाजी में ठहराव तब आता है, जब "दफ्तर वाला प्यार₹ उमड़ता है। दफ्तर वाला प्यार यानी ऑफिस रोमांस आजकल का तेजी से फैल रहा चलन बन गया है। हालांकि रिश्ते की गर्माहट करियर को जला न दें, इसका ध्यान रखना, खासकर भारत जैसे देश में बेहद जरूरी है। अब तो अंग्रेजों को पीछे छोड़ भारतीय ऑफिस रोमांस के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

एक हालिया ग्लोबल सर्वे के मुताबिक,ऑफिस रोमांस के मामलों में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है और पहले नंबर पर मैक्सिको है। डाटा के मुताबिक, 40% भारतीय कर्मचारी मानते हैं कि उन्होंने किसी सहकर्मी को डेट किया है या कर रहे हैं। इस तरह का प्यार अब ऑफिस कैफे, मीटिंग रूम और कॉफी मशीनों के आसपास खुलकर पनप रहा है। सवाल है कि लोग अपनी निजी जिंदगी को कामकाज के साथ कैसे मिक्स कर रहे। यानी काम के बीच लोग दफ्तर में प्यार या डेटिंग क्यों और कैसे कर लेते हैं? ऑफिस रोमांस कितना सुरक्षित है और इसका असर आपके करियर पर कैसा पड़ सकता है?

### बढ़ता इमोशनल कनेक्शन

सर्वे के मुताबिक, महिलाओं की तुलना में पुरुष इन रिश्तों को स्वीकार करने में अधिक खुले नजर आए। वहीं युवा कर्मचारी थोड़े सतर्क रहे, उन्हें भय है कि करियर पर असर न पड़े। पर सच यह है कि हम अपने दिन का आधा से ज़्यादा हिस्सा ऑफिस के लोगों के साथ बिताते हैं। काम की साझेदारी धीरे-धीरे भावनाओं की साझेदारी बन जाती है। आज का भारत रिश्तों की नई परिभाषा लिख रहा है, जहां साथी सिर्फ घर के आसपास, कॉलेज या सोशल मीडिया पर ही नहीं, कान्फ्रेंस कॉल और प्रोजेक्ट फाइलों के इर्द-गिर्द में भी मिल जाते हैं।

लंबे समय तक साथ रहने से सहकर्मियों के बीच एक दूसरे के करीब आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा मिलकर काम करने से और तनावपूर्ण माहोल का सामने करने से लोग भावनात्मक रूप से एक दूसरे से जुड़ जाते हैं। वहीं बहुत से लोग पार्टनर की तलाश के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते, इसलिए वे दफ्तर के भीतर ही साथी तलाश लेते हैं।

### दफ्तर वाले प्यार की चुनौतियां

### काम पर ध्यान कम

दफ्तर में डेटिंग कर रहे हैं तो पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन लगभग एक हो जाता है। काम के घंटों के दौरान और बाहर दोनों जगह रिश्ते के बारे में सोचना पड़ता है। इस कारण काम पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है।

### रिश्ते पर गपशप

आपका रिश्ता दफ्तर की दीवारों के बीच सबको नजर आता है। सहकर्मी आपके संबंधों के बारे में बात कर सकते हैं। इससे कपल पर दबाव बन सकता है और काम का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है।

### ब्रेकअप के बाद एक्स से बात

एक बड़ी चुनौती ये आती है कि ब्रेकअप हो जाने की स्थिति में एक्स कपल को एक ही जगह पर काम करना पड़ता है जो कई बार असहज हो सकता है। उन्हें लगातार एक दूसरे से बातचीत करनी पड़ सकती है।

### पक्षपात का आरोप

अगर कोई ऐसे व्यक्ति को डेट कर रहा है जिससे सीनियर-जूनियर का रिश्ता है, जो दूसरे पक्षपात का शक करने लगते हैं, जिसका असर करियर पर पड़ता है।

### दफ्तर वाला प्यार कैसे संभालें?

सीमाएं तय करें।

पेशेवर व्यवहार बनाए रखें।

रिश्तों को सोशियल मीडिया से दूर रखें।

सार्वजनिक स्नेह न दिखाएं।

ब्रेकअप की स्थिति में सम्मान बनाए रखें।

# क्या शादी के बाद कम हो जाता है प्यार? प्रेम विवाह करने वाले जान लें

कहते हैं, "शादी प्यार को मुकम्मल करती है।₹ लेकिन बहुत से कपल बाद में यही पूछते नज़र आते हैं कि शादी के बाद पहले जैसा प्यार और रोमांस क्यों नहीं रहता? हालांकि सच्चाई ये है कि प्यार कम नहीं होता। बस उसका रूप बदल जाता है। पहले जहां दिल तेज़ धड़कता था, अब वही दिल सुरक्षा और साथ चाहता है। पहले हर दिन सरप्राइज हुआ करते थे, वहीं शादी के बाद जीवन की जिम्मेदारियाँ हावी हो जाती हैं। लेकिन जो रिश्ते समझ और देखभाल से चलते हैं, वही उम्रभर की मोहब्बत रच देते हैं। ये लेख उन कपल्स के लिए है, जिन्हें लगता है कि शादी के बाद उनके बीच पहले जैसी बात नहीं रही, या शादी के बाद उनके बीच प्यार और रोमांस कम होने लगा है। अगर प्यार को संभाला जाए, तो शादी के बाद भी वही ताजगी, वही क्रेज़ और वही दीवानगी कायम रहती है। आइए जानते हैं आखिर शादी के बाद प्यार कम क्यों महसूस होता है और इस अहसास से कैसे बचा जाए।

### आखिर शादी के बाद प्यार कम क्यों महसूस होता है?

### अपेक्षा बनाम वास्तविकता

शादी से पहले कपल्स की जो अपेक्षाएं होती हैं, शादी के बाद की सच्चाई उससे थोड़ी अलग होती है। लोग फिल्मी स्टाइल रोमांस की चाह रखते हैं पर असली जीवन में जिम्मेदारियां होती हैं। ऐसे में जिम्मेदारियों के बोझ तले फिल्मी प्यार दब जाता है तो लोगों को लगता है कि शादी के बाद उनका प्यार कम हो गया।

### कंफर्ट जोन में आना

शादी से पहले तक लोग अपने पार्टनर को खुश करने, उनके साथ को बनाए रखने के लिए कई कोशिशें करते हैं। एक दूसरे से मिलने का प्रयास, ढेर सारी बात, गिफ्ट, सरप्राइज और डेट्स आदि अपनाते हैं। लेकिन शादी के बाद ये कोशिशें कम हो जाती हैं और सरप्राइज गायब हो जाते हैं। जिससे महसूस होता है कि अब रिश्ते में पहले जैसी बात नहीं रही।

### करियर, परिवार और तनाव

शादी के बाद कपल सिर्फ प्यार तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि करियर, परिवार की जिम्मेदारियां उठानी होती है। ये सब तनाव बढ़ाता है। जीवन की दौड़ में रिश्ते पीछे छूट जाते हैं।

### संवाद की कमी

शादी के बाद कपल्स के बीच संवाद कम होने लगता है। वह दिल की बातें कम करते हैं। फोन और स्क्रीन का शोर ज्यादा हो जाता है। ऐसे में प्यार नजर आना कम हो जाता है।

### तुलना की पंरपरा

सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में कपल्स गोल और दूसरे की लाइफ से खुद की तुलना करना रिश्ते में असंतुष्टि को बढ़ाता है। लोगों को लगता है कि उनका साथी, उन्हें रील वाले कपल की तरह प्यार नहीं करता। सोशल मीडिया रिश्तों को असलीपन से दूर करता है।

### शादी के बाद पहले जैसा प्यार कैसे पाएं?

अगर आप चाहते हैं कि शादी के बाद भी आपका प्यार पहले जैसा ही रहे। दोनों के बीच शादी के बाद भी वही बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड वाला रोमांस दिखे तो कुछ सरल तरीके हैं, जिन्हें आपको जरूर अपनाना चाहिए।

### डेट नाइट्स

शादी के बाद कोशिशें करना न छोडें। साथ रहने लगे हैं तो भी छोटी-छोटी डेट नाइट्स जरूर फिक्स करें। जिंदगी कितनी भी व्यस्त क्यों न हो, एक दूसरे के लिए वक्त जरूर निकालें।

### संवाद

प्यार को जिंदा रखने के लिए शादी के बाद भी संवाद वैसा ही रखें। उनसे खुलकर अपने दिल की बात करें। बातचीत के लिए वक्त निकालें, न कि फोन और स्क्रीन में व्यस्त रहें। मैं तुम्हें समझता या समझती हूं। मैं हमेशा साथ हूं। जैसी छोटी छोटी बातें पार्टनर के विश्वास को बनाए रखती हैं।

### नजदीकों को अहसास बनाएं

सिर्फ स्पर्श या नजदीक रहना प्यार नहीं। इस अहसास को महसूस करना प्यार है। एक छोटा सा हग, हाथ थामना काफी है, उन्हें अहसास कराने के लिए कि वह अब भी आपके लिए उतना ही महत्व रखते हैं।

### इगो छोड़े

शादी से पहले भी कपल्स के बीच झगड़े होते हैं,लेकिन शादी के बाद होने वाले विवाद बड़ा रूप इसलिए ले लेते हैं, क्योंकि लोगों को लगता है कि अब वह पहले जैसा प्यार नहीं करते। अब वह उस तरह मनाया नहीं करते, जैसे शादी से पहले मनाते थे। हालांकि जरूरी है कि जब भी लड़ाई हो तो इगो को बीच में न लाएं, बल्कि रिश्ते को जीतने दें।

# वॉरेन बफेट के बाद बर्कशायर में टीम बना रहे ग्रेग एबेल

## नेतृत्व और निवेश रणनीति पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। वॉरेन बफेट के बाद जनवरी से बर्कशायर हैथवे की कमान संभालने जा रहे ग्रेग एबेल ने अपनी टीम को नए सिरे से तैयार करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को दो अहम पदों से विदाई की घोषणा की। बर्कशायर ने बताया कि निवेश प्रबंधक और कई वर्षों तक गीको के सीईओ रह चुके टॉड कॉम्ब्स और लंबे समय से मुख्य वित्तीय अधिकारी मैक हैमबर्ग कंपनी छोड़ रहे हैं। कॉम्ब्स अब जेपी मॉर्गन के लिए 10 अरब डॉलर निवेश संबंधी फैसलों में मदद करेंगे और वहां सीईओ जेमी डिमोन के विशेष सलाहकार की भूमिका निभाएंगे, जबकि हैमबर्ग 40 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

घोषणा में नए जनरल काउंसल और रिटेल व कंज्यूमर बिजनेस के लिए नए मैनेजर के पद बनाए जाने की भी जानकारी दी गई। हालांकि सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि क्या बीमा कारोबार के उपाध्यक्ष अजीत जैन, निवेश प्रबंधक टेड वेस्कलर और बर्कशायर के विभिन्न व्यवसायों के प्रमुख आगे भी बने रहेंगे।

कंपनी में नेतृत्व परिवर्तन के बीच दो बड़े नामों के भविष्य को लेकर सवाल जारी हैं। सीएफआरए रिसर्च की विश्लेषक कैथी सीफर्ट के अनुसार अभी भी दो बड़े प्रश्न बने हुए हैं अजीत जैन क्या करेंगे और टेड वेस्कलर क्या करने वाले हैं? गीको की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नैन्सी पियर्स को सीईओ बनाया गया है, लेकिन कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि करीब 300 अरब डॉलर के स्टॉक पोर्टफोलियो को ग्रेग एबल कैसे संभालेंगे। वॉरेन बफेट ने पिछले साल कहा था कि एबेल निवेश चयन, अधिग्रहण की रणनीति और कंपनी के मुनाफे को दोबारा निवेश करने जैसे फैसलों के लिए जिम्मेदार होंगे। हालांकि, एबेल पेशेवर रूप से निवेशक नहीं रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए योजना थी कि टॉड कॉम्ब्स और टेड वेस्कलर इस पोर्टफोलियो को संभालने में मदद करेंगे।लेकिन जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमोन द्वारा कॉम्ब्स को नियुक्त किए जाने से यह व्यवस्था विफल हो गई। डिमोन ने कहा कि टॉड कॉम्ब्स सर्वश्रेष्ठ निवेशकों और नेताओं में से हैं, जिन्होंने हमारे समय के सबसे सम्मानित निवेशक वॉरेन बफेट के साथ काम किया है। विश्लेषक मेयर शील्ड्स का मानना है कि बफेट के सीईओ पद छोड़ने के बाद आने वाले महीनों में और भी बड़े बदलाव संभव हैं। बफेट छह दशकों से अधिक समय बाद सीईओ पद छोड़ रहे हैं, हालांकि वे चेयरमैन बने रहेंगे। शील्ड्स का कहना है कि मिस्टर बफेट के उत्तराधिकारी के लिए, काम करने की प्रतिष्ठा, कम से कम अभी, बफेट के लिए सीधे काम करने जितनी आकर्षक नहीं है। कई ऐसे सीईओ, जो सामान्य से अधिक आयु में कार्यरत हैं, अब सेवानिवृत्ति पर विचार कर सकते हैं क्योंकि वे अब सीधे बफेट के लिए काम नहीं कर पाएंगे। ऐसे समय में कई सहायक कंपनियों के प्रमुख, जो वर्षों से एबेल को रिपोर्ट कर रहे हैं, उनके नेतृत्व कौशल से प्रभावित हैं। डेयरी क्वीन, ब्रूक्स रनिंग, इस्कार मेटलवर्किंग, मार्मन होल्डिंग्स और हेल्जबर्ग डायमंड्स जैसी कंपनियों पर एबेल के प्रभाव को सकारात्मक माना जा रहा है। बफेट ने भी कहा था कि एबेल अधिक सक्रिय भूमिका निभा कर कुछ व्यवसायों में उनसे बेहतर प्रदर्शन कराने की क्षमता रखते हैं।सीईओ पद संभालने के बाद व्यस्तताओं को ध्यान में रखते हुए एबेल ने नेटजेट्स के सीईओ एडम जॉनसन को उपभोक्ता, सेवा और खुदरा कारोबारों की निगरानी की जिम्मेदारी दी है। जबकि एबेल खुद निर्माण, ऊर्जा, रेलवे और औद्योगिक कारोबारों का नेतृत्व जारी रखेंगे।

# कर्नाटक में बीजेपी का किसान आंदोलन तेज

## गन्ना-मक्का खरीद केंद्र न खोलने पर कांग्रेस सरकार को घेरा

बैंगलूरु, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने कर्नाटक में बड़ी संख्या में किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने कांग्रेस सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों की निंदा की। इस प्रदर्शन में कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी सहित कई विधायक, विधान परिषद सदस्य और वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

**राज्य से जुड़े मुद्दों और सरकार की विफलताओं को किया उजागर**

बीजेपी नेताओं ने कहा कि यह विरोध राज्य से जुड़े मुद्दों और कांग्रेस सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए आयोजित किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने किसानों की परेशानी को नजरअंदाज कर दिया है। बीजेपी ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह मक्का और गन्ना किसानों की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि मक्का किसानों की ओर से खरीद केंद्र खोलने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन सरकार अब तक कोई पहल नहीं कर पाई। बीजेपी के अनुसार, खरीद केंद्र न होने से किसान बिचौलियों के हाथों अपनी फसल कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता सी.टी. रवि ने कहा कि विपक्ष किसानों के हक की लड़ाई लड़ रहा है और सरकार को जवाब देना होगा। रवि ने कहा कि हम किसानों को न्याय दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य सरकार ने गन्ना और मक्के पर एमएसपी का ऐलान तो किया है, लेकिन खरीद केंद्र ही नहीं खोले। लाखों हेक्टेयर में फसलें बाढ़ से नष्ट हो गईं, फिर भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया।

हम किसानों का हक मांग रहे हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को लाभ देने के लिए बड़ी सब्सिडी दे रही है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बोरी यूरिया की कीमत 2,500 है, लेकिन केंद्र सरकार इस पर 2,200 की सब्सिडी देती है, जिससे किसानों को कम कीमत पर खाद मिल पाती है। रवि ने कहा कि डीएपी खाद पर भी 2,500 की सब्सिडी मिलती है और इसका सीधा फायदा किसानों को मिल रहा है। विरोध कर रहे बीजेपी नेताओं ने कहा कि वे किसानों के साथ मिलकर बेलगावी स्थित सुवर्ण विधान सौध का घेराव करेंगे। यह कदम राज्य में जारी शीतकालीन सत्र के दौरान उठाया जाएगा।

# शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी

## सेंसेक्स 436 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 436.41 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 719.73 अंक या 0.84 प्रतिशत गिरकर 84,382.96 के निचले स्तर पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.90 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 232.55 अंक या 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,728 के निचले स्तर तक गया।

रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 17 पैसे टूटकर 89.88 के स्तर पर पहुंच गया।सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, सन फार्मास्यूटिकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर गिरावट में रहे। वहीं, इटरनल, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और भारती एयरटेल लाभ में रहे।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कल के अमेरिकी फेड नीतिगत फैसले से पहले सतर्कता, रुपये में कमजोरी, लगातार विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच घरेलू शेयर बाजार में मुनाफावसूली बढ़ी।

गिरावट में आईटी शेयरों की प्रमुखता रही, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, रियल्टी और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों में तेजी रही। स्मॉलकैप शेयरों ने अन्य सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व मंगलवार को अपनी दो दिवसीय नीति बैठक शुरू करने वाला है, जहां केंद्रीय बैंक की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख बेंचमार्क ब्याज दरों पर फैसला करेगी।नायर ने आगे कहा कि जापानी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और बैंक ऑफ जापान (बीओजे) द्वारा अपनी आगामी दिसंबर बैठक में मौद्रिक नीति को सख्त करने की उम्मीदों से वैश्विक धारणा पर और दबाव पड़ा है।

# चांदी 2034 और सोना 848 सस्ता हुआ

## 10 ग्राम सोना 1.28 लाख और चांदी 1.77 लाख प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 848 रुपए गिरकर 1,27,409 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 1,28,257 रुपए का था। वहीं चांदी के दाम में भी आज गिरावट है। 1 किलो चांदी का दाम 2,034 रुपए गिरकर 1,77,054 रुपए पर आ गया है। एक दिन पहले (सोमवार को) चांदी ने 1,79,088 रुपए प्रति किलोग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं सोने ने 17 अक्टूबर को 1,30,874 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। बीते कारोबारी हफ्ते में सोना 2,001 रुपए और चांदी 13,851 रुपए महंगी हुई थी।आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

**इस साल सोना 51,247 और चांदी 91,037 महंगी हुई**

इस साल अब तक सोने की कीमत 51,247 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,27,409 रुपए हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 91,037 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,77,054 रुपए प्रति किलो हो गई है।

# भारी टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए भारतीय चावल महंगा, निर्यातक तलाश रहे नया बाजार

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय चावल पर उच्च टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा। भारतीय चावल निर्यात महासंघ (आईआरईएफ) ने यह चिंता जताई। इसमें कहा गया है कि भारत अन्य देशों के साथ व्यापार साझेदारी को गहरा करना जारी रखेगा व भारतीय चावल के लिए नए बाजारों का विस्तार करेगा।

**भारतीय किसानों पर टैरिफ का असर सीमित**

c ने कहा कि भारतीय चावल निर्यात मजबूत है और अमेरिका सहित दुनिया के कई बाजारों में इसकी मांग बनी हुई है। फेडरेशन का कहना है कि अमेरिकी उपभोक्ता पहले ही बढ़ी हुई कीमतों का बोझ उठा रहे हैं, जबकि भारतीय किसानों और निर्यातकों पर इसका सीमित असर पड़ता है।

**भारत नए बाजार खोलने पर काम कर रहा है**

फेडरेशन के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने कहा कि भारतीय चावल निर्यात उद्योग मजबूत और प्रतिस्पर्धी है। अमेरिका एक महत्वपूर्ण बाजार है, लेकिन हमारे निर्यात विश्व स्तर पर विविधीकृत हैं। सरकार के साथ मिलकर हम मौजूदा बाजारों को मजबूत करने और नए बाजार खोलने पर काम कर रहे हैं।

**अमेरिका में कीमतों का बोझ उपभोक्ताओं पर**

आईआरईएफ का कहना है कि भारतीय चावल पर पहले से लगे 10% शुल्क को बढ़ाकर 50% कर दिया गया, जिसके बाद 40 प्रतिशत की अतिरिक्त बढ़ोतरी हुई। इसके बावजूद निर्यात में बड़ी गिरावट नहीं हुई क्योंकि मूल्य वृद्धि का बड़ा हिस्सा अमेरिकी खुदरा कीमतों पर डाल दिया गया। फेडरेशन के मुताबिक, अमेरिका में भारतीय बासमती मुख्य रूप से खाड़ी और दक्षिण एशियाई समुदायों द्वारा खरीदा जाता है। बिरयानी जैसी डिश में बासमती की जगह अन्य चावल विकल्प नहीं हो सकते। आईआरईएफ के अनुसार अमेरिकी चावल सुगंध, स्वाद और लंबाई के मामले में भारतीय बासमती का विकल्प नहीं है।

**जीटीआरआई ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी किसानों पर साधने की कोशिश की**

थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि ट्रंप का कदम व्यापार नीति से अधिक घरेलू राजनीति का हिस्सा लगता है और अमेरिकी किसानों को साधने की कोशिश है। थिंक टैंक का कहना है कि अगर शुल्क बढ़ता भी है, तो भारत को बड़ा नुकसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय चावल की वैश्विक मांग मजबूत है, जबकि बढ़ी हुई कीमतों का असर अमेरिकी परिवारों पर अधिक पड़ेगा।

**भारत से निर्यात: आंकड़े बताते हैं मजबूती**

आईआरईएफ के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अमेरिका भारत का चौथा सबसे बड़ा बाजार रहा, जहां भारत ने बासमती चावल के 337.10 मिलियन डॉलर (2.74 लाख टन) का निर्यात किया। वहीं गैर-बासमती चावल के 54.64 मिलियन डॉलर (61,341.54 टन) का निर्यात हुआ, जिसमें अमेरिका 24वां सबसे बड़ा बाजार रहा।

# बिटकॉइन को पीछे छोड़ तेजी से आगे बढ़ रही यह क्रिप्टोकरेंसी, इथेरियम ने सबको पछाड़ा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया इस समय बड़े उतार चढ़ाव के दौर से गुजर रही है। पिछले कुछ महीने काफी उठा-पटक वाले रहे हैं। वहीं दुनिया की दो सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी की अलग ही चाल है। एक तरफ जहां क्रिप्टो निवेशक दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टो बिटकॉइन पर नजर गड़ाए हुए हैं तो वहीं दूसरी सबसे महंगी क्रिप्टो इथेरियम चुके से आगे निकल गई है। पिछले कुछ समय के रिटर्न को देखें तो इथेरियम बिटकॉइन से काफी आगे नजर आ रहा है। 7 दिनों में बिटकॉइन की रिटर्न करीब 4 फीसदी रही है। इस तेजी के साथ यह क्रिप्टो मंगलवार दोपहर 3 बजे कीहब 90,350 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। वहीं इसके उलट इथेरियम में 7 दिनों में 11 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है। इस तेजी के साथ यह क्रिप्टो 3120 डॉलर पर थी।

**एक महीने में क्या स्थिति?**

एक महीने के रिटर्न को देखें तो दोनों क्रिप्टोकरेंसी नुकसान में रही है। लेकिन यहां भी इथेरियम ने बाजी मारी है। क्योंकि बिटकॉइन के मुकाबले इथेरियम में गिरावट कम आई है। कॉइनमार्केटकैप के मुताबिक एक महीने में बिटकॉइन करीब 11.40 फीसदी फिसल गई। वहीं इथेरियम में करीब 9 फीसदी की ही गिरावट आई। ऐसे में देखा जाए तो एक महीने में इथेरियम के निवेशकों को बिटकॉइन के मुकाबले कम नुकसान हुआ।

**आगे कैसी रहेगी चाल?**

क्रिप्टो निवेश उत्पादों में लगातार दूसरे हफ्ते पैसा आया है, जो कुल 716 मिलियन डॉलर रहा। यह बाजार में बढ़ती सकारात्मक भावना को दिखाता है। इथेरियम पर भी सबकी नजर है, क्योंकि बड़े निवेशकों (व्हेल) ने 425 मिलियन डॉलर से ज्यादा की लॉन्ग पोजीशन खोली है, जो आगे की तेजी का संकेत है। इथेरियम के लिए 3,237 डॉलर का स्तर महत्वपूर्ण रेजिस्टेंस है, जबकि 3000 डॉलर एक मजबूत सपोर्ट का काम कर रहा है।पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में भी गिरावट आई है। दोपहर 3 बजे यह मार्केट कैप करीब 1.83% की गिरावट के साथ 3.08 ट्रिलियन डॉलर पर था। वहीं इसके फियर एंड ग्रीड इंडेक्स में सुधार हुआ है।

# अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल पर केस दर्ज

## 228 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। मशहूर कारोबारी अनिल अंबानी के बाद अब उनके बेटे जय अनमोल अंबानी पर भी सीबीआई का शिकंजा कस गया है। सीबीआई ने जय अनमोल अनिल अंबानी के खिलाफ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) से जुड़े 228.06 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। यह मामला रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से भी जुड़ा है। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि यह मामला सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को हुए 228 करोड़ रुपये के वित्तीय नुकसान से संबंधित है। यह शिकायत बैंक की ओर से दर्ज कराई गई थी। इस शिकायत में आरएचएफएल, जय अनमोल अनिल अंबानी और रवींद्र शरद सुधाकर को निशाना बनाया गया है, जो दोनों कंपनी के निदेशक रह चुके हैं। बैंक की शिकायत के अनुसार आरएचएफएल ने अपने मुंबई स्थित एससीएफ ब्रांच से बिजनेस के लिए 450 करोड़ रुपये का लोन लिया था। बैंक ने कंपनी से कहा था कि वे पैसों का सही इस्तेमाल करें, समय पर ईएमआई भरें, ब्याज और दूसरे चार्ज चुकाएं, सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट्स समय पर जमा करें और सारी बिक्री का पैसा बैंक खाते से ही निकालें। लेकिन कंपनी इन शर्तों का पालन नहीं कर पाई। इसके चलते 30 सितंबर 2019 को उनका लोन अकाउंट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) यानी खराब लोन की श्रेणी में आ गया।ग्रांट थॉर्नटन (जीटी) नाम की कंपनी ने अप्रैल 2016 से जून 2019 तक की अवधि का फॉरेंसिक ऑडिट किया। इस ऑडिट में पता चला कि लोन के पैसे का गलत इस्तेमाल हुआ है, यानी पैसों को कहीं और ही लगाया गया। बैंक ने आरोप लगाया है कि कंपनी के पूर्व प्रमोटरों/निदेशकों ने खातों में हेरफेर करके और आपराधिक विश्वासघात करके धोखाधड़ी से पैसों का गबन किया।

# टाटा के इस मल्टीबैगर शेयर ने निवेशकों को दिया 1 लाख करोड़ का झटका, निवेशक बेचैन

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट ने निवेशकों को मालामाल किया है लेकिन इस साल इसके शेयर बुरी तरह गिरे हैं। यह कंपनी जुडियो जैसे बजट फैशन स्टोर और वेस्टसाइड जैसे प्रीमियम ब्रांड चलाती है। साल 2025 में यह निफ्टी50 इंडेक्स का सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर बन सकता है। इस साल ट्रेंट के शेयरों में 43% गिरावट आई है। इससे कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा कम हो गई है। अब यह कंपनी का मार्केट कैप 1.45 लाख करोड़ रुपये रह गया है। आज कारोबार के दौरान यह 3986.40 रुपये तक गिरा जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। ट्रेंट कभी रिटेल और बड़े निवेशकों का पसंदीदा शेयर था। अब यह टाटा ग्रुप के तीन खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में से एक बन गया है। टाटा मोटर्स का पैसेंजर व्हीकल यूनिट 22% गिरा है जबकि आईटी कंपनी टीसीएस में 21% गिरावट आई है। इस भारी गिरावट के पीछे कई कारण हैं।

# भारत को अपने विकास का रास्ता खुद निर्धारित करना होगा

**बाहरी दबावों का विरोध करें : गौतम अदाणी**

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत को अपने विकास का रास्ता स्वयं निर्धारित करना होगा और बाहरी दबावों का विरोध करना होगा। यह बयान मंगलवार को अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने दिया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद में शताब्दी समारोह में बोलते हुए, अदाणी समूह के अध्यक्ष ने कहा कि 21वीं सदी में संप्रभुता किसी राष्ट्र की अपने प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर नियंत्रण पर निर्भर करेगी। गौतम अदाणी ने कहा, हमें उन संसाधनों और उस ईंधन पर नियंत्रण रखना चाहिए, जो हमारी ग्रोथ को बढ़ावा देते हैं। साथ ही, उन्होंने इसे भारत की आर्थिक स्वतंत्रता की दोहरी नींव बताया। गौतम अदाणी ने बाहरी दबावों का विरोध करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि केवल वही करना चाहिए जो भारत के लिए सर्वोत्तम हो। अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा, यदि हम अपनी कहानी पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो हमारी आकांक्षाएं अवैध हो जाएंगी और हमारे जीवन स्तर को बहतर बनाने के अधिकार को वैश्विक अपराध के रूप में चित्रित किया जाएगा। वैश्विक आंकड़ों का हवाला देते हुए, गौतम अदाणी ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जक देशों में से एक बना हुआ है, जबकि देश ने निर्धारित समय से पहले ही 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म स्थापित क्षमता हासिल कर ली है। उद्योगपति ने कहा कि प्रति व्यक्ति मीट्रिक या ऐतिहासिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखे बिना भारत के स्थिरता प्रदर्शन को कम आंकने के प्रयास वैश्विक ईएसजी ढांचों में निहित पूर्वाग्रहों को दर्शाते हैं। गौतम अदाणी ने कहा कि आईआईटी धनबाद का जन्म राष्ट्रीय दूरदर्शिता के कारण हुआ था।

# दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

मंगल 9; सूर्य, शुक्र, बुध 8; 7; 6; राहु 11; केतु, चंद्र 5; शनि 12; 10; 1; 2; 4; गुरु 3

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सुर्य | वृश्चिक | मे |
| चंद्र | सिंह | मे |
| मंगल | धनु | मे |
| बुध | वृश्चिक | मे |
| गुरु | मिथुन | मे |
| शुक्र | वृश्चिक | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारभ समय | | |
|---|---|---|
| वृश्चिक... | 04-49 | बजे |
| धनु....... | 06-03 | बजे |
| मकर... | 09-10 | बजे |
| कुंभ.... | 11-09 | बजे |
| मीन.... | 12-38 | बजे |
| मेष..... | 14-14 | बजे |
| वृष.... | 15-59 | बजे |
| मिथुन.. | 17-58 | बजे |
| कर्क... | 20-14 | बजे |
| सिंह--- | 22-24 | बजे |
| कन्या-- | 00-30 | बजे |
| तुला---- | 02-56 | बजे |

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्योदय 06-38
कलियुग संवत् -5126 वर्ष, सूर्यास्त. 16-38
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष बुधवार 10 Dec
तिथि - षष्ठी 13-46 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - मघा 02-44 रात्रि तक उप पूर्वाफाल्गुनी
योग - वैधृति 12-46 तक उप विष्कुंभ
करण - वणिज 13-46 तक विष्टी (भद्रा)

**कालाष्टमी**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल 12-09 13-32**

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

| दिन का चौघड़िया | रात का चौघड़िया |
|---|---|
| लाभ 06-38 - 07-59 शुभ | उत्पात17-38 - 19-18 अशुभ |
| अमृत 07-59 - 09-23 शुभ | शुभ. 19-18 - 20-55 शुभ |
| काल 09-23 - 10-46 अशुभ | अमृत 20-55 - 22-32 शुभ |
| शुभ 10-46 - 12-09 शुभ | चंचल 22-32 - 00-09 शुभ |
| रोग 12-09 - 13-32 अशुभ | रोग 00-09 - 01-46 अशुभ |
| उत्पात13-32 - 14-55 अशुभ | काल 01-46 - 03-23 अशुभ |
| चंचल 14-55 - 16-18 शुभ | लाभ 03-23 - 05-00 शुभ |
| लाभ ।16-18 - 17-38 शुभ | उत्पात05-00 - 06-38 अशुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका करिश्मा पेशेवर परिस्थितियों में प्रशंसा अर्जित करता है, जिससे आप आसानी से केंद्र में आ जाते हैं। आप कार्यों को मौलिकता से करते हैं और नए, अपरंपरागत विचारों के लिए खुले हैं। निष्पक्षता की इच्छा आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे सहयोग सहज होता है।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है। बेकार के प्रयासों से बचें और काम और कनेक्शन दोनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सावधानी से खुद को व्यक्त करें।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका करियर पथ रोशन है, जो काम के प्रति एक पोषण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। विवरण पर अपना ध्यान दें और इससे उत्पादकता बढ़ेगी। काम पर आपका आकर्षण उजागर होगा। आपके अपरंपरागत विचार आपको अलग पहचान दिलाएंगे। शुरुआत और अंत को गले लगाओ, क्योंकि वे ताज़ा बदलाव लाते हैं।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
सिंह राशि में सूर्य के होने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। मीन राशि में चंद्रमा आपकी संवेदनशीलता को बढ़ाएगा, जिससे आपको सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी। बुध और शनि के त्रिकोण में होने से, सावधानीपूर्वक किए गए प्रयास आपको कई तरक्की दिलाएंगे।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन आपके कार्य जीवन में सौम्य लेकिन शक्तिशाली ऊर्जा प्रदान करता है, जो आपको दूसरों से जुड़ने और सार्थक समर्थन प्रदान करने में मदद करता है। आपके प्रयासों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा। हालाँकि, ज़मीन पर बने रहें, क्योंकि उच्च ऊर्जा रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम पर आपका आत्मविश्वास मज़बूत है, और रचनात्मकता सहजता से प्रवाहित होती है, जिससे आप कार्यों को कुशलता से कर पाते हैं। अपनी भलाई को प्राथमिकता दें, क्योंकि कम प्रतिरोध आपको असुरक्षित महसूस करा सकता है। काम की गतिशीलता को समझते हुए, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा रखें, भले ही संदेह के क्षण सामने आएँ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी महत्वाकांक्षाएँ ऊर्जावान हैं, जो आपको आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं। अंतर्ज्ञान आपको सूक्ष्म गतिशीलता से निपटने में मदद करता है, खासकर जब काम या पढ़ाई में चुनौतियाँ आती हैं। अवसर अप्रत्याशित रूप से सामने आ सकते हैं, विकास और पहचान ला सकते हैं।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने अहंकार को नियंत्रित करने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा। तार्किक दृष्टिकोण अपनाएँ जिससे आपको उन्नति की एक श्रृंखला मिल सके। आध्यात्मिक जागरूकता को अपनाएँ, जो आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में आपकी मदद करती है। क्रूर प्रवृत्ति से सावधान रहें और सद्भाव बनाए रखने के लिए अहंकारी उद्देश्यों से बचें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# अखिलेश ने एनडीए सांसद को फटकारा- अनपढ़ हो

## कोई बात नहीं समझते, सपा सांसद ने भी लगाई क्लास, संसद में जमकर हंगामा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के 7वें दिन मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चर्चा हो रही है। इसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस दौरान सपा ने यूपी में एसआईआर में जल्दबाजी और बीएलओ की मौतों का मुद्दा उठाया।

अखिलेश के भाषण के दौरान सत्तापक्ष के एक सांसद ने टिप्पणी कर दी। इस पर अखिलेश भड़क गए। बोले- ये ऐसे अनपढ़ हैं, जो पहले इधर ही थे, आज उधर खिसक गए हैं। ये कोई बात नहीं समझते। पढ़े-लिखे नहीं हैं, होते तो समझते।

अखिलेश के समर्थन में उनके पीछे बैठे सपा सांसद आनंद भदौरिया भी भड़क गए। उन्होंने वहीं से डांट लगानी शुरू कर दी।

इसके बाद अखिलेश यादव ने खुद हालात संभाले।

इस बीच, अखिलेश ने कहा- मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि किसी बीएलओ को कोई ट्रेनिंग नहीं दी गई। बीएलओ को यह तक नहीं पता कि कौन-सा फॉर्म किसे देना है?

हमने देखा कि दिल्ली के एक वोटर ने 2 जगहों पर वोट डाला था। एसआईआर के नाम पर एनआरसी हो रहा है। यहां सोची-समझी साजिश है।

अब तो यूपी में आधार कार्ड को ही नहीं मान रहे। इसका मतलब साफ है कि ये एसआईआर नहीं है। ये अंदर ही अंदर एनआरसी वाला काम कर रहे। हमारे सीएम कह रहे कि हम डिटेंशन सेंटर बना रहे हैं। जो ये खुलकर नहीं कर सकते हैं, वो एसआईआर के बहाने कर रहे हैं।

बता दें, यूपी में 15.44 करोड़ मतदाता हैं। अभी तक एसआईआर के 90 फीसदी से ज्यादा फॉर्म भरे जा चुके हैं। दरअसल, एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है।

आरोप है कि अधिक दबाव के कारण बीएलओ खुदकुशी कर रहे हैं या उनकी मौत हो रही। इधर, बिहार चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की रिकॉर्ड जीत के बाद विपक्ष एक बार फिर सरकार पर 'वोट चोरी' का आरोप लगा रहा है।

# गोवा अग्निकांड में उत्तराखंड के नौ लोगों ने भी गंवाई जान

देहरादून, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के नाइट क्लब में हुए भीषण अग्निकांड में उत्तराखंड के पांच युवाओं की जिंदगी लील ली। मनीष सिंह, चंपावत के रहने वाले थे जबकि जितेंद्र और सतीश सिंह टिहरी के रहने वाले थे।

मृतक सतीश राणा अपने परिवार का इकलौता सहारा थे। वह नाइट क्लब में काम कर माता-पिता और छोटे भाई की जिम्मेदारी उठा रहे थे। सतीश अपनी दो बहनों की शादी करवा चुके थे।

नाइट क्लब अग्निकांड में सतीश राणा बुरी तरह झुलस गए थे और उन्होंने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर उनके परिजनों को मिली तो वह सदमे में आ गए।

घर का इकलौता कमाने वाला लड़के की मौत से परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। यह पूरा परिवार खेती बाड़ी और मेहनत मजदूरी कर गुजर करता है।

# पाकिस्तान मुर्दाबाद: अलग सिंधुदेश की मांग को लेकर कराची में भारी हिंसा

## क्या फिर बंटेगा जिन्ना का देश

इस्लामाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में अलग सिंधुदेश की मांग को लेकर हो रहा विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। इससे पूरे कराची में तनाव है। प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी और तोड़फोड़ की। उनकी कराची पुलिस के साथ तीखी झड़प भी हुई। हिंसा रविवार को तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारी सिंधी कल्चर डे पर अलग सिंधुदेश की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। जिये सिंध मुत्तहिदा महाज़ (जेएसएसएम) के बैनर तले सिंधियों के एक बड़े ग्रुप ने 'आजादी' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। उन्होंने सिंध की आजादी की मांग की, जिससे सिंधी राष्ट्रवादी पार्टियों ने समर्थन दिया।

**सिंधुदेश की मांग करने वालों पर लाठीचार्ज**

सिंध प्रांत सिंधु नदी के पास का इलाका है। यह 1947 में बंटवारे

के बाद पाकिस्तान में चला गया। महाभारत के अनुसार, सिंधुदेश आज के सिंध का पुराना नाम था, जो पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा प्रांत है। रविवार को, कराची पुलिस ने सिंधुदेश की मांग कर रही रैली का रास्ता बदल दिया। इससे तनाव फैल गया और प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब भीड़ के कुछ लोगों ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कराची पुलिस ने हिंसा के आरोप में कम से कम 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा में पांच पुलिसकर्मी भी घायल हुए। सरकार ने पुलिस को प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने और पुलिस गाड़ियों में तोड़-फोड़ करने वालों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

**पीएम मोदी से मदद की अपील**

सिंधी संगठनों का आरोप है कि सिंध में उन्हें राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है और उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इस साल की शुरुआत में देश निकाला पाए चेयरपर्सन शफी बुरफत की लीडरशिप वाली जेएसएसएम ने यूनाइटेड नेशंस से दखल देने और सिंधुदेश को एक आजाद देश के तौर पर मान्यता देने की अपील की थी। जेएसएसएम ने सिंध और भारत के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी अपनी मांग का समर्थन करने की अपील की थी।

# इधर भी एक चाणक्य बैठा है

## जब खरगे ने जयराम रमेश की ले ली चुटकी, राज्यसभा में जमकर लगे ठहाके

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में आज 'वंदे मातरम' पर चर्चा के दौरान उस समय सदन ठहाकों से गूंज उठा जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'चाणक्य'को लेकर चर्चा छेड़ दी। दरअसल, खरगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चाणक्य कहकर संबोधित करना चाह रहे थे, इसी दौरान जमराम रमेश बीच में चाणक्य का सही उच्चारण बताने लगे। फिर क्या था खरगे ने भी मौके पर चौका जड़ दिया। उन्होंने कहा कि आपके पास चाणक्य है तो हमारे पीछे भी एक चाणक्य बैठा है। इसी बात पर सदन ठहाकों से गूंज उठा। खुद जयराम रमेश भी हंसने लगे।

**जब महात्मा गांधी जेल जा रहे थे तब आपके लोग अंग्रेजों की नौकरी कर रहे थे: जयराम रमेश**

बोलते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई के दौरान 'वंदे मातरम' को

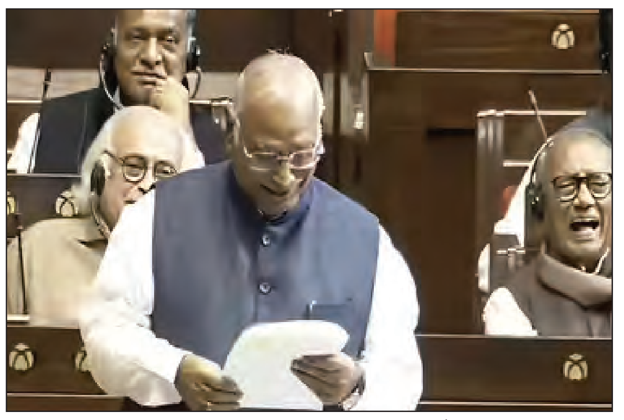

नारा बनाने का काम किया। आपका इतिहास रहा है कि आप हमेशा आजादी की लड़ाई और देशभक्ति के गानों के खिलाफ रहे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता, स्वतंत्रता सेनानी- भारत माता की जय, महात्मा गांधी जी की जय का नारा लगाते हुए जेल जा रहे थे, उसी समय आपके (आरएसएस-भाजपा) लोग अंग्रेजों की नौकरी कर रहे थे। आज आप हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं?

खरगे ने आगे कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों, जिनमें नेहरू जी, महात्मा गांधी, मौलाना आज़ाद, नेताजी सुभाष चंद्र जी, सरदार पटेल जी, गोविंद वल्लभ पंत जी शामिल थे, उन्होंने एक प्रस्ताव पास किया जिसमें सिफारिश की गई थी कि जहां भी राष्ट्रीय समारोहों में वंदे मातरम गाया जाता है, वहां केवल पहले दो छंद ही गाए जाने चाहिए। क्या नेहरू जी कांग्रेस वर्किंग कमेटी में साथ थे? आप उन सभी बड़े नेताओं का अपमान कर रहे हैं जिन्होंने मिलकर फैसला लिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री नेहरूजी को क्यों टारगेट करते हैं?

**हमलोग तो हमेशा से वंदे मातरम गाते आए हैं: खरगे**

खरगे ने कहा कि हम हमेशा से वंदे मातरम गाते आए हैं। लेकिन जो लोग वंदे मातरम नहीं गाते थे, वे भी अब इसे गाने लगे हैं। यह वंदे मातरम की ताकत है। यह एक राष्ट्रीय पर्व है, कोई बहस नहीं। खरगे ने आगे कहा कि जब 1921 में असहयोग आंदोलन शुरू हुआ था, तब कांग्रेस के सदस्य वंदे मातरम का नारा लगाते हुए जेल जा रहे थे। आप अंग्रेजों के लिए काम कर रहे थे।

# 30 दिन के अंदर अपना संविधान जमा करें

## चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को क्यों दिया ऐसा निर्देश

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों से कहा है कि 30 दिनों के अंदर सभी संशोधनों के साथ अपने-अपने संविधान का अपडेटेड वर्जन उसके पास जमा करें। चुनाव आयोग ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है, जब सुप्रीम कोर्ट उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन से लेकर उसके संचालन तक को लेकर वैधानिक नियावली बनाने की मांग की गई है, ताकि इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। सोमवार को राजनीतिक दलों को भेजी चिट्ठी में चुनाव आयोग ने कहा है कि जब जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 29ए के तहत एक राजनीतिक दल का रजिस्ट्रेशन होता है, तब उनकी ओर से रूल्स और रेगुलेशन को लेकर मेमोरेंडम भी जमा किया जाता है।

# देश की पहली स्लीपर वंदे भारत बिहार से

## पटना से दिल्ली 8 घंटे में, लग्जरी होटल जैसी फीलिंग, 160किमी की स्पीड से दौड़ेगी

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी सा आराम और वंदे भारत जैसी टेक्नोलॉजी, सबसे तेज रफ्तार, इसी महीने से पटना-नई दिल्ली के बीच वह ट्रेन चलने जा रही है, जिसका लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। यह है वंदे भारत स्लीपर ट्रेन।

ट्रेन 160किमी की रफ्तार से दौड़ रही हो तब भी कप में रखी चाय नहीं गिरेगी। यात्रियों को लग्जरी होटल सा आराम मिलेगा। नहाने के लिए गर्म पानी और टच फ्री टॉयलेट जैसी कई खास सुविधाएं होंगी।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच होंगे। इनमें एसी3 के 11, एसी2 के 4 और एसी1 का 1 कोच होगा। कुल 827 सीट होंगे, जिनमें से एसी3 की 611, एसी2 की 188 और एसी1 की 24 सीट होंगी। मांग बढ़ने पर बोगियों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। किराया राजधानी एक्सप्रेस के आसपास रखे जाने की उम्मीद है।

वंदे भारत एक्सप्रेस स्लीपर के दो रैक का निर्माण कार्य बेंगलुरु

के बीईएमएल (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) फैक्ट्री में पूरा होने को है। 12 दिसंबर को पहला रैक भेजा जाएगा। इसके बाद दिल्ली-पटना रूट पर इस ट्रेन का ट्रायल रन कराया जाएगा। नए साल से पहले इसे चलाने की तैयारी है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलने वाली है। पटना से दिल्ली के लिए शाम को खुलेगी और सुबह पहुंचेगी। इसी तरह दिल्ली से पटना के लिए शाम को चलेगी और सुबह पहुंचेगी। वंदे भारत स्लीपर को आराम, स्पीड और प्रीमियम यात्रा अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ट्रेन 160किमी की रफ्तार से दौड़ेगी। अधिकतम रफ्तार 180किमी है।

इस ट्रेन की बड़ी खासियत तेजी से रफ्तार पकड़ना और जल्द रुकना है। इसे किसी स्टेशन पर रुकने और फिर से तेज रफ्तार पकड़ने में कम समय लगता है।

वर्तमान में देशभर में चेयर कार वाली 164 वंदे भारत ट्रेनें चल रहीं हैं। इन्हें चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनाया गया है।

# 10 दिन में 33 नक्सलियों का सरेंडर, एमएमसी जोन खत्म

## मिलिंद का एनकाउंटर, रामधेर-अनंत और कबीर ने डाले हथियार

जगदलपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। सेंट्रल कमेटी मेंबर मिलिंद तिलतुमड़े का एनकाउंटर हुआ। अब सेंट्रल कमेटी मेंबर रामधेर, प्रवक्ता अनंत और एसजडसीएम कबीर ने अपने 33 साथियों के साथ हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। हालांकि, छोटा दीपक समेत कुछ छिटपुट नक्सली बचे हैं, जो सरेंडर करने की कोशिश में हैं।

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन 3 राज्यों के बॉर्डर को नक्सलियों ने अपना एमएमसी जोन बनाया था। एमएमसी जोन में करीब 40 से 45 नक्सली ही सक्रिय थे। जानकारी के अनुसार अब छोटा दीपक के साथ 5 से 6 पार्टी सदस्यों की एक छोटी टीम ही बची है। छत्तीसगढ़ सरकार का दावा है कि इनके सरेंडर करने के बाद मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ बॉर्डर का इलाका नक्सल मुक्त हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक साल 2014 से 2016 के बीच नक्सलियों ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ बॉर्डर को एमएमसी जोन के रूप में डेवलप किया था। सेंट्रल कमेटी मेंबर मिलिंद तिलतुमड़े को यहां का प्रभार दिया गया था। तब हथियारबंद नक्सलियों की संख्या करीब 80 से 100 से ज्यादा की थी। नक्सलियों ने एमएमसी जोन में 2 डिवीजन बनाए थे। जिनमें गोंदिया-बालाघाट-राजनांदगांव (जीबीआर) और कान्हा-भोरमदेव (केबी) डिवीजन था। तब नक्सली मंगू को जीबीआर का प्रभारी बनाया गया था, वहीं केबी का प्रभारी सुरेंद्र उर्फ कबीर था। एसजडसीएम अनंत को पूरे एमएमसी जोन का प्रवक्ता बनाया गया था। नक्सलियों की ये टीम लगातार खुद को मजबूत कर रही थी। दरअसल, साल 2021 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सी-60 कमांडोज और नक्सलियों की मुठभेड़ हुई थी। जहां जवानों में एमएमसी जोन के प्रभारी मिलिंद तिलतुमड़े समेत 26 नक्सलियों का एनकाउंटर किया था। यह एमएमसी जोन के लिए सबसे बड़ा झटका था। इसके बाद इलाके में लगातार नक्सलियों पर फोर्स का दबाव बढ़ता गया।

वहीं साल 2023 में नक्सली लीडर और जीबीआर (गोंदिया, बालाघाट और राजनांदगांव) डिवीजन का प्रभारी मंगू की मौत हो गई थी। इसी दौरान नक्सल संगठन ने नक्सली रामधेर को सीसीएम बनाकर इस इलाके में भेजा था। रामधेर बीजापुर जिले का रहने वाला है। ये हिड़मा का सीनियर लीडर है। हालांकि, रामधेर की चर्चा नक्सल संगठन में बहुत ज्यादा नहीं थी। दावा था कि माड़वी हिड़मा बस्तर का पहला नक्सली था, जिसे सेंट्रल कमेटी में शामिल किया गया था।

# निशांत के जेडीयू में आने से नीतीश को फायदा कम नुकसान ज्यादा

## बिहार की राजनीति का 'अजब गेम'

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को राजनीति में आना चाहिए? नीतीश कुमार ने अभी तक अपने किसी परिजन को राजनीति में आने नहीं दिया है। नीतीश मॉडल पॉलिटिक्स की यही यूएसपी है। नीतीश कुमार राजनीति में वंशवाद के विरोधी है। उनका मानना है कि अगर कोई मुख्यमंत्री राजनीति में परिवारवाद को बढ़ावा देता है तो निष्पक्ष और जनहित में शासन नहीं कर सकता। नीतीश कुमार खुद को कर्पूरी ठाकुर का अनुयायी बताते हैं। उनके आदर्शों पर चलने का दावा करते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने जीते जी अपने बेटों को राजनीति में नहीं आने दिया। इसी तरह बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह भी जब तक जिंदा रहे अपने पुत्रों को राजनीति से दूर रखा। लेकिन पिछले कुछ साल से जदयू के नेता यह मांग कर रहे हैं कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार सक्रिय

राजनीति में शामिल हों।

अगर निशांत आये तो लालू यादव को बड़ा मुद्दा मिल जाएगा

अगर निशांत कुमार जदयू की राजनीति में आते हैं तो इससे नीतीश कुमार की व्यक्तिगत छवि प्रभावित होगी। उन पर अपने सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप लगेगा। लालू यादव को उनके खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल जाएगा। नीतीश कुमार परिवारवाद के आधार पर ही लालू यादव की आलोचना करते रहे हैं। जदयू के कुछ नेता उत्साह में निशांत कुमार के राजनीति में आने की मांग कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि निशांत, नीतीश कुमार की विरासत संभाल कर जदयू को और आगे ले जाएंगे। लेकिन व्यवहार में ऐसा है नहीं।

यहां एक बात काबिले गौर है कि आज तक बिहार में किसी मुख्यमंत्री का पुत्र मुख्यमंत्री नहीं बना है। बिहार की राजनीति में पिछड़ावाद की अहमियत के बाद भी यह संभव नहीं हुआ। राज्य की जनता राजनीतिक रूप से बहुत प्रबुद्ध है। वह केवल इस आधार पर वोट नहीं करती कि अमुक उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री का बेटा है। लालू यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव चुनाव हार चुके हैं। जिस दिन तेजस्वी, बिना लालू यादव के मैदान में उतरेंगे, उनका भी हस्र कुछ ऐसा ही हो सकता है। लालू यादव के रहते वे राघोपुर में बहुत मुश्किल से चुनाव जीते।

श्रीबाबू के निधन के 6 साल बाद उनके पुत्र विधायक बने

बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण की निधन 1961 में हुआ था। जब वे जिंदा थे तब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनके बड़े पुत्र शिव शंकर सिंह को कांग्रेस से उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव रखा था जिसका श्रीकृष्ण सिंह ने कड़ाई से विरोध किया था। इसका नतीजा ये रहा कि उनके निधन के छह साल बाद यानी 1967 में शिव शंकर सिंह चुनाव लड़ पाये। 1967 के चौथे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने शिव शंकर सिंह को बरबीघा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया। शिवशंकर सिंह, निर्दलीय उम्मीदवार एमएन सिंह को हरा कर विधायक चुने गये। 1969 के चुनाव में भी शिव शंकर सिंह चुनाव जीते। यह उनकी आखिरी जीत रही।

श्रीबाबू के एक पुत्र मंत्री तो बने फिर कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया

इसके बाद श्रीकृष्ण सिंह के एक अन्य पुत्र बंदी शंकर सिंह 1980 और 1985 में वारसलीगंज से कांग्रेस के विधायक बने। वे बिहार सरकार में मंत्री भी रहे। लेकिन 1990 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया। समर्थकों के कहने पर बंदी शंकर सिंह निर्दलीय खड़ा हुए। लेकिन करीबी मुकाबले में सीपीआई के देवनंदन प्रसाद से करीब चाहर हजार वोटों से हार गये।

# 2036 तक 7 में से 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा

## केंद्र बोला- देश की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही, इससे आर्थिक निर्भरता जैसी चुनौतियां बढ़ेंगी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। 2011 में देश में 60 साल से ऊपर की आबादी 10.16 करोड़ थी, जो 2036 तक बढ़कर 22.74 करोड़ हो जाएगी। यानी बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा कुल जनसंख्या में 8.4% से बढ़कर 14.9% हो जाएगा यानी हर 7 में 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा। वहीं, 2036 तक अनुमानित जनसंख्या 153 करोड़ होगी।

ये जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में दी। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, उसके सामने स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक निर्भरता और डिजिटल सुविधाओं का उपयोग जैसी चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं।'

सरकार ने माना है कि देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से परिवारों का ढांचा और रिश्तों का तरीका भी बदल रहा है। पहले ज्यादातर लोग संयुक्त परिवार में रहते थे, जहां बुजुर्गों की देखभाल सब मिलकर करते थे। अब छोटे परिवार बढ़ रहे हैं, जिससे बुजुर्गों की देखभाल का तरीका भी बदल गया है और उनकी जिम्मेदारी कम लोगों पर आ गई है।

नई रिपोर्टों में इसे "विरोधाभास" कहा गया है, यानि बुजुर्गों की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन समाज की सोच, जिम्मेदारी और उनकी देखभाल को लेकर उम्मीदें पहले जैसी नहीं रहीं। इसका सीधा असर बुजुर्गों की देखभाल और उनके सम्मान पर पड़ रहा है।

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि बुजुर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 1 अप्रैल 2021 से अटल वयो अभ्युदय योजना लागू की है। इस योजना के तहत पूरे देश में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता और सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सरकार ने नेशनल काउंसिल ऑफ सीनियर सिटीजन्स भी बनाई है, जिसकी अध्यक्षता सामाजिक न्याय-अधिकारिता मंत्री करते हैं। इस परिषद में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हैं, जो बुजुर्गों से जुड़े मुद्दों पर सलाह देते हैं।

देश में सबसे ज्यादा बुजुर्ग केरल में रहते हैं। यहां कुल आबादी के 16.5% लोग बुजुर्ग (60 साल से अधिक उम्र के 56 लाख लोग) हैं। इनमें भी 11% लोग 80 साल या इससे अधिक उम्र के हैं। 2031 तक ये 25% होंगे। कई गांवों में सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट (आईआईएमडी) की केरला माइग्रेशन सर्वे रिपोर्ट बताती है कि राज्य की 3.43 करोड़ आबादी में हर पांच में से एक घर का कम से कम एक सदस्य बाहर है। 12 लाख से ज्यादा घरों में ताले पड़े हैं, तो 21 लाख से ज्यादा में सिर्फ बुजुर्ग हैं।

इससे पहले 2023 में नीति आयोग ने बताया था कि दुनियाभर में 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी बढ़ रही है। भारत में भी जन्मदर गिरने से बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है।

# शाह बोले-वंदे मातरम का विरोध गांधी परिवार के खून में

## नेहरू ने 1937 में 2 हिस्सों में बांटा, गीत न बंटता तो देश भी न बंटता

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' पर मंगलवार को चर्चा हुई। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने 1937 में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरों को मान्यता दी थी। यहीं से देश में तुष्टीकरण की राजनीति शुरू हुई। शाह ने कहा, इस तरह के फैसलों ने आगे चलकर देश के विभाजन का रास्ता तैयार किया। अगर उस समय पूरा वंदे मातरम् स्वीकार किया जाता तो शायद भारत का विभाजन न होता।

दरअसल राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के मौके पर भारत सरकार की ओर से सालभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस क्रम में 8 दिसंबर को लोकसभा और 8 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा की गई।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो लोग वंदे मातरम के महत्व को नहीं जानते वे इसे चुनाव से जोड़ रहे हैं। शाह के बयान को प्रियंका गांधी के बयान से जोड़ कर देखा जा रहा है।

दरअसल एक दिन पहले लोकसभा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा था- वंदे मातरम् गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। आज इस पर बहस क्यों हो रही है? मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं।

# राफेल एफ5 लड़ाकू विमान ने फिर किया कमाल

## क्या भविष्य की लड़ाई झेल पाएगा? फ्रांसीसी सुपर जेट को क्यों कहा जा रहा 'महंगा भ्रम'?

पेरिस, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जिन राफेल लड़ाकू विमानों को ऑपरेट करता है वो एफ3-आर वैरिएंट है और फ्रांस एफ-4 वैरिएंट बना चुका है, जो फिलहाल प्रोडक्शन में है। कुछ सालों में एफ-4 वैरिएंट कुछ चुनिंदा देशों के पास आ जाएंगे। लेकिन इन सबके आगे एफ-5 वैरिएंट भी बनने के काफी करीब पहुंच चुका है, जो अपने हर टेस्ट में कामयाबी हासिल कर रहा है। राफेल बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट, राफेल एफ5 को सुपर राफेल बताकर बाजार को रिझाने की कोशिश कर रही है, जिसमें एडवांस सेंसर, नेटवर्किंग और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर है।

लेकिन जैसे-जैसे हवाई लड़ाई विमानों की स्टेल्थ क्षमता, एआई आधारित हो रही है और जब अमेरिका एफ-47 एनजीएडी और चीन के J-36/J-50 जैसे छठी पीढ़ी के विमान बना रहे हैं, तो एफ-5 के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, राफेल एफ5 विमान की हर क्षमता के बावजूद एक हकीकत ये है कि ये दुश्मन के सेंसर से सच में गायब नहीं हो सकता। दरअसल, दुनिया जिस तेजी से स्टील्थ लड़ाकू विमानों की तरफ जा रही है, एआई-इंटीग्रेटेड और सेंसर-फ्यूज्ड एयर वारफेयर की ओर बढ़ रही है, वहां राफेल एफ5 की सबसे बड़ी चुनौती उसका पुराना एयरफ्रेम है। ये एक ऐसा डिजाइन है, जो कभी स्टील्थ-युग के लिए बना ही नहीं था। यह जेट दुश्मन को धोखा दे सकता है, जाम कर सकता है, बच सकता है, लेकिन अदृश्य नहीं हो सकता।

आने वाले दशक में जब लड़ाई राफेल एफ5 की दृश्यता उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाती है। लेकिन राफेल के मुकाबले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और भी ज्यादा एडवांस बन रहे हैं।

अमेरिकी एफ-35 अब सिर्फ स्टील्थ स्ट्राइक फाइटर नहीं, बल्कि एक 'एरियल सेंसर-हब' बन चुका है। एफ-22 आज भी हवाई क्षमता के मामले में बाकी विमानों से कहीं आगे है। एफ-35 और एफ-22 गजब का किल चेन नेटवर्क बनाते हैं। ये लड़ाकू विमान सिर्फ मिसाइल नहीं दागते, बल्कि ये पूरे लड़ाई क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। ये जमीन, हवा, समुद्र और स्पेस के सेंसरों को एक ही लड़ाकू नेटवर्क में जोड़ते हैं। इसके मुकाबले, राफेल एफ5 पीछे छूट जाता है। जबकि राफेल की कीमत एफ-35 जैसे लड़ाकू विमान के बराबर या ज्यादा ही हैं। इसीलिए ऐसी बात भी नहीं है कि गरीब देश इसे ऑपरेट कर पाएं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दुनिया में, जो एयर फोर्स पुराने डिजाइन पर दांव लगा रही हैं, वे बचने की क्षमता के बजाय पुरानी यादों को चुन रही हैं और ऐसे जोखिम उठा रही हैं जो शायद उनके दुश्मन नहीं उठाएंगे।

एफ5-क्लास राफेल, टेक्निकल शब्दों में कहें तो, अब तक का सबसे बेहतरीन राफेल है। एडवांस्ड सेंसर का नया सेट, बेहतर नेटवर्किंग, बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और ज्यादा शार्प वेपन लोडआउट, यानि एक शानदार फाइटर जेट।

अपने किसी भी पिछले वेरिएंट की तुलना में ज्यादा स्लीक, ज्यादा खतरनाक और ज्यादा डिजिटली इंटीग्रेटेड।

फिर भी एयरोडायनामिक और विजिबिलिटी, सिग्नेचर कॉम्प्रोमाइज की वजह से ये चकमा खा सकता है, इसे धोखा दिया जा सकता है, ये गायब नहीं हो सकता।

# जापान में 7.5 तीव्रता के भूकंप में 33 लोग घायल

## दो फुट ऊंची सुनामी की लहर आई, अब तक क्या-क्या हुआ

टोक्यो, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तरी जापान के समुद्र तट के पास सोमवार देर रात 7.5 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप में 33 लोग घायल हुए। इसके अलावा, प्रशांत तटवर्ती इलाकों में सुनामी की लहर आई। अधिकारियों ने बाद में और बड़े भूकंप के झटकों के जोखिम की चेतावनी दी। जापानी सरकार अभी सुनामी की लहर और देर रात आए भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रही है। यह भूकंप रात करीब सवा ग्यारह बजे प्रशांत महासागर में आया। भूकंप मुख्य होंशू द्वीप के उत्तरी हिस्से में आओमोरी तट से लगभग 80 किलोमीटर दूर समुद्र में आया।

हचिनोहे शहर में एक छोटी दुकान के मालिक नोबुओ यामाडा ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके से कहा, मैंने इतनी तेज कंपन कभी महसूस नहीं की। उन्होंने बताया कि खुशकिस्मती से उनके इलाके में बिजली की लाइन में कोई परेशानी नहीं आई।

# थाईलैंड-कंबोडिया युद्ध फिर भड़का

## सवा लाख लोग घरों को छोड़कर भागे, सीमा पर तबाही, दो दिनों से जारी है भारी गोलीबारी

बैंकॉक/नोम पेन्ह, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच का जंग आज भी जारी है। इस दौरान दोनों देशों के कम से कम 10 लोग मारे गये हैं और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले सवा लाख लोगों को घरों से पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है। पिछले रात थाईलैंड की गोलाबीरी में कंबोडिया में कम से कम 7 लोगों की मौतें हुई हैं, जबकि थाईलैंड में तीन मौतें रिकॉर्ड की गई हैं। थाईलैंड की सेना ने 3 जवानों की मौत की पुष्टि की है, जिनमें एक 8 दिसंबर को और दो 9 दिसंबर को मारे गए हैं। आज मारे गए दो सैनिकों में से एक की मौत सुरीन प्रांत में इनडायरेक्ट फायर से हुई, जबकि दूसरे की मौत प्रेह विहार मंदिर के पास ग्रेनेड ब्लास्ट में हुई है।

थाईलैंड की सेना ने कहा है कि उसने 492 अस्थाई शेल्टर होम बनाए हैं, जिनमें अभी 125,838 लोग रह रहे हैं। वहीं, कंबोडिया में, पोइपेट में स्थानीय अधिकारियों ने एक "तात्कालिक" मैसेज जारी किया जिसमें लोगों से शेल्टर होम में जाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि कम से कम पांच इलाकों, प्रे कुप, टॉमनब कोर 5, ओ'नेंग और टुल प्रसात के लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है। आपको बता दें कि थाईलैंड-कंबोडिया के बीच चल रही लड़ाई, जुलाई में शुरू हुए युद्ध से जुड़ी है, जो एक बार फिर से भड़क गई है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच की लड़ाई मई महीने में भड़की थी जो जुलाई में आमने-सामने की लड़ाई में तब्दील हो गई। थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस के त्रि-जंक्शन पर स्थित 'एमरल्ड ट्रायएंगल' की वजह से ये संघर्ष बार बार भड़कता रहता है। यह इलाका सिर्फ सामरिक लिहाज से नहीं, बल्कि दोनों देशों के लिए सांस्कृतिक लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में प्रासात ता मुएन थॉम और प्रेह विहियर जैसे प्राचीन मंदिर स्थित हैं, जिन पर दोनों देशों का दावा है। जुलाई में हुए युद्ध को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुए शांति समझौते ने रोका गया था, लेकिन अब ये संघर्ष विराम टूट गया है। लगातार होती गोलीबारी और तनावपूर्ण हालात को देखते हुए कंबोडिया के शिक्षा मंत्रालय ने थाईलैंड सीमा से लगे प्रेह विहियर प्रांत के चोम सान जिले में सभी स्कूलों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश दिया है।

# चेक गणराज्य में फिर सत्ता में आए अरबपति आंद्रेज बाबिस

## नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली

प्राग, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। चेक गणराज्य में राजनीति का बड़ा बदलाव हुआ है। अरबपति पॉपुलिस्ट नेता आंद्रेज़ बाबिस ने मंगलवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह बाबिस की सत्ता में दूसरी पारी है, वे इससे पहले 2017 से 2021 तक भी प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

शपथ लेते समय बाबिस ने कहा कि वे देश के हितों की रक्षा दुनिया में कहीं भी करेंगे और चेक गणराज्य को धरती पर रहने के लिए सबसे बेहतर जगह बनाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे।

**नई सरकार कैसे बनी?**

चेक राष्ट्रपति पेट्र पावेल ने आम चुनावों में एएनओ मूवमेंट की बड़ी जीत के बाद आंद्रेज बाबिस को नई सरकार बनाने का आमंत्रण दिया। बाबिस ने दो छोटे राजनीतिक दलों एंटी-इमिग्रेशन रुख वाली फ्रीडम एंड डायरेक्ट डेमोक्रेसी पार्टी और दक्षिणपंथी मोटरिस्ट्स फॉर देमसेल्व्स के साथ मिलकर बहुमत गठबंधन तैयार किया है। यह गठबंधन संसद के निचले सदन में 200 में से 108 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में है।

नयी सरकार में कुल 16 मंत्री शामिल होंगे, जिनमें एएनओ के पास 8 मंत्रालयों के साथ प्रधानमंत्री का पद भी रहेगा, जबकि मोटरिस्ट्स फॉर देमसेल्व्स को 4 मंत्रालय और फ्रीडम समूह को 3 मंत्रालय मिलेंगे। यह नई राजनीतिक साझेदारी देश की नीतियों में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि नई सरकार यूक्रेन को सहायता कम कर सकती है और हंगरी तथा स्लोवाकिया की तरह ईयू नीतियों पर कड़ा रुख अपना सकती है, खासकर पर्यावरण और प्रवास जैसे मुद्दों पर। इससे देश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव संभव है।

71 वर्षीय बाबिस अभी भी ईयू सब्सिडी घोटाले से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। कोर्ट में मामला आगे बढ़ाने के लिए नए संसद को उनकी सांसदीय प्रतिरक्षा हटानी पड़ सकती है। प्रधानमंत्री बनने की अनुमति पाने के लिए बाबिस ने अपनी विशाल व्यावसायिक संपत्तियों को लेकर सार्वजनिक घोषणा की कि उनकी एग्रोफर्ट समूह (200 कंपनियों का कंसोर्टियम) अब एक ट्रस्ट फंड के तहत चलेगा। इसकी निगरानी एक स्वतंत्र प्रोटेक्टर करेगा।

# रूस को एक इंच जमीन नहीं देंगे

## अमेरिकी दबाव के बावजूद पीछे हटने को तैयार नहीं जेलेंस्की

रोम, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि वह रूस को अपनी जमीन का एक इंच भी नहीं सौंपेंगे। उन्होंने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब वह यूरोप का लगातार दौरा कर समर्थन जुटा रहे हैं और दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यूक्रेन रूस से समझौता करे।

जेलेंस्की मंगलवार को रोम पहुंचे, जहां उन्होंने पोप लियो 14 से मुलाकात की और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से बात करने वाले हैं। इससे पहले सोमवार को वह लंदन गए, जहां ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मिले। उनका मकसद साफ है यूरोप का मजबूत समर्थन कायम रखना क्योंकि अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक कठिन समझौते का दबाव बढ़ा रहा है।

अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच तीन दिन की बातचीत खत्म हुई, लेकिन कई मुद्दों पर मतभेद बरकरार हैं। मुख्य विवाद यह है कि अमेरिकी योजना में डोनबास क्षेत्र का एक हिस्सा रूस को देने का सुझाव है। रूस इस क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर चुका है, लेकिन यूक्रेन और उसके यूरोपीय साथी किसी भी तरह की जमीन सौंपने के खिलाफ हैं। ट्रंप ने रविवार को कहा कि ज़ेलेंस्की ने अभी तक प्रस्ताव "ध्यान से पढ़ा नहीं", जबकि ट्रंप लंबे समय से कह रहे हैं कि यह युद्ध अमेरिकी टैक्स के पैसे की बर्बादी है। जेलेंस्की ने सोमवार रात पत्रकारों से कहा कि "हम कुछ भी देना नहीं चाहते। रूस लगातार दबाव डाल रहा है कि हम जमीन छोड़ दें, लेकिन कानूनन और नैतिक रूप से हमारे पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी शांति योजना में पहले 28 बिंदु थे, लेकिन अब यह 20 रह गए हैं क्योंकि कुछ एंटी-यूक्रेनी बिंदु हटा दिए गए हैं।

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने ज़ेलेंस्की का खुलकर साथ दिया है। स्टार्मर ने कहा कि यह शांति प्रयासों का "निर्णायक समय" है और किसी भी समझौते में "न्यायपूर्ण और टिकाऊ संघर्षविराम" जरूरी है। जर्मन चांसलर मर्ज ने अमेरिकी दस्तावेजों पर संदेह जताते हुए कहा कि कई बिंदुओं पर चर्चा जरूरी है। यूरोपीय देश जोर दे रहे हैं कि किसी भी समझौते के साथ मजबूत सुरक्षा गारंटी हों ताकि रूस भविष्य में हमला न कर सके।

# इंडोनेशिया में 7 मंजिला इमारत में आग, 20 की मौत

## कई लोग अब भी अंदर फंसे, बैटरियों में धमाके से हादसा

जकार्ता, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में मंगलवार को एक 7 मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई।

स्थानीय चैनल कोम्पास टीवी के मुताबिक, इस हादसे में अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इनमें 5 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं। इनमें से कुछ की मौत दम घुटने से हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोग अभी भी इमारत के अंदर फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने का काम अभी भी जारी है।

जिस इमारत में आग लगी, वह टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का दफ्तर है। यह कंपनी खनन (माइनिंग) और खेती (एग्रीकल्चर) से जुड़े कामों के लिए ड्रोन सर्वे सेवाएं देती है।

आग की शुरुआत इमारत की पहली मंजिल से हुई। जब आग लगी, तब कुछ कर्मचारी अंदर दोपहर का खाना खा रहे थे।

शुरुआत में कर्मचारियों ने आग बुझाने की कोशिश भी की, लेकिन वे इस पर काबू नहीं कर पाए।

पुलिस ने बताया कि पहली मंजिल पर रखी बैटरियों में आग लग गई थी। इसकी वजह से आग फैलती चली गई और जल्द ही सातवीं मंजिल तक फैल गई।

फिलहाल पूरी इमारत की तलाशी जारी है। फायर ब्रिगेड की टीम मंजिल-दर-मंजिल जांच कर रही है।

# ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा

## सस्ता चावल भेज रहा, जिससे उन्हें सही दाम नहीं मिल रहा, एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

वॉशिंगटन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है।

उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे।

ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

**कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है**

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे।

कनाडा ,अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

ट्रम्प ने मेक्सिको को यह आरोप लगाते हुए 5% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी भी दी कि वह अमेरिका को तय समझौते के मुताबिक पानी नहीं दे रहा। यह समझौता लगभग 80 साल पुराना है, लेकिन अमेरिका लंबे समय से मेक्सिको पर इसके पालन न करने का आरोप लगाता है।

ट्रम्प ने किसानों की मदद के लिए 12 अरब डॉलर का एक बड़ा राहत पैकेज घोषित किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि फसलों के दाम कम हो गए हैं और चीन सहित कई देशों के साथ चल रहे ट्रेड वॉर के कारण अमेरिकी किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

इस पैकेज के तहत ज्यादातर पैसा किसानों को सीधी मदद के रूप में दिया जाएगा ताकि वे अपनी फसलें बेच सकें और अगले साल की खेती की तैयारी कर सकें। सोयाबीन और ज्वार उगाने वाले किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, क्योंकि इन फसलों का सबसे बड़ा खरीदार चीन है। लेकिन इस साल चीन ने अमेरिकी सामान पर नई ड्यूटी लगाने के बदले में अमेरिकी सोयाबीन खरीदना लगभग बंद कर दिया, जिससे किसानों की इनकम काफी घट गई।

डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

# इमरान खान ने ऐसा क्या किया कि देशद्रोह का मुकदमा चलाएंगे असीम मुनीर

## पार्टी पर लगेगा प्रतिबंध

इस्लामाबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस यानि सीडीएफ बनते ही असीम मुनीर ने इमरान खान के नामोनिशान को पाकिस्तान से मिटाने की शुरूआत कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने और उनकी राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर बैन लगाने की तैयारी हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक असीम मुनीर, जो अब पाकिस्तान के सबसे ज्यादा शक्तिशाली शख्स बन चुके हैं, उन्हें इमरान खान को लेकर शहबाज शरीफ का साथ हासिल है।

शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार, सैन्य लीडरशिप के साथ मिलकर मानती है कि इमरान खान के व्यवहार ने कई लाल रेखाओं को पार किया है, जिसमें नेशनल सिक्योरिटी के कथित उल्लंघन से लेकर पाकिस्तान के डिप्लोमैटिक रिश्तों और अंदरूनी सिक्योरिटी के माहौल को अस्थिर करने वाले काम शामिल हैं। इसीलिए अब इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाएगा।

सूत्रों के हवासे से रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों को लगता है कि प्रधानमंत्री रहने की वजह से इमरान खान के पास पाकिस्तान की काफी संवेदनशील रणनीतिक जानकारियां हैं, जिसमें न्यूक्लियर से जुड़ी जानकारी और सरकारी सीक्रेट्स शामिल हैं। उनका आरोप है कि उनका पॉलिटिकल विरोध, सरकारी संस्थाओं के प्रति टकराव वाला रवैया और उनके पास क्लासिफाइड जानकारी होने से पाकिस्तान मुश्किल में पड़ सकता है। सूत्रों का कहना है कि इस वजह से सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं और इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का चार्ज लगाने पर चर्चा हो रही है। सूत्रों का दावा है कि इमरान खान का टीटीपी और अफगान तालिबान को लेकर रवैया नरह रहा है। इमरान खान की सरकार ने ही 2021-22 में टीटीपी के लड़ाकों को पाकिस्तान में बसाने की नीति अपनाई थी, जिसके कारण आतंकी घटनाओं में 600 प्रतिशत तक का इजाफा दर्ज किया गया है। इसीलिए पाकिस्तान में बढ़ चुके आतंकवाद के पीछे इमरान खान की नीतियां काफी जिम्मेदार हैं। सूत्र बताते हैं कि यह मुद्दा भी इमरान खान के खिलाफ संभावित केस बनाने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है, क्योंकि सैन्य नेतृत्व इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ सीधे खिलवाड़ के रूप में देख रहा है। इसके अलावा असीम मुनीर का मानना है कि इमरान खान ने चीन, सऊदी अरब और अमेरिका के साथ पाकिस्तान के संबंध खराब किए हैं। सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इमरान खान के बयानों और नीतियों के चलते अमेरिका, चीन और सऊदी अरब जैसे प्रमुख साझेदार देशों के साथ पाकिस्तान के संबंध बुरी तरह प्रभावित हुए।

# भारत से मिला साथ तो तालिबान ने पलट दी बाजी

## अफगानिस्तान ने खत्म की पाकिस्तान पर से निर्भरता, 'आर्थिक स्ट्राइक' से सदमे में शहबाज

काबुल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने कारोबार के लिए पाकिस्तान पर निर्भरता कम कर दी है। पाकिस्तान, बार बार बॉर्डर बंद कर ब्लैकमेल कर रहा था, जिसके बाद तालिबान ने पाकिस्तान पर अपनी निर्भरता घटाने की कोशिशें शुरू कर दी थी। इससे दोनों देशों के बीच का कारोबार भी काफी कम हो गया है। तोर्खम और चमन जैसे बड़े बॉर्डर क्रॉसिंग, जहां से पहले अफगानिस्तान के आधिकारिक कारोबार का करीब 40 फीसदी कारोबार होता था, वो 2024 के आखिर से 2025 में इस साल ज्यादातर समय बंद रहे हैं। पाकिस्तान बात बात पर बॉर्डर क्रॉसिंग बंद क रहा था और कई हफ्तों तक सीमा को बंद रखा जाता था। जिससे सब्जियां और दूसरी खराब होने वाली वस्तुओं का भारी नुकसान हो रहा था। अफगानिस्तान का सूखे मेवे के कारोबारियों को हर महीने करीब 200 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा था। इसके अलावा अफगानिस्तान को तेल, गेहूं और दवाइयां मंगाने में भी काफी देरी का सामना करना पड़ता था।

# सब खत्म हो गया, बशर-अल-असद को छोड़ कैसे भागी थी ईरानी सेना

दमिश्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में बशर-अल-असद का तख्तापलट हुए एक साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पूरे सीरिया में जश्न मनाया गया। सबसे बड़ा आयोजन राजधानी दमिश्क में किया गया, जहां पूर्व अल कायदा आतंकी से राष्ट्रपति बने अहमद अल-शरा ने मिलिट्री परेड की सलामी ली। लेकिन, सीरिया में असद सरकार का पतन अचानक नहीं हुआ। सीरियाई गृह युद्ध की शुरुआत 211 में लोकतंत्र के समर्थन में हो रहे विरोध प्रदर्शन पर सरकार के बेरहमी से दमन के बाद शुरू हुआ। इसमें ईरान की भी बड़ी भूमिका रही, लेकिन वह असद

## 'सीरिया के पतन' की कहानी

की सत्ता के आखिरी वक्त में काम नहीं आया और उसकी सेना सीरिया छोड़कर भाग गई। इस कारण असद की सत्ता पर विद्रोहियों का कब्जा हो गया और उन्हें रूस में शरण लेनी पड़ी।

ईरान, असद सरकार के दौरान सीरिया का सबसे बड़ा समर्थक था। उसने असद को अपने मिलिट्री एडवाइजर और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की फौज भेजी थी। इसके अलावा लेबनान के हिजबुल्लाह और इराक की मिलिशिया भी असद के समर्थन में थी। लेकिन, जब इस्लामिस्ट लीडरशिप वाली फोर्स के राजधानी दमिश्क की ओर तेजी से बढ़ते हमले के सामने वे हार गए। सीरियाई सेना के अधिकारियों और सैनिकों ने ईरानी सेना के अंदर काम किया, जिनका असर लड़ाई के दौरान असद की शक्ति कम होने के साथ बढ़ता गया।

रिपोर्ट के अनुसार, दमिश्क में सिक्योरिटी हेडक्वार्टर में तैनात एक पूर्व सीरियाई सैन्य अधिकारी ने बताया कि पिछले साल 5 दिसंबर को उनके ईरानी अधिकारी ने उन्हें जरूरी मुद्दे पर बात करने के लिए माजेह जिले में एक ऑपरेशनल सेंटर में बुलाया। उस सैन्य अधिकारी ने कहा कि इस बैठक में 20 सीरियाई ऑफिसर और सैन्य अधिकारी शामिल थे। इनके सामने ईरानी सेना के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि आज से, सीरिया में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नहीं रहेंगे। हम जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सब खत्म हो गया है। आज से, हम आपके लिए जिम्मेदार नहीं हैं। सीरियाई अधिकारी ने बताया कि उन्हें सेंसिटिव डॉक्यूमेंट्स को जलाने या नष्ट करने और कंप्यूटर से हार्ड ड्राइव निकालने का ऑर्डर दिया गया था। ईरानी सेना की वापसी के साथ ही सीरियाई सेना नेतृत्व विहीन हो गई। इस दौरान इस्लामी सेनाएं तेजी से आगे बढ़ रही थीं। उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन हासिल था, जो असर की सत्ता से तंग आ चुके थे।

# रिटायर बैंक अधिकारी से 51 लाख की ठगी

कोडरमा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में डिजिटल अरेस्ट का एक नया मामला सामने आया है। यहां बैंक से सेवानिवृत्त एक अधिकारी से 51 लाख रुपए की साइबर ठगी की गई है। बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त कोडरमा निवासी सुरेश प्रसाद गुप्ता ने इस साइबर धोखाधड़ी के संबंध में कोडरमा थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि ठगों ने उन्हें यह कहकर फंसाया कि उनके नाम से खुले नए खाते से अवैध लेनदेन और मनी लॉनड्रिंग हुई है। सुरेश गुप्ता और उनकी पत्नी को दो दिनों तक ऑनलाइन हाउस अरेस्ट में रखा गया। इस दौरान उन्हें फर्जी कोर्ट, अधिकारी और वकील दिखाए गए। इसके बाद उनसे मध्य प्रदेश के एक खाते में 51 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए गए। थाने में दिए आवेदन के अनुसार, 1 दिसंबर की सुबह करीब 9:30 बजे उन्हें मोबाइल से आयशा पटेल नामक महिला का फोन आया। महिला ने बताया कि उनके आधार कार्ड से एक नया मोबाइल नंबर लिया गया है, जिससे कैनरा बैंक दिल्ली में एक खाता खोला गया है। इस खाते से अवैध लेनदेन और मनी लॉनड्रिंग हुई है। इसके बाद गुप्ता और उनकी पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए फर्जी सीबीआई जज के सामने पेश किया गया।

# आज जयपुर में वैश्विक प्रवासी एक मंच पर
## 1 लाख करोड़ के होंगे एमओयू

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में 10 दिसंबर को जेईसीसी में 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, राज्य सरकार के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

**उद्योग जगत के शीर्ष दिग्गज भी होंगे शामिल**

उद्घाटन सत्र में देश के उद्योग क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां, वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, पीरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल व टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा भी शामिल होंगे और राजस्थान में निवेश, औद्योगिक अवसरों तथा राज्य सरकार के

सुधारों पर अपने विचार साझा करेंगे।

**1 लाख करोड़ के एमओयू की ग्राउंडब्रेकिंग**

कार्यक्रम में 1 लाख करोड़ रुपये के नए निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडब्रेकिंग की जाएगी। इसके साथ ही 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' के बाद से धरातल पर उतरी कुल परियोजनाओं का मूल्य 8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। इस अवसर पर सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी 'प्रगति पथ' का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही "कमिटमेंट इन एक्शन" नामक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन होगा, जिसमें समिट के तहत हुए निवेशों और प्रगति को दर्शाया गया है।

**प्रवासी राजस्थानी सम्मान**

देश-विदेश में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को इस समारोह में 'प्रवासी राजस्थानी सम्मान' प्रदान किया जाएगा। समापन मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के संबोधन से होगा। प्रवासी राजस्थानियों के साथ एक खास ओपन हाउस सत्र आयोजित होगा, जिसमें राज्य में निवेश अवसरों और सहयोग पर सीधा संवाद होगा।

इसके अलावा रिन्यूएबल एनर्जी, पर्यटन, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य, जल संसाधन और माइनिंग पर सात विशेष सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञ और नीति निर्माता भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

**सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन**

प्रवासी राजस्थानी दिवस का समापन पारंपरिक राजस्थानी नृत्यों- घूमर, कालबेलियाऔर प्रसिद्ध कलाकारों की फ्यूज़न प्रस्तुति के साथ होगा, जो राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

# शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के लापता होने के पोस्टर, क्या है पूरा मामला

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के लापता होने के पोस्टर लगाए हैं। दरअसल, ये मामला नीरजा मोदी स्कूल की छात्रा के मौत प्रकरण से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज अमायरा के परिजनों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के लापता होने के पोस्टर लगाए हैं।

जयपुर में नारायण सिंह सर्किल, अल्बर्ट हॉल, ओटीएस चौराहा, शिक्षा संकुल, झालाना डूंगरी, सांगानेर सहित कई जगह पोस्टर लगाए गए है। पोस्टर देखने के बाद लोग यही कह रहे हैं कि अमायरा के परिजनों ने शिक्षा मंत्री को लेकर विरोध का अनोखा तरीका अपनाया है।

**पोस्टर में लिखा- लापता शिक्षा मंत्री**

सोशल मीडिया पर भी वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अमायरा के परिजन जयपुर शहर में पोस्टर लगाते नजर आ रहे है। पोस्टर में लिखा हुआ है कि लापता शिक्षा मंत्री... राजस्थान के सभी मां-बाप मंत्री जी की तलाश कर रहे है।

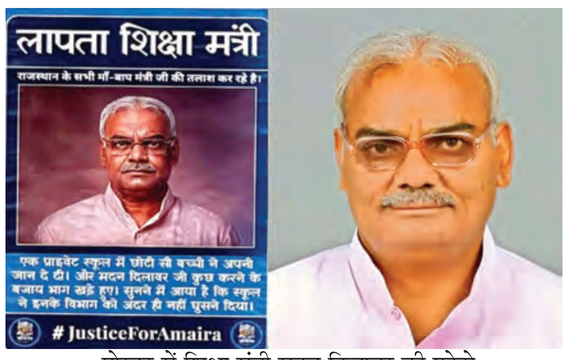


पोस्टर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की फोटो के नीचे लिखा हुआ है कि एक प्राइवेट स्कूल में छोटी सी बच्ची ने अपनी जान दे दी और मदन दिलावर जी कुछ करने के बजाय भाग खड़े हुए। सुनने में आया है कि स्कूल ने इनके विभाग को अंदर ही नहीं घुसने दिया।

जयपुर के मानसरोवर में नीरजा मोदी स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर चौथी कक्षा की छात्रा अमायरा ने 1 नवंबर को जान दे दी थी। इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। परिजन शुरुआत से ही स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगा रहे है। CBSE ने भी नीरजा मोदी स्कूल को जांच में दोषी माना था। सीबीएसई ने जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। लेकिन, अभी तक स्कूल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे बच्ची के परिजन काफी आहत है।

**ये है परिजनों की मांग**

अमायरा के माता-पिता का कहना है कि बच्ची ने कई बार बुलिंग की शिकायत की थी, लेकिन स्कूल प्रशासन उसे गंभीरता से नहीं लिया था। परिजन की मांग है कि लापरवाही बरतने वालों को सजा मिले, ताकि कोई और बच्ची अमायरा की तरह छत से कूदने को मजबूर न हो। परिजनों की मांग है कि नीरजा मोदी स्कूल की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द की जाए। स्कूल प्रशासन द्वारा घटना छिपाने, पुलिस को सूचना न देने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ के मामलों में आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाए। एनसीपीसीआर की गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई हो।

# आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित 6 अफसरों के खिलाफ एसीबी करेगी जांच, सरकार की मिली मंजूरी

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी में फिर से एक बड़ा भूचाल आ गया है। राज्य सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल सहित 6 अधिकारियों के खिलाफ जल जीवन मिशन घोटाले में 17-ए की कार्यवाही को मंजूरी दे दी है। यानी अब इन अफसरों की जांच एंटी करेप्शन ब्यूरो करेगा। पिछली सरकार के दौरान जल जीवन मिशन का घोटाला सामने आया था। इसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री महेश जोशी सहित कई लोगों को जेल भी जाना पड़ा। मामले में पहले भी सुबोध अग्रवाल का नाम चर्चाओं में आ रहा था लेकिन अब भजनलाल सरकार ने उनके सहित तत्कालीन जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग एवं विभाग के 05 अधिकारियों के खिलाफ एसीबी जांच को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री ने प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो एवं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा संचालित कार्यवाही की निरन्तरता में भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम की धारा 17-ए में विस्तृत जांच का अनुमोदन करते हुए सख्त कार्रवाई की है। निविदा कार्य से जुडे. हुए तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन समितियों में गड़बड़ी के जिम्मेदार मुख्य अभियंता से लेकर अधिशाषी

अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता सहित तकनीकी सदस्यों तथा सचिव स्तर के अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही का अनुमोदन किया गया है।

**31 दिसंबर को रिटायर होंगे सुबोध अग्रवाल**

सुबोध अग्रवाल राजस्थान के आईएएस कैडर में मौजूदा समय में सबसे सीनियर आईएएस हैं। वे 1988 बैच के आईएएस हैं। सुबोध अग्रवाल इसी साल 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे। फिलहाल में राजस्थान फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन में चेयरमैन के पद पर तैनात हैं। पिछली सरकार में पीएचईडी में अतिरिक्ति मुख्य सचिव के पद पर रहे थे।

इसके अतिरिक्त राजकीय दायित्वों के निर्वहन में गड़बड़ी करने के आरोपों में एक अन्य आई.ए.एस. अधिकारी के विरूद्ध भी अखिल भारतीय सेवाए (वर्गीकरण, अनुशासन एवं अपील) 1969 के नियम 8 के तहत नए सिरे से जांच कार्यवाही शुरू करने का अनुमोदन किया गया है। साथ ही, राजस्थान सिविल सेवाए (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, के नियम 34 के तहत 05 अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिव्यू याचिका को खारिज करते हुए पूर्व प्रदत्त दण्ड को यथावत रखने का अनुमोदन किया गया। वहीं, सीसीए-नियम 16 के तहत 02 प्रकरणों में सेवा निवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित जांच निष्कर्ष का अनुमोदन भी आगामी दण्डात्मक कार्यवाही हेतु किया गया।

# जैन नसिया परिसर में रातभर घूमता रहा पैंथर
## सीसीटीवी फुटेज सामने आते ही इलाके में दहशत

टोंक, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। टोडारायसिंह कस्बे से सटे पहाड़ी वनक्षेत्र स्थित जैन नसिया परिसर में बीती रात पैंथर की हलचल से क्षेत्रवासियों में हड़कंप मच गया। देर रात मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पैंथर बरामदे की छत और आंगन में घूमता हुआ स्पष्ट दिखाई दिया। फुटेज सामने आते ही जैन समाज समेत आसपास के निवासियों में दहशत का माहौल बन गया।

जैन नसिया परिसर के आसपास ब्राह्म माता, नारसी माता, किलेश्वर महादेव, मोड़ी छतरी महादेव सहित कई धार्मिक स्थल हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में धार्मिक स्थलों के निकट पैंथर की मौजूदगी लोगों के लिए चिंता और खतरे का कारण बन गई है। जैन समाज के सदस्यों ने बताया कि सुबह-शाम श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही रहती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने और पैंथर की मूवमेंट पर कड़ी निगरानी रखने की मांग की है।

प्रशासन ने फुटेज की पुष्टि करते हुए नागरिकों से सतर्क रहने, रात में अकेले बाहर नहीं निकलने, बच्चों पर विशेष ध्यान रखने तथा धार्मिक स्थलों पर समूह में ही जाने की सलाह दी है। वन विभाग की टीम को इलाके में पेट्रोलिंग बढ़ाने और वन्यजीव गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इधर, ग्रामीणों का कहना है कि पिछले पांच-छह महीनों से जंगल में मवेशियों की संख्या कम होने तथा कुत्तों के अचानक गायब होने जैसी घटनाएं हो रही थीं, जिससे बड़े वन्यजीव की मौजूदगी की आशंका बनी हुई थी। अब सीसीटीवी फुटेज ने इस आशंका को सही साबित कर दिया है।

# फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी 7 दिन की पुलिस रिमांड पर
## 30 करोड़ की ठगी का आरोप, पुलिस जुटाएगी सबूत

उदयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को उदयपुर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर लाया था। मंगलवार को दोनों को एसीजेएम कोर्ट-4 में पेश किया गया। जहां पुलिस ने उन्हें सात दिन पुलिस रिमांड पर रखने की मांग की और अदालत ने यह मांग मंजूर कर दी। बता दें कि पहले शिकायत मिलने के बाद उदयपुर पुलिस ने मुंबई स्थित ठिकानों पर छानबीन की और कार्रवाई के तहत दंपती को गिरफ्तार किया। दोनों को रात में उदयपुर लाया गया और जांच अधिकारी के कार्यालय में रखा गया। सुरक्षा को देखते हुए उनके न्यायिक पेशी के समय कोर्ट परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस ने बताया कि कथित धोखाधड़ी लगभग 30 करोड़ से जुड़ी है। घटना की शिकायत इंदिरा ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. अजय मर्डिया (इंदिरा आईवीएफ से जुड़ा मामला) ने दर्ज कराई है। आरोप है कि भट्ट दंपती ने फिल्म निर्माण के नाम पर बड़ी रकम ली पर न तो शूटिंग पूरी हुई और न ही रकम वापस की गई। पुलिस ने कहा कि मामले की गंभीरता और जांच में आवश्यक कागजात, बैंक ट्रांजेक्शन, अनुबंध तथा डिजिटल रिकॉर्ड की जांच के लिए भट्ट दंपती की कस्टडी जरूरी है। इसी आधार पर अदालत ने पुलिस को दोनों की सात दिन की रिमांड दी है।

# 'बाबर या औरंगजेब का नाम लेकर कोई आगे नहीं बढ़ सकता'
## भीलवाड़ा पहुंचे तोगड़िया ने बाबरी मस्जिद पर कही ये बात

भीलवाड़ा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया भीलवाड़ा दौरे पर रहे। तोगड़िया पिछले कई दिनों से राजस्थान के विभिन्न शहरों के दौरे पर हैं। वे रविवार को चितौड़गढ़ से होते हुए भीलवाड़ा के उपनगरपुर पहुंचे।

यहां बीलिया में उनका विभिन्न हिंदू संगठनों ने स्वागत किया। देर शाम वर्धमान कॉलोनी स्थित चंद्र सिंह जैन के आवास पर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। तोगड़िया ने कहा कि अब हिंदुओं के घरों में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होगा। 'ओम श्री' अभियान के जरिए हिंदुओं को सुरक्षित और सशक्त बनाने की पहल की जाएगी।

उन्होंने कहा, हनुमानजी की गदा अब देश के हिंदुओं की रक्षा करेगी। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की ओर से आयोजित

कार्यक्रम में शिरकत की। जहां कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने 1992 की घटनाओं को याद करते हुए कहा कि 33 साल पहले हिंदुओं ने 450 सालों का कलंक केवल साढ़े चार घंटे में मिटा दिया था। एक आह्वान पर आठ लाख कारसेवकों ने राम मंदिर निर्माण में अहम योगदान दिया, जो सम्मान के पात्र हैं।

डॉ. तोगड़िया ने राजस्थान में बनाए धर्मांतरण कानून की सराहना करते हुए कहा कि कई जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसे रोकने के लिए हम भी प्रयासरत हैं। चंद्र सिंह जैन ने बताया कि तोगड़िया भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद शाम को बिजौलियां जाएंगे।

प्रवीण तोगड़िया ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कार्यक्रम का कोई समर्थन नहीं किया और इससे दूरी बनाते हुए इसमें शामिल टीएमसी विधायक को पद से हटवा दिया। मीडिया से बातचीत में तोगड़िया ने विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण पर भी अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का सही तरीके से पुनर्मूल्यांकन होना जरूरी है, ताकि किसी भी बांग्लादेशी नागरिक का नाम गलती से भारतीय मतदाता सूची में शामिल न हो और किसी भारतीय नागरिक का नाम कटे नहीं।

उन्होंने कहा, यदि प्रशासन ईमानदारी से यह काम करता है तो मतदाता सूची का पुनरीक्षण बिल्कुल सही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने पर तोगड़िया ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि आज के भारत में बाबर और औरंगजेब जैसे ऐतिहासिक किरदारों का सहारा लेकर कोई कैसे आगे बढ़ सकता है।

तोगड़िया ने कहा, मुगल हुमायूं के कोई वंशज आज देश में नजर नहीं आते। कई हुमायूं आए और चले गए। महाराणा प्रताप और शिवाजी के वंशज आज सांसद और विधायक हैं। हमने मोगलों का मुकाबला किया है। बाबर या औरंगजेब का नाम लेकर कोई आगे नहीं बढ़ सकता।

# पंचायतों में एसडीएम और जिला परिषदों में कलेक्टर होंगे प्रशासक
## 11 दिसंबर से बदलेगा प्रशासनिक ढांचा

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान की ओर से आदेश जारी किए गए हैं कि जिन पंचायतों का कार्यकाल 11 दिसंबर तक पूरा हो रहा है, वहां प्रशासनिक संचालन के लिए प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे। इस व्यवस्था के तहत पंचायत समितियों में उपखंड अधिकारी यानी एसडीएम प्रशासक की जिम्मेदारी संभालेंगे।

आदेश के अनुसार, जिन पंचायत समितियों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, वहां संबंधित एसडीएम प्रशासक के रूप में कार्य करेंगे। किस पंचायत समिति में कौन-सा एसडीएम जिम्मेदारी संभालेगा, इसका निर्णय संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा।

राज्य में 21 जिला परिषदों और 222 पंचायत समितियों का कार्यकाल 9 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। सरकार ने इन सभी संस्थाओं में प्रशासक नियुक्त करने का निर्णय लिया है। जिला परिषद स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था की कमान सीधे जिला कलेक्टरों को सौंपी जाएगी।

जिन 21 जिला परिषदों में कलेक्टर प्रशासक बनाए जाएंगे, उनमें जैसलमेर, उदयपुर, बाड़मेर, अजमेर, पाली, भीलवाड़ा, राजसमंद, नागौर, बांसवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जालौर, झालावाड़, झुंझुनू, प्रतापगढ़, सीकर और टोंक शामिल हैं।

# पुलिस गाड़ी के संविदा ड्राइवर पर हमला
## सिर पर वार कर सीने पर गोली मारी, आरोपियों की तलाश में पुलिस

ब्यावर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्यावर के बिजयनगर क्षेत्र में मंगलवार तड़के पुलिस की गाड़ी के संविदा ड्राइवर पर हुए जानलेवा हमले से इलाके में सनसनी फैल गई। बदमाशों ने पहले ड्राइवर के सिर पर वार कर उसे घायल किया, फिर सामने से गोली मार दी। गोली सीने से होकर पेट में फंस गई है। गंभीर हालत में उसे अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सर्जरी की तैयारी की जा रही है।

घटना मंगलवार सुबह करीब 3:45 बजे की है। बिजयनगर निवासी सीताराम गुर्जर (31) पिछले दो साल से बिजयनगर पुलिस थाने में 112 नंबर की गाड़ी के संविदा ड्राइवर के रूप में तैनात है। वह सुबह ड्यूटी ऑफिसर (डीओ) गोपीराम को रूम पर छोड़कर थाने लौट रहा था। थाने से करीब दो किलोमीटर पहले बरल रोड पर दो संदिग्ध युवक सड़क किनारे बैठे दिखाई दिए। शक होने पर सीताराम ने गाड़ी रोककर उनसे पूछताछ शुरू की और दस्तावेज मांगे।

ड्राइवर ने बताया कि युवकों के आसपास नशीला पदार्थ पड़ा हुआ था। उसने इसकी जानकारी फोन करके डीओ को दी। जैसे ही वह फोन बंद करके पीछे मुड़ा, दोनों युवकों में से एक ने उसके सिर पर हमला कर दिया। वार इतना जोरदार था कि वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसी दौरान दूसरे युवक ने अपनी जेब से हथियार निकाला और सीने पर सीधी फायरिंग कर दी। गोली सीने को चीरते हुए पेट में जा फंसी। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

कुछ ही मिनटों में ड्यूटी ऑफिसर गोपीराम मौके पर पहुंचे और घायल सीताराम को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत उसे अजमेर के जेएलएन अस्पताल रैफर कर दिया। वहां एडिशनल एसपी ब्यावर नरेंद्र सिंह और बिजयनगर थाना अधिकारी घायल से मिलने पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

डॉक्टरों के अनुसार ड्राइवर का काफी खून बह चुका है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

# 3500 करोड़ की ठगी पर पुलिस का बड़ा एक्शन, झुंझुनूं से इन चार लोगों को किया अरेस्ट

भरतपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। 3500 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोप के कारण चर्चा में आई एक्सपीओ कंपनी से जुड़े लोगों पर राजस्थान पुलिस ने अपनी पड़ताल तेज कर दी है। इसी का तकाजा है कि क्रिप्टो करेंसी व फॉरेक्स में ऊंचा मुनाफा देने के आरोप में एक्सपीओ कंपनी के टॉप लीडरों पर भी अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इधर, भरतपुर पुलिस ने इस मामले में पांच टॉप लीडरों को वांटेड घोषित कर सभी पर 10-10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। इन पांच में से चार झुंझुनूं जिले के रहने वाले है।

**आरोपियों पर पुलिस ने रखा इनाम**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भरतपुर पुलिस द्वारा जारी की गई प्रेस रिलिज में एसपी दिगंत आनंद ने बताया कि भरतपुर जिले की पुलिस थाना मथुरागेट के एक प्रकरण में जयपुर के मुरलीपुरा स्कीम निवासी रजत शर्मा उर्फ राजेश कुमार , झुंझुनूं जिले के बख्तावरपुरा निवासी विजय मौर्य, सुजडौला के पूर्व सरपंच इसी गांव के रहने वाले सुरेंद्र बरवड़ , गुढ़ागौडज़ी के बासड़ी गांव निवासी सुरेंद्र सैनी तथा झुंझुनूं शहर के श्रीमालों का मोहल्ला निवासी ईश्वर वर्मा पर 10-10 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। इनमें से एक आरोपी बीते समय में भाजपा एससी मोर्चा का जिलाध्यक्ष भी रह चुका है।

# 'गोरा-बादल' कविता के रचनाकार पं. नरेंद्र मिश्र का निधन
## वंदेमातरम पर लिखी आखिरी 4 पंक्तियां; साहित्य जगत में शोक की लहर

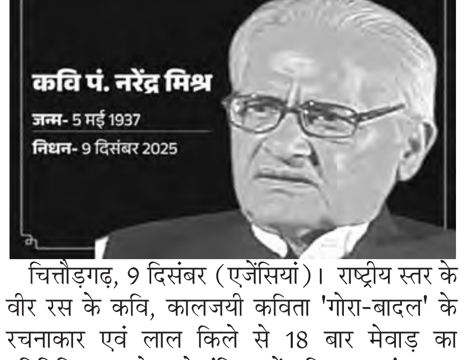


चित्तौड़गढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्तर के वीर रस के कवि, कालजयी कविता 'गोरा-बादल' के रचनाकार एवं लाल किले से 18 बार मेवाड़ का प्रतिनिधित्व करने वाले पंडित नरेंद्र मिश्र का मंगलवार को निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे और काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एक निजी चिकित्सालय ले गए। यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई। पंडित नरेंद्र मिश्र के रिश्तेदार डॉ नटवर शर्मा ने बताया कि पंडित मिश्र का जन्म 5 मई, 1937 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा गांव में हुआ था। बचपन से ही मेवाड़ से लगाव के कारण उन्होंने अपना गांव छोड़कर चित्तौड़गढ़ आ गए थे। मात्र 10 वीं कक्षा में पढ़ते हुए ही उन्होंने 'गोरा-बादल' जैसी ऐतिहासिक कविता की रचना कर डाली। उनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाओं में हुमायूं की राखी, जौहर की ज्वाला अविनाशी, पन्नाधाय, हाड़ी रानी और महाराणा प्रताप पर कवि का पत्र शामिल हैं। उन्होंने कई विश्वविद्यालयों के कुलगीत भी लिखे। मिश्र ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का कुलगीत भी लिखा था।

बिना आवेदन किए मिले कई सम्मान मिले: डॉ शर्मा ने बताया कि साहित्यिक सेवाओं के लिए उन्हें अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें महाराणा कुंभा सम्मान, निराला सम्मान, तांत्या टोपे सम्मान, दीन दयाल उपाध्याय साहित्य पुरस्कार तथा राजस्थान सात्यिक अकादमी का दो बार विशिष्ट साहित्यकार सम्मान शामिल हैं।

# कमांड कंट्रोल सेंटर से डीजीपी ग्लोबल समिट सुरक्षा तैयारियों की निगरानी की

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के मीर खान पेट क्षेत्र में हो रहे प्रतिष्ठित ग्लोबल समिट के लिए की जा रही सुरक्षा तैयारियों की निगरानी राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को कमांड कंट्रोल सेंटर से की। ग्लोबल समिट के लिए

कार्यक्रम स्थल मीर खान पेट में एक विशेष कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। डीजीपी ने इसे शांति एवं सुरक्षा के अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भगवत के साथ मिलकर निरीक्षण किया। उन्होंने समिट स्थल और इसके आसपास के क्षेत्रों में लागू सुरक्षा व्यवस्था का भी बारीकी से अवलोकन किया।

इसमें समिट क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही और ट्रैफिक नियंत्रण को सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से देखा गया। इस सुरक्षा व्यवस्था में लगभग 6,000 से अधिक पुलिस कर्मी शामिल हैं, जिनके कामकाज और जिम्मेदारियों की डीजीपी ने समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक अधिकारी और पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत, हाल ही में ग्रुप-1 परीक्षा के माध्यम से डीएसपी के रूप में नियुक्त 112 प्रशिक्षु डीएसपी को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इनमें से 30 को देश-विदेश से आए प्रमुख प्रतिनिधियों के लिए लायजन अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया गया, जबकि बाकी को ग्लोबल समिट स्थल के विभिन्न महत्वपूर्ण पोस्टों पर तैनात किया गया। ये युवा डीएसपी प्रमुख अतिथियों के लिए लायजन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हाल ही में तेलंगाना राज्य में तैनात चार नए आईपीएस अधिकारियों को भी इस सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इस सुरक्षा तैयारी में तीन अतिरिक्त डीजीपी, पांच आईजीपी और दस आईपीएस अधिकारी उच्च स्तरीय पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सभी अधिकारी समिट स्थल पर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं।

# सूर्या ब्रिगेड ने साउथ अफ्रीका को 101 रनों से हराया

## * हार्दिक बैटिंग और बॉलिंग दोनों में चमके

कटक, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। कटक के बाराबती स्टेडियम में मंगलवार को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 101 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल की. ये टी20 सीरीज दो महीने बाद शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम है. इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था. भारत ने साउथ अफ्रीका के सामने 176 रनों का लक्ष्य रखा था. हार्दिक पंड्या ने नाबाद 59 रनों की पारी खेली थी. लेकिन इसके जवाब में उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 13वें ओवर में ही 74 के स्कोर पर ढेर हो गई।

हार्दिक पंड्या

रन 59 | गेंद 28 | स्ट्राइक रेट 210.71 | 4/6 : 6/4

176 के जवाब में उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ओवर की दूसरी ही गेंद पर अर्शदीप ने क्विंटन डिकॉक को चलता किया. डिकॉक खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद तीसरे ओवर में अर्शदीप ने स्टब्स को भी चलता किया. स्टब्स के खाते में 14 रन आए. छठे ओवर की पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल ने कप्तान एडेन मार्करम को आउट कर दिया. मार्करम 14 रन बना सके. सातवां ओवर लेकर हार्दिक पंड्या आए. उन्होंने अपनी पहली ही गेंद पर मिलर को आउट कर दिया. यानी 50 रनों के भीतर ही अफ्रीका को चौथा झटका लगा. इसके बाद 8वें ओवर में वरुण ने साउथ अफ्रीका को 5वां झटका दिया।

इसके बाद 10वें ओवर में वरुण ने जानसेन को भी बोल्ड कर दिया और साउथ अफ्रीका को छठा झटका दिया. जानसेन ने 12 रन बनाए. 11वें ओवर में बुमराह ने ब्रेविस को आउट किया. इस विकेट के साथ ही बुमराह के टी20 करियर में 100 विकेट भी पूरे हो गए. इसी ओवर में बुमराह ने केशव महाराज का भी विकेट झटका. 12वें ओवर में अक्षर ने साउथ अफ्रीका को 9वां झटका दिया. इसके बाद अगले ही ओवर में शिवम दुबे ने साउथ अफ्रीका को 74 पर ढेर कर दिया।


**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in

**ई-निविदा सूचना संख्या डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/41/2025, दि.05-12-2025**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिए, हरेक के सामने उल्लिखित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः 01 निविदा संख्याः** ई-37- मध्य-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः** एसडब्ल्यू-I) **विजयवाडा डिवीजनः**जीडीआर-बीजेडए & बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः (I) कुल लंबाई 27.862 किमी हेतु 1660/किमी घनत्व के पीएससी स्लीपर्स पर इएक्सजी.60किग्रा./90 यूटीएस रेल्स का टीआरआर (पी) कार्य। (II) कुल ट्रैक लंबाई 2.656 किमी हेतु 1660 घनत्व के चौडी या वाइडर स्लीपर्स पर 60 किग्रा. आर260 रेल्स का सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-II) विजयवाडा डिवीजनःजीडीआर-बीजेडए & बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः पीएससी5/पीएससी6(एसएच) स्लीपर्स पर 1540/1660/किमी घनत्व सहित नई 60किग्रा./आर260 रेल्स का नई चौडी या वाइडर स्लीपर्स 1660 नंबर्स/किमी पर ईक्सजी.52किग्रा/90यूटीएस & 60 किग्रा/90 यूटीएस (एसएच) का सीटीआर(पी) कार्य के साथ रिकूपमेंट तथा 35 सें.मी. तक बल्लास्ट कुशन की वृध्दि एवम् पैसेंजर रन्निंग लूप लाइन्स पर कुल लंबाई 3.482 किमी हेतु बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग करना। निविदा मूल्य रु.3,21,66,284.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,10,800.00 कार्य पूरा** करने की अवधिः 12 (बारह महिने) **बंद करने की तिथिः** 26-12-2025

**क्रम संख्याः02 निविदा संख्याः** ई-45-पूर्व-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः** एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिविजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में टीएनकेयु, एकेवीडी, पीकेओ गूड्स शेड्स पर शेष बचे सुविधाओं हेतु प्रस्तावः एसडब्ल्यू-I) एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में एकेवीडी पर लदान या लोडिंग/अलदान या अनलोडिंग प्लेटफार्म का विस्तार करना। एसडब्ल्यू-II) एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में एकेवीडी स्टेशन पर बाउण्डरी के भीतर पौधारोपण या प्लांटेशन सहित गूड्स शेड क्षेत्र के चारों तरफ गेट्स के साथ बाउण्डरी वाल का प्रावधान। एसडब्ल्यू-III) एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में एकेवीडी स्टेशन पर गूड्स पीएफ के चहुं ओर ड्रैनेज सुविधा का प्रावधान। एसडब्ल्यू- IV) - एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में पीकेओ पर लोडिंग/अनलोडिंग पीएफ का विस्तार करना। एसडब्ल्यू-V) एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में पीकेओ स्टेशन पर बाउण्डरी के भीतर पौधारोपण या प्लांटेशन सहित गूड्स शेड क्षेत्र के चारों तरफ गेट्स सहित बाउण्डरी वाल का प्रावधान। एसडब्ल्यू-VI) एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में टीएनकेयु पर गूड्स पीएफ के चारों तरफ ड्रैनेज सुविधा का प्रावधान। **निविदा मूल्य रु.8,59,19,881.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.**5,79,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने) **बंद करने की तिथिः 30-12-2025**

1.निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य संपूर्ण की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मापदंड आदि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।
2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in **देखें।**
3. निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, द.म. रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है तथा इसे विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिविजनल आफिसों में भी देख सकते है।
4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

**विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा**

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

**क्रम संख्या :01 एनआयटी नं.**सी/इ.29/टीआरडी/एससी/54/2025-26 कार्य विवरणः टेंडर नं.सी/इ.29/ टीआरडी/ एससी/54/ 2025-26 दि.25-11-2025 एससी डिवीजनः एससी-डब्ल्यूडी सेक्शनः मलखेड रोड स्टेशन से प्रस्थान (टेकिंग आफ) से जुडे राजश्री सीमेंट कार्यो आरसी-I, II,III का प्रस्तावित अगमेंटेशन या वृध्दि कार्य सहित यार्ड का परिवर्तन कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.97,35,221.90 कार्य पूरा** करने की अवधिः120 दिन बंद करने की तिथिः02-01-2026 के 15.00 बजे

**क्रम संख्या :01 एनआयटी नं.**सी/इ.29/टीआरडी/एससी/54/2025-26 कार्य विवरणः टेंडर नं.सी/इ.29/ टीआरडी/ 1. बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. निविदाकारों को, केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग लेना चाहिए तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
3. आईआरईपीएस वेबसाइट http://ireps.gov.in के निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, इसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसके किसी भी परिवर्तनों, यदि कोई हो तो, का अवलोकन किया जा सकता है।
4. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स के माध्यम से ही निविदा प्रपत्र मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि को जमा करें।
5. निविदा सूचना को एसआर. डीइ/टीआरडी का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर रखे हुए नोटिस बोर्ड भी दर्शाया गया है, इसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।
6. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
7. सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।
8. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र को (केवल आनलाइन पर जारी) निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

**वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद**

ए1978

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें


# ग्राम पंचायत चुनाव में प्रतीकों की बढ़ी मांग

## उम्मीदवारों ने अंगूठी, कैंची, बैट और गैस सिलेंडर मंगवाए

संगारेड्डी, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत चुनाव प्रचार अपने चरम पर है और कस्बों के व्यापारियों ने सरपंच और वार्ड सदस्य उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रतीकों की भारी मांग देखी है। राज्य चुनाव आयोग ने सरपंच उम्मीदवारों के लिए 30 और वार्ड सदस्य उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतीक चिन्ह आवंटित किए हैं, जिनमें दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएँ शामिल हैं।

सरपंच उम्मीदवार अंगूठियाँ, कैंची, क्रिकेट बैट, फुटबॉल, लेडीज़ पर्स और टीवी रिमोट मँगवा रहे हैं। वार्ड सदस्य पद के उम्मीदवारों ने फ्रॉक, मॉडल गैस स्टोव और गैस सिलेंडर की प्रतिकृतियाँ मँगवाई हैं। कुछ उम्मीदवार हर मतदाता को उपहार बाँट रहे हैं, ताकि चुनाव चिन्ह याद रहे। संगारेड्डी के खिलौना विक्रेता पी. सुरेश ने बताया कि पिछले हफ्ते क्रिकेट बैट और फुटबॉल का स्टॉक बिक गया।

बैट वाले उम्मीदवार गाँवों में युवा टीमों को क्रिकेट किट बाँट रहे हैं। फुटबॉल और टीवी रिमोट की भी दुकानों में भारी माँग है। गैस सिलेंडर वाले उम्मीदवार प्रतिकृतियाँ लेकर गाँवों में घूम रहे हैं।

# आदिलाबाद क्षेत्र में तापमान में भारी गिरावट

**गिन्नधारी में 6.1 डिग्री, लोगों ने अलाव जलाकर काटी ठंड**

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में मंगलवार को न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे सुबह 9 बजे तक लोग घरों में ही ठिठुरते रहे। तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, कुमराम भीम आसिफाबाद के तिरयानी मंडल के गिन्नधारी गांव में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस और आदिलाबाद जिले के भीमपुर मंडल के अर्ली (टी) गांव में 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं निर्मल जिले के पेम्बी मंडल केंद्र और मंचेरियल जिले के कोटापल्ली मंडल के देवुलावाड़ा गांव में क्रमशः 8.3 और 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। अचानक ठंड बढ़ने से बुजुर्ग और बच्चे विशेष रूप से प्रभावित हुए और लोग ऊनी कपड़ों व अलाव की मदद से खुद को गर्म रखने की कोशिश करते रहे।

# स्थानीय निकाय चुनाव से पहले उम्मीदवारों को मिल रही धमकियाँ

## आसिफाबाद में ट्रांसजेंडर उम्मीदवार साधना ने की सुरक्षा की मांग

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले कई उम्मीदवारों को अज्ञात व्यक्तियों से धमकियाँ मिलने की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं, जिससे कुछ लोग चुनाव लड़ने से पीछे हटने पर मजबूर हो रहे हैं। ताज़ा मामला जैनूर मंडल के मरलावई गाँव का है, जहाँ ट्रांसजेंडर उम्मीदवार साधना को प्रतिद्वंद्वी द्वारा चुनाव न छोड़ने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इससे पहले भी उन्हें नामांकन वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया था। साधना ने सोमवार को कलेक्टर वेंकटेश दोथरे और

एसपी नितिका पंत को शिकायत देकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और सुरक्षा की माँग की। उन्होंने बताया कि उनके पोस्टर फाड़े जा रहे हैं और उन्हें धमकी भरे कॉल आ रहे हैं, साथ ही जैनूर एसआई द्वारा बदसलूकी का आरोप भी लगाया। एक अन्य मामले में, रानावेल्ली पंचायत से उम्मीदवार जदी दर्शना के रिश्तेदार को एक पत्र के माध्यम से नामांकन वापस लेने की धमकी दी गई और चेतावनी न मानने पर गोली मारने की धमकी दी गई। वहीं, बेज्जुर मंडल के मर्थिडी गाँव में अज्ञात लोगों ने बीआरएस उम्मीदवार धरावथ महेश की दो एकड़ धान की फसल में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने कहा कि जिले की राजनीति में ऐसी घटनाएँ पहले कभी नहीं देखी गईं और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

# ऑटो रिक्शा चालक ने किया रेप

अमरावती, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक नाबालिग दलित लड़की को स्थानांतरित करने में मदद करने के बहाने एक ऑटोरिक्शा चालक ने उसे अपने घर ले जाकर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। यह घटना 3 दिसंबर को हुई जब लड़की एक हॉस्टल से दूसरे हॉस्टल जा रही थी और उसने उस ड्राइवर से मदद मांगी जिससे वह पहले मिली थी।

ड्राइवर की पहचान साई कुमार के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'कुमार ने नाबालिग दलित लड़की को मदद करने के बहाने घर बुलाया और फिर उसके साथ बलात्कार किया।' लड़की ने अपने दोस्तों की मदद से पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने कहा कि कुमार फरार है और उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया है, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।


**पूर्व तट रेलवे**

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-48-2025 दिनांक: 02.12.2025

**कार्य का नाम :** वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर सिंगापुर रोड - थेरुबाली के बीच कि.मी. 330/20-22 में अनधिकृत प्रवेश स्थान पर सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

**कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 4,24,49,610.64, EMD : ₹ 3,62,300/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-49-2025 दिनांक: 02.12.2025

**कार्य का नाम :** वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता (उत्तर)/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV एवं KR लाइन में रायगड़ा, बोब्बिलि एवं लक्ष्मीपुर रोड पर ट्रैक वुमन (Track Women) विश्राम कक्ष का निर्माण।

**कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 56,29,690.08, EMD : ₹ 1,12,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 (छह) महीने।

**निविदा बंद होने की तिथि व समय :** 26.12.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-880/Q/25-26


# इलेक्ट्रॉन क्विज़ का रीजनल राउंड आयोजित

हैदराबाद, 9 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज़ का रीजनल राउंड (साउथ) आज हैदराबाद में एसआरएचक्यू, एनटीपीसी लिमिटेड की देखरेख में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दक्षिणी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों ने भाग लिया, जो युवाओं के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और ज्ञान-आधारित जुड़ाव को बढ़ावा देने के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। प्रतियोगिता के लिए कुल 259 टीमों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसका संचालन क्विज़मास्टर गौतम बोस ने किया, जो ग्रेसेल्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। प्रतिभागियों को बौद्धिक रूप से उत्तेजक राउंड में शामिल किया गया, जिन्हें उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता, करेंट अफेयर्स के ज्ञान और वैज्ञानिक जागरूकता का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

शुरुआत में, एस.एन. पाणिग्रही, सीजीएम ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और राष्ट्र निर्माण, सतत विकास और इलेक्ट्रॉन क्विज़ जैसी ज्ञान-संचालित पहलों के माध्यम से युवा पीढ़ी के विकास में एनटीपीसी के निरंतर योगदान पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में एक प्रारंभिक लिखित राउंड शामिल था, जिसमें से शीर्ष छह टीमें ग्रैंड फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई हुईं।

एक गहन और कड़ी टक्कर वाले फ़ाइनल में, निज़ाम कॉलेज, हैदराबाद विजेता के रूप में उभरा, उसके बाद आईआईटी कानपुर रनर-अप रहा, जबकि विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता टीम को 60000/- रुपये, रनर-अप को 40000/- रुपये और दूसरे रनर-अप को 20000/- रुपये के पुरस्कार मिले। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली प्रत्येक टीम को 8000/- रुपये का पुरस्कार मिला।

शीर्ष दो टीमें निज़ाम कॉलेज और आईआईटी कानपुर अब नई दिल्ली में होने वाले नेशनल सेमी-फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई कर गई हैं, जहाँ वे देश भर के अन्य प्रमुख संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

# अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन भारत मंडपम में

## हर मास-एक उपवास का महाभियान आरंभ होगा

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। योग और उपवास के दो शिरोमणी संत योग ऋषि स्वामी रामदेव और जैन संत आचार्य प्रसन्न सागर के मार्गदर्शन में दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन होने जा रहा है। जनमंगल की सम्यग्दृष्टि : उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन पर केंद्रित होगा।

12-13 दिसम्बर को इस सम्मेलन में हर मास-एक उपवास महाभियान के शुभारंभ पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली के केबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं कपिल मिश्रा, सांसद सुधांशु त्रिवेदी, योगेन्द्र चांदोलिया, पत्रकार रजत शर्मा, लीवर विशेषज्ञ डा. एस. के. सरीन, भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एन. पी. सिंह, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. अनुराग वार्ष्णेय गरिमा प्रदान कर संबोधन देंगे। बागेश्वर सरकार धीरेन्द्र शास्त्री डिजिटल संबोधन देंगे वहीं आचार्य बालकृष्ण महाराज, गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज और महंत बालकनाथ योगी महाराज का भी पावन सानिध्य मिलेगा। दुनिया के जनमंगल हेतु योग ऋषि स्वामी रामदेव के अखंड-प्रचंड पुरुषार्थ से योग पूरी दुनिया में हरिद्वार से हर द्वार तक पहुंचा और मानवता को वरदान मिला।

ठीक उसी प्रकार आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने 557 दिवस तक निरंतर उपवास करके (और अब तक 3500 से अधिक उपवास करके) उपवास साधना शिरोमणी की प्रतिष्ठा प्राप्त की है। अब दोनों युग-पुरुषों ने जनमंगल के लिए हर मास-एक उपवास का महाभियान आरंभ करने का निर्णय लिया है ताकि समस्त सिद्धिदायक उपवास महामंत्र से मानवता का कल्याण हो।

# 16 पृष्ठ का शेष भाग

यह लगभग 3000 रोज़गार के साथ जीसीसी प्रोजेक्ट लॉन्च को फॉर्मलाइज़ करेगी। तेलंगाना में 50 एमडब्ल्यू डीसी बनाने के लिए 8-10 एकड़ ज़मीन देने का प्रपोज़ल है।

**हेटेरो ग्रुपः** कंपनी अब तेलंगाना में बड़े पैमाने पर फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन फैसिलिटी बनाने का प्रपोज़ल देती है, जिससे घरेलू और ग्लोबल मार्केट के लिए हाई-क्वालिटी फॉर्मूलेशन में राज्य की मैन्युफैक्चरिंग कैपेबिलिटी बढ़ेगी। इसने Rs.1,800 करोड़ के इन्वेस्टमेंट का प्रपोज़ल दिया है और 100 एकड़ ज़मीन की रिक्वेस्ट की है, जिससे अगले दो सालों में राज्य में 9,000 से ज़्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट नौकरियाँ पैदा होंगी।

**भारत बायोटेकः** कंपनी अब तेलंगाना में एक स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइज़ेशन फैसिलिटी बनाने का प्रपोज़ल दे रही है। प्रपोज़्ड इन्वेस्टमेंट Rs.1,000 करोड़ है, जिससे अगले 3 से 4 सालों में 200 से ज़्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट नौकरियाँ पैदा होंगी।

**अरबिंदो फार्माः** कंपनी अब तेलंगाना में कॉम्प्लेक्स जेनेरिक्स, इंजेक्टेबल्स, ओरल सॉलिड फ़ॉर्मूलेशन्स, बायोसिमिलर्स और बायोलॉजिक्स में अपनी कैपेबिलिटीज़ को बढ़ाने और डेवलप करने का प्रपोज़ल दे रही है।

प्रपोज़्ड इन्वेस्टमेंट 2,000 करोड़ का है, जिससे अगले 2-3 सालों में 3,000 से ज़्यादा डायरेक्ट और इनडायरेक्ट नौकरियाँ पैदा होंगी।

**ग्रैन्यूल्स इंडिया :** कंपनी अब पेप्टाइड्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए एडवांस्ड फैसिलिटी बनाने का प्रस्ताव रखती है, साथ ही ऑन्कोलॉजी प्रोडक्ट्स के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ) भी बनाने का प्रस्ताव रखा है।

# प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

## 10 बड़े एयरपोर्ट...

ये अफसर डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के हैं। 10 बड़े एयरपोर्ट में मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे, गुवाहाटी, गोवा और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। वहीं, इंडिगो की फ़्लाइट कैंसिल होने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी है। सुबह10.30 बजे तक बेंगलुरु और हैदराबाद से 180+ फ़्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं।

## राहुल गांधी ने ...

इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा कि आप चुनाव सुधार पर ही बोलिए, किसी संगठन का नाम मत लीजिए। राहुल के बायन पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सभी लोग नेता प्रतिपक्ष को सुनने के लिए ही बैठे हैं। अगर वह विषय पर ही नहीं बोलेंगे, तो क्यों समय खराब कर रहे हैं सबका।

**चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल**

सत्ता पक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा किया गया है। सीबीआई, ईडी पर भी एक संस्था से जुड़े लोगों ने कब्जा किया गया है। तीसरी संस्था चुनाव आयोग पर भी एक संस्था का कब्जा है, जो देश में चुनाव को नियंत्रित करती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। सीजेआई को सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया से हटाया गया। एक तरफ पीएम मोदी और अमित शाह बैठे थे और दूसरी तरफ मैं। किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। दिसंबर 2023 में नियम बदल यह प्रावधान किया कि किसी भी चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया। सीसीटीवी और डेटा को लेकर नियम बदले गए। सत्ता के साथ चुनाव आयोग का तालमेल है। यह डेटा का सवाल नहीं, चुनाव का सवाल है। हरियाणा की वोटर लिस्ट में एक ब्राजीलियन महिला की फोटो 22 बार छपी।

**राहुल ने लगाया वोट चोरी का आरोप**

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग को कंट्रोल करने का क्या मतलब है? वह तस्वीरें यहां नहीं दिखाना चाहता, लेकिन यह चुनाव की चोरी का सवाल है। चुनाव आयोग को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट में एक लाख 22 हजार डुप्लीकेट फोटो छपी हैं। हमने हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी साबित की है। चुनाव सुधार जरूरी हैं। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट सभी राजनीतिक दलों को चुनाव से एक महीने पहले दी जानी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज डिस्ट्रॉय करने का नियम भी बदला जाना चाहिए। वोट चोरी देशद्रोह...हम महान लोकतंत्र हैं। सरकार चुनाव सुधार नहीं चाहती है।


स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# कोहली 2025 में भारत के टॉप वनडे स्कोररः टेस्ट में शुभमन, टी-20 में अभिषेक ने सबसे ज्यादा रन बनाए; कुलदीप गेंदबाजों में नंबर-1

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया की 2025 में आखिरी क्रिकेट सीरीज आज से शुरू होने जा रही है। टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल की आखिरी सीरीज खेलने के बाद टीम अब इसी टीम के खिलाफ टी-20 में भी आखिरी सीरीज खेलेगी। सीरीज 19 दिसंबर तक चलेगी।

2025 में शुभमन गिल ने भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए। वहीं विराट कोहली वनडे के टॉप स्कोरर रहे। गेंदबाजों में कुलदीप ने तीनों फॉर्मेट में देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट निकाले। अब टी-20 सीरीज में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती के पास देश के टॉप प्लेयर बनकर साल खत्म करने का मौका है।

**वनडे में कोहली टॉप स्कोरर**

भारत के लिए टेस्ट और टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली ने इस साल वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाए। साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी सीरीज में वे प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में उन्होंने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 अहम पारियां भी खेलीं।

कोहली ने दूसरे नंबर पर मौजूद रोहित शर्मा से महज 1 रन ज्यादा बनाया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे में रोहित ने 75 रन बनाए। जबकि कोहली ने 65 रन बनाकर उन्हें पीछे छोड़ दिया। वनडे में ओवरऑल इंग्लैंड के जो रूट ने सबसे ज्यादा 808 रन बनाए। कोहली दुनिया में 8वें नंबर पर रहे।

**टेस्ट में गिल ने सबसे ज्यादा रन बनाए**

टेस्ट क्रिकेट में भारत ने इस साल 10 मुकाबले खेले। कप्तान शुभमन गिल इनमें से 9 का ही हिस्सा बन सके। इनमें भी एक में इंजरी के कारण वे पूरी बैटिंग नहीं कर सके। 8 टेस्ट की 16 पारियों में ही उन्होंने 70.21 की औसत से 983 रन बना दिए। इनमें उनके नाम 5 सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल रही। इंग्लैंड में तो वे प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे।

टेस्ट में शुभमन के बाद केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत बाकी टॉप स्कोरर रहे। दुनिया के टॉप-5 स्कोरर में 4 भारत के ही हैं। इंग्लैंड के जो रूट 8 मैचों में 732 रन बनाकर पांचवें नंबर पर हैं। उन्हें 2 मैच और खेलने हैं, वे 251 रन बनाकर गिल को पीछे छोड़ सकते हैं।

**टी-20 में अभिषेक टॉप पर**

भारत ने इस साल 17 टी-20 इंटरनेशनल खेले, सभी में अभिषेक शर्मा प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे। उन्होंने इनमें 196.36 के स्ट्राइक रेट से 756 रन बना दिए। उनका प्रदर्शन इतना दमदार रहा कि टीम के सेकेंड बेस्ट स्कोरर तिलक वर्मा उनसे 376 रन दूर रहे। अभिषेक ने इस साल 1 शतक के साथ 5 फिफ्टी भी लगाईं। वे एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुने गए थे।

अभिषेक के पास साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 टी-20 में 244 रन बनाकर साल में 1000 रन बनाने का मौका है। भारत के लिए अब तक सूर्यकुमार यादव ही एक साल में 1000 से ज्यादा टी-20 रन बना पाए हैं। उन्होंने 2022 में 1164 रन बनाए थे। दुनिया में ऐसा अब तक 5 ही खिलाड़ी कर सके। टॉप-10 देशों में इस साल बांग्लादेश के तंजिद हसन 775 और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 771 रन बनाकर टॉप-2 पोजिशन पर हैं। अभिषेक 20 रन बनाकर दोनों को पीछे छोड़ सकते हैं।

**तीनों फॉर्मेट मिलाकर गिल सबसे आगे**

टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उनके नाम 32 मुकाबलों में 1732 रन रहे। इनमें 7 सेंचुरी और 3 फिफ्टी शामिल रहीं। शुभमन ने 2025 को पूरी तरह डोमिनेट किया। उनके बाद भारत के दूसरे टॉप स्कोरर केएल राहुल रहे, जिन्होंने गिल से 552 रन कम बनाए।

शुभमन अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के 5 मुकाबले भी खेलते नजर आएंगे। इनमें 268 रन बनाकर वे साल में अपने 2000 रन पूरे कर सकते हैं। शुभमन ने 2019 में डेब्यू कर लिया था, लेकिन किसी भी साल वे 2000 रन नहीं बना सके। वे 2025 में यह कारनामा कर सकते हैं।

दुनिया में इस साल गिल के बाद सबसे ज्यादा सबसे ज्यादा रन वेस्टइंडीज के शाई होप ने बनाए। उनके नाम 1701 रन हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट और खेलने हैं, वहीं गिल 5 टी-20 खेलेंगे। दोनों में साल का टॉप स्कोरर बनने की जंग है।

**कुलदीप ने सबसे ज्यादा विकेट लिए**

2025 में भारत के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर सबसे ज्यादा विकेट लेफ्ट आर्म स्पिनर कुलदीप यादव ने लिए। उनके नाम महज 24 मुकाबलों में 58 विकेट रहे। वे अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी 5 टी-20 खेलते नजर आएंगे। यानी उनके पास अपनी लीड को 70 विकेट के पार ले जाने का मौका भी रहेगा। कुलदीप के बाद मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह टीम के टॉप विकेट टेकर रहे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड के जैकब डफी ने सबसे ज्यादा 66 विकेट लिए हैं। कुलदीप टॉप पर पहुंच तो सकते हैं, लेकिन उनका टॉप पर फिनिश कर पाना मुश्किल हैं। क्योंकि न्यूजीलैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी साल 2 टेस्ट और खेलने हैं।

**टेस्ट में मोहम्मद सिराज टॉप पर**

टेस्ट क्रिकेट में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भारत के टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने महज 10 मुकाबलों में 43 विकेट झटक लिए। इनमें 2 बार पारी में 5-विकेट लेने का कारनामा भी शामिल रहा। इंग्लैंड में उनकी गेंदबाजी के दम पर ही भारत सीरीज को 2-2 से ड्रॉ करा पाया। हालांकि, टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें वनडे और टी-20 टीम में ज्यादा मौके नहीं मिल सके।

टेस्ट में इस साल सिराज से ज्यादा विकेट ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने ही लिए। वे 9 मुकाबलों में 47 विकेट ले चुके हैं, उन्हें 2 टेस्ट और खेलने हैं। ऐसे में वे सिराज से बहुत ज्यादा आगे निकल सकते हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी 42 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

**टी-20 में वरुण ने सबसे ज्यादा विकेट लिए**

टी-20 इंटरनेशनल में राइट आर्म स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भारत के टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने महज 16 मुकाबलों में 26 विकेट झटक लिए। इनमें एक बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल रहा। कुलदीप यादव महज 9 मुकाबलों में 19 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ दोनों प्लेयर्स के पास साल का टॉप विकेट टेकर बनने का मौका है।

टॉप देशों में इस साल पाकिस्तान के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने सबसे ज्यादा 36 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के जैकब डफी 35 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वरुण सीरीज में 11 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच सकते हैं।

वनडे में हर्षित राणा नंबर-1

वनडे फॉर्मेट में तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने भारत के लिए इस साल सबसे ज्यादा विकेट लिए। वे 11 ही मुकाबलों में 20 विकेट ले चुके हैं। कुलदीप यादव 19 विकेट के साथ नंबर-2 पर रहे। कुलदीप ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी सीरीज में 9 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। वनडे में ओवरऑल न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 31 विकेट लिए। इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल रशीद 30 विकेट के साथ नंबर-2 पर रहे।

## आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट

### ग्रीन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान पहले सेट में शामिल;16 दिसंबर को अबूधाबी में ऑक्शन

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन से पहले बीसीसीआई ने 350 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। 10 टीमों में 77 प्लेयर्स की जगह खाली है। इनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं।

इसके लिए 1,355 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। ऑक्शन 16 दिसंबर मंगलवार को यूएई समयानुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समय 2:30 बजे) से शुरू होगा।

**डिकॉक को भी किया गया शामिल, पहली सूची में नाम नहीं था**

क्विंटन डिकॉक का भी नाम शॉर्टलिस्ट की गई सूची में शामिल किया गया है। पहले शुरुआती सूची में उनका नाम नहीं था। लेकिन एक फ्रेंचाइजी की सिफारिश के बाद उनका नाम शामिल किया गया। हाल ही में उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास वापस लेकर भारत के खिलाफ विशाखापट्टनम में शतक जड़ा था। 33 साल के डिकॉक का बेस प्राइस इस बार 1 करोड़ रुपए रखा गया है। पिछले मेगा ऑक्शन में उन्हें 2 करोड़ में केकेआर ने खरीदा था, लेकिन इस बार उन्हें रिलीज कर दिया।

वहीं, 350 खिलाड़ियों में 40 खिलाड़ी का बेस प्राइज 2 करोड़ है। जिसमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सिर्फ दो भारतीय हैं।

**ऑक्शन की शुरुआत कैप्ड खिलाड़ियों से होगी**

ऑक्शन की शुरुआत कैप्ड खिलाड़ियों से होगी। जिन्हें पांच कैटेगरी में बांटा गया है। इसमें बल्लेबाज, ऑलराउंडर, विकेटकीपर-बैटर, तेज गेंदबाज और स्पिनर शामिल हैं। इनके बाद इन्हीं कैटेगरी के अनकैप्ड खिलाड़ियों की बारी आएगी।

**पहली स्लॉट के बड़े नाम**

पहला बैच (बीए1) बल्लेबाजों का होगा, जिसकी अगुवाई कैमरन ग्रीन करेंगे। इसके अलावा डेवोन कॉन्वे, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, सरफराज खान, पृथ्वी शॉ और डेविड मिलर शामिल हैं। दूसरा बैच (एएल1) ऑलराउंडर्स का होगा, जिसमें वेंकटेश अय्यर को रखा गया है।

**एक्सीलरेटेड राउंड**

70वें खिलाड़ी (अफगानिस्तान के वहीदुल्लाह ज़दरान) के बाद एक्सीलरेटेड फेज शुरू होगा। इसके बाद 71 से 350 तक सभी खिलाड़ी जल्दी-जल्दी आएंगे। फिर फ्रैंचाइज़ी उन खिलाड़ियों के नाम देंगी जिन्हें वे फिर से नीलामी में लाना चाहते हैं।

**ओवरसीज खिलाड़ी**

अरब गुल (अफगानिस्तान), माइल्स हैमंड (इंग्लैंड), डैन लेटगन (इंग्लैंड), क्विंटन डिकॉक (साउथ अफ्रीका), कॉनर एजथरह्यूज़न (साउथ अफ्रीका), जॉर्ज लिंडे (साउथ अफ्रीका), बयांडा मजोला (साउथ अफ्रीका), ट्रेवीन मैथ्यू (श्रीलंका), बिनुरा फर्नांडो (श्रीलंका), कुशल परेरा (श्रीलंका), दुनिथ वेलालागे (श्रीलंका), अकीम ऑगस्टे (वेस्टइंडीज)

**भारतीय खिलाड़ी**

सादेक हुसैन, विष्णु सोलंकी, साबिर खान, बृजेश शर्मा, कनिष्क चौहान, आरोन जॉर्ज, जिक्कू ब्राइट, श्रीहरि नायर, माधव बजाज, श्रीवत्स अचार्य, यशराज पुंजा, साहिल पराख, रोशन वाघसरे, यश दिचोलकर, अयाज़ खान, धुर्मिल मटकर, नमन पुष्पक, परिक्षित वलसंगकर, पुरव अग्रवाल, ऋषभ चौहान, सागर सोलंकी, इजज सावरिया, अमन शेखावत।

## प्रज्ञानानंद ने फिडे सर्किट 2025 जीताः कैंडिडेट्स-2026 में जगह पक्की, ऐसा करने वाले भारत के इकलौते पुरुष खिलाड़ी

खेल डेस्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने फिडे सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वे अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के अकेले पुरुष खिलाड़ी होंगे। साल भर कई बड़े टूर्नामेंटों में उनके शानदार खेल ने उन्हें यह मौका दिलाया।

चेन्नई के 19 साल के इस ग्रैंडमास्टर ने 2025 में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने वाइक आन जे मास्टर्स, सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया, उजचेस कप मास्टर्स और लंदन चेस क्लासिक ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंट जीते। इसके अलावा स्टेपन अवाग्यान मेमोरियल में दूसरा स्थान मिला और सिंकफील्ड कप में टॉप-15 में रहे। हाल ही में हुए फिडे वर्ल्ड कप में वे चौथे दौर तक पहुंचे थे।

विमेंस में तीन भारतीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख, कोनेरू हम्पी और आर. वैशाली पहले ही महिला कैंडिडेट्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं।

**कैंडिडेट्स 2026 के लिए 7 खिलाड़ी फाइनल**

कैंडिडेट्स 2026 के आठ खिलाड़ियों में से अभी तक सात की पुष्टि हो चुकी है। अनीश गिरी, फेबियानो कारुआना, मैथियास ब्लूबाउम, जवोखिर सिंदारोव, वेई यी, आंद्रेई एसीपेंको और प्रज्ञानानंद शामिल है। जबकि अंतिम आठवां स्लॉट उस खिलाड़ी को मिलेगा, जिसकी अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक की 6 महीने की औसत स्टैंडर्ड रेटिंग सबसे अधिक हो।

इसके लिए खिलाड़ी को 1 फरवरी 2025 से 1 जनवरी 2026 के बीच कम से कम 40 स्टैंडर्ड गेम खेलने अनिवार्य हैं, जिनमें 6 महीने में कम से कम 15 गेम शामिल हों।

**टूर्नामेंट कब और कहां होगा**

कैंडिडेट्स 2026 28 मार्च से 16 अप्रैल 2026 के बीच पेजिया, साइप्रस के कैप सेंट जॉर्जिस होटल एंड रिसॉर्ट में खेला जाएगा।

डी गुकेश ने साल 2024 में 17 साल की उम्र में टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीत कर सबसे कम उम्र में यह टूर्नामेंट जीतने वाले खिलाड़ी बने थे। उनसे पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

**भारत से दो खिलाड़ियों ने यह टूर्नामेंट जीता है**

भारत से दो चेस खिलाड़ियों ने अब तक यह टूर्नामेंट जीता है। गुकेश ने साल 2024 में जीता था। जबकि उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था। तब उनकी उम्र 26 साल थी।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट, फिडे वर्ल्ड चैंपियन बनने की प्रक्रिया का आखिरी और सबसे अहम मुकाबला होता है। यह वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच से ठीक पहले खेला जाता है। महत्व के लिहाज से यह वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट है, क्योंकि इसका विजेता मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। फिडे 1948 से वर्ल्ड चैंपियनशिप और 1950 से कैंडिडेट्स टूर्नामेंट करवाता आ रहा है।

## कोच श्रीजेश बोले अभी भी पदक जीतने का मौका

चेन्नई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जूनियर विश्व कप में भारत का नौ साल बाद खिताब जीतने का सपना भले ही टूट गया हो, लेकिन टीम के मुख्य कोच पी.आर. श्रीजेश ने खिलाड़ियों को साफ संदेश दिया है कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई। जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली 1-5 की हार के बाद भी टीम के पास कांस्य पदक जीतने का सुनहरा अवसर है, जिसे गंवाने की गलती नहीं करनी चाहिए। भारत अब 10 दिसंबर को कांस्य पदक मैच में अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जबकि फाइनल में जर्मनी और स्पेन आमने-सामने होंगे।

सेमीफाइनल हार के बाद भाषा से बातचीत में श्रीजेश ने कहा, 'यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षाएं थीं, हम उस स्तर पर नहीं खेले। इस स्तर पर आसान मौके देना गलती होती है।'

**इसे हाथ से जाने नहीं देंगे**

उन्होंने बताया कि टीम को मौके मिले लेकिन उन्हें वह भुना नहीं सकी। भारत को मैच में केवल एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर देर से गोल हुआ। उन्होंने कहा, 'कई बार विपक्षी टीम अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें भूल जाते हैं।'

क्या मौजूदा चैंपियन जर्मनी के सामने दबाव था? इस पर श्रीजेश बोले, 'कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन माहौल की वजह से दबाव बन जाता है। इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता है, और इन खिलाड़ियों के पास अभी उतना अनुभव नहीं है।' उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।

श्रीजेश ने माना कि जर्मनी ने भारतीय गलतियों को भुनाया और मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने कहा, 'हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिए था, लेकिन हम नाकाम रहे। जर्मनी ने वन-टच यूरोपीय हॉकी खेली, जिसमें हमें सीखना है।' श्रीजेश ने अब खिलाड़ियों को पिछली हार भूलकर कांस्य पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा, 'अभी भी हमारे पास पदक जीतने का मौका है। यह जरूरी है कि खिलाड़ी इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ दें।' उन्होंने कहा कि बड़े मैचों में मौकों को भुनाना भारत को सीखना होगा।

## खेल एरोबिक्स फिटनेस राष्ट्रीय शिविर का समापन

हैदराबाद, 9 दिसंबर( स्वतंत्र वार्ता)। एससीएफ मसाबटैंक में खेल एरोबिक्स फिटनेस राष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया गया, जो तेलंगाना में फिटनेस और एरोबिक्स को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हुआ। शिविर का आयोजन राजा सिंह, महासचिव , - इस्माइल शरीफ, अध्यक्ष, डेविड, सलाहकार - अक्षय, कोषाध्यक्ष - जी.बी. प्रसाद, महासचिव, आरआर जिला एसएएफए - हनुमान नाइक और सांबा शिवा के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में साईं बाबा, महासचिव, एससीएफ - शादाब खान अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

इस शिविर में 75 से अधिक छात्रों का चयन आगामी स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया, जो 26 से 30 दिसंबर, 2025 तक तमिलनाडु के सलेम में आयोजित की जाएगी।

## इंडिगो ने बिगाड़ा बीसीसीआई का गणित

### मैच से पहले अंपायर गायब!

कोलकाता, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो फ्लाइट के कारण पूरे भारत में यात्रियों को परेशानी हो रही है. इंडिगो के पास स्टाफ की कमी है. 2 दिसंबर से लगातार फ्लाइट लेट हो रही है और करीब 5000 फ्लाइट कैंसिल हो गई है. अब भारत के घरेलू क्रिकेट सीजन पर भी इंडिगो क्राइसिस का बुरा असर पड़ रहा है. इंडिगो की फ्लाइट देरी ने बीसीसीआई का पूरा गणित भी बिगाड़ दिया है. टीमों और मैच ऑफिशियल्स को टूर्नामेंट के बीच दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

बंगाल और गोवा के बीच कल्याणी में स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी में कूच बिहार ट्रॉफी का मैच शुरू हुआ. कोलकाता की फ्लाइट में देरी हो गई, इसी वजह से ऑन फील्ड अंपायर नितिन पंडित ने पहला सेशन मिस कर दिया. जब तक नितिन रोड द्वारा कल्याणी पहुंचे, पहले दिन का लंच हो चुका था. तब तक लोकल अंपायर प्रकाश कुमार ने शुरुआती सेशन की जिम्मेदारी संभाली और लंच के बाद पंडित आए.

रिपोर्ट में बताया जा रहा है बंगाल की टीम भी कल्याणी कुछ घंटों पहले पहुंची थी. वो 30 घंटे बस का सफर करके पहुंचे थे, क्योंकि उनकी इंडिगो फ्लाइट भी कैंसिल हो गई. दोनों टीमों ने इसके बावजूद समय पर मैच शुरू करने के लिए हामी भरी. मैच रेफरी वी नारायणन कुट्टी और अन्य अधिकारियों को नितिन पंडित की फ्लाइट देरी से आने के कारण कन्फर्मेशन के लिए इंतजार करना पड़ा.

इंडिगो क्राइसेस के चलते घरेलू सीजन के अहम मैच पर असर पड़ा. बीसीसीआई ऑफिशियल ने भी इसपर स्टेटमेंट जारी की. उन्होंने कहा, 'अभी यात्रा में दिक्कतें आ रही हैं. चीजें धीरे-धीरे सुधर रही हैं लेकिन अभी पूरी तरह सुधार नहीं आया है, इसी वजह से समस्या जारी है. हम ये चीज तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि जिस तरह से टूर्नामेंट को शेड्यूल किया गया है, वैसा जारी रहे.'

## 8 गेंदों का सुपर ओवर, नसीम शाह ने कमाल ही कर दिया

### आईएल टी20 2025 में नहीं टूटा इस टीम का ये रिकॉर्ड

शारजाह, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल लीग टी20 के मौजूदा सीजन में खेले मुकाबले का रोमांचक अंत हुआ. गल्फ जायंट्स और डेजर्ट वाइपर्स के बीच खेले इस मुकाबले में पहले तो रनों की खूब आतिशबाजी हुई. आलम ऐसा रहा कि कोई भी टीम किसी से कम नहीं दिखी. ऐसे में सीजन का पहला सुपर ओवर देखने को मिला, जहां डेजर्ट वाइपर्स से खेल रहे नसीम शाह ने कमाल ही कर दिया. उन्होंने 8 गेंदों वाला सुपर ओवर डाला. हालांकि, गनीमत ये रही उससे आईएलटी 20 2025 में टीम की जीत का रिकॉर्ड ब्रेक नहीं हुआ.

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि मुकाबला सुपर ओवर तक कैसे पहुंचा? गल्फ जायंट्स ने मुकाबले में पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बनाए. जवाब में 180 रन के

लक्ष्य का पीछा करने जब डेजर्ट वाइपर्स की टीम उतरी तो मैच उस मोड़ पर पहुंच गया, जहां उसके सामने अपनी इनिंग की आखिरी गेंद पर जीत के लिए 3 रन बनाने रह गए. मगर ऐसा हुआ नहीं. तीसरा रन लेने के चक्कर में नसीम शाह रन आउट हो गए और इस तरह टीम के खाते में 2 रन ही जुड़ सके. मतलब गल्फ जायंट्स की तरह डेजर्ट वाइपर्स ने भी 20 ओवर में 179 रन ही बनाए. और, इस तरह मामला सुपर ओवर में पहुंच गया. आईएलटी 20 2025 के पहले सुपर ओवर में डेजर्ट वाइपर्स ने पहले बैटिंग की. और, नुआन तुषारा की 6 लीगल गेंदों पर 13 रन बनाए. इस दौरान उसका एक विकेट भी गिर गया. अब गल्फ जायंट्स को जीतने के लिए 14 रन बनाने थे. और डेजर्ट वाइपर्स को आईएलटी 20 2025 में अपनी जीत के सिलसिले को टूटने से बचाना था तो उसे 13 रन डिफेंड करने थे.

डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान सैम करन ने गेंद नसीम शाह को थमाई, जिन्होंने 8 गेंदों का सुपर ओवर डाला, फिर भी उन्होंने 13 रन डिफेंड कर लिए. इस तरह डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स के खिलाफ मुकाबला जीत लिया और आईएलटी 20 2025 में अभी तक एक भी मैच ना गंवाने के रिकॉर्ड को भी बरकरार रखा.

## कौन है नाथू लाल का बेटा अशोक शर्मा, जिसने 19 विकेट लेकर बरपा दिया है कहर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान की टीम ने कमाल प्रदर्शन किया है और इस बेहतरीन परफॉर्मेंस की एक बड़ी वजह हैं तेज गेंदबाज अशोक शर्मा. दाएं हाथ के इस बॉलर ने इस टूर्नामेंट में अबतक सबसे ज्यादा 19 विकेट हासिल किए हैं. इस खिलाड़ी ने अपनी रफ्तार और स्विंग के दम पर तमिलनाडु-कर्नाटक जैसी टीमों को छकाया है. आइए आपको बताते हैं कौन हैं अशोक शर्मा, जिनके पिता राजस्थान में खेती करते हैं और अब किसान का बेटा आईपीएल से पहले धमाल मचा रहा है.

अशोक शर्मा का जयपुर के पास रामपुरा गांव के रहने वाले हैं. उनके पिता नाथू लाल शर्मा किसान हैं. अशोक शर्मा का जन्म 17 जून, 2002 को हुआ था. ये खिलाड़ी स्कूली दिनों से ही क्रिकेट के मैदान पर छाया रहा है.

हालांकि अशोक की किस्मत तब बदली जब साल 2017 में उनका ए ड मि श न जयपुर क्रिकेट एकेडमी में हुआ. अशोक शर्मा 130 से 140 किमी. प्रति घंटे की स्पीड से गेंदबाजी करते थे और तेज गेंदबाजी की एक प्रतियोगिता में जब वो आए तो राजस्थान रॉयल्स के कुछ अधिकारियों की नजर उनपर पड़ी. यही वजह है कि उन्हें इस टीम का नेट गेंदबाज बनने का मौका भी मिला.

अशोक शर्मा का सेलेक्शन जब राजस्थान की अंडर 19 टीम में हुआ तो उन्हें एक बहुत बड़ा झटका लगा.

कोविड-19 महामारी के दौरान उनके कोच की मौत हो गई. लेकिन अशोक शर्मा ने इस झटके से उबरते हुए अपना प्रदर्शन अगले स्तर पर पहुंचाया. साल 2022 में इस खिलाड़ी को केकेआर ने 55 लाख रुपये की कीमत पर खरीदा लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. आईपीएल 2025 में अशोक शर्मा की राजस्थान रॉयल्स में एंट्री हुई, उन्हें 30 लाख रुपये में खरीदा गया. लेकिन एक बार फिर उन्हें मौका नहीं मिला.

इस सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में जिस तरह का प्रदर्शन अशोक शर्मा ने किया उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि अशोक शर्मा इस बार आईपीएल में जरूर डेब्यू करेंगे.

# ग्लोबल समिट : तेलंगाना में इन्वेस्टमेंट की नई लहर

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को कई कंपनियों ने तेलंगाना में अपने इन्वेस्टमेंट के इरादे बताए और राज्य सरकार के साथ एग्रीमेंट साइन किए। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लगातार मीटिंग में हिस्सा लिया और भारत फ्यूचर सिटी में मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर साइन होते हुए देखा।

**गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप :** यह एमओयू तेलंगाना में डेयरी बिज़नेस (5 लाख लीटर प्रति दिन कैपेसिटी) को बढ़ाने के प्रपोज़ल पर किया गया, जिसमें 150 करोड रुपये का इन्वेस्टमेंट होगा, जिसके लिए 40 एकड़ ज़मीन की ज़रूरत होगी और 2 साल में 300 डायरेक्ट जॉब्स पैदा होंगी।

**फर्टिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड:** यह एमओयू तेलंगाना में एक स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट फ़ूड एंड एग्रीकल्चर आरएंडडी सेंटर और एक ग्रीनफ़ील्ड रेयर शुगर्स मैन्युफैक्चरिंग फ़ैसिलिटी (एलुलोज़, ग्लाइसिन-बेस्ड इंग्रीडिएंट्स, स्लो-रिलीज़ कार्बोहाइड्रेट्स और फ़ंक्शनल न्यूट्रिएंट्स बनाने के लिए जो ग्लोबल क्लीन-लेबल, नॉन-जीएमओ, हेल्थ-फ़ोकस्ड फ़ूड मार्केट को सपोर्ट करते हैं) डेवलप करने के प्रपोज़ल पर हुआ। कुल 2,000 करोड रुपये का इन्वेस्टमेंट (फ़ेज़ 1 में 500 करोड रुपये और फ़ेज़ 2 में 1,500 करोड रुपये), जिसके लिए 100 एकड़ ज़मीन की ज़रूरत होगी और 2 साल में 800+डायरेक्ट जॉब्स बनेंगी। इसने तेलंगाना में सस्टेनेबल एग्रीकल्चर के लिए स्पेशलिटी क्रॉप न्यूट्रिशन, बायो-स्टिमुलेंट्स और बायोलॉजिकल्स के लिए 200 करोड़ रुपये के एक प्रोजेक्ट का भी प्रपोज़ल दिया है।

**केजेएस इंडिया:** इसका एमओयू तेलंगाना में बड़े पैमाने पर फ़ूड एंड बेवरेज मैन्युफैक्चरिंग (यूनिट-2) के ज़रिए तेलंगाना ऑपरेशन्स को बढ़ाने के प्रपोज़ल पर हुआ, जिसमें 100 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट होगा। 650 करोड़, 44 एकड़ ज़मीन पर और 2 साल में 1,551 डायरेक्ट नौकरियाँ पैदा करेगा। नेस्ले, यूनिलीवर, डॉ. रेड्डीज़, मायोरा जैसी ग्लोबल एमएनसीज के लिए थर्ड पार्टी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर के जरिए लोगों को रोजगार मिलेगा।

**विंटेज कॉफ़ी एंड बेवरेजेज़ लिमिटेड:** यह एमओयू तेलंगाना में ऑपरेशन्स को बढ़ाने के प्रपोज़ल पर हुआ, जिसमें 15 एकड़ ज़मीन पर Rs. 1,100 करोड के इन्वेस्टमेंट के साथ एक्सपोर्ट ओरिएंटेड प्रीमियम फ़्रीज़-ड्राइड कॉफ़ी (एफडीसी) प्लांट लगाया जाएगा और 2 साल में 1,000 डायरेक्ट नौकरियाँ पैदा होंगी।

**रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड :** तेलंगाना में Rs. 1,500 करोड़ के इन्वेस्टमेंट के साथ बेवरेजेज़, स्नैक्स और कन्फेक्शनरी और दूसरे कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के लिए मल्टी-प्रोडक्ट एफएमसीजी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी और 100 एकड़ ज़मीन पर 1000 डायरेक्ट नौकरियाँ पैदा करने का प्रपोज़ल है।

**केन्स टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड:** इलेक्ट्रॉनिक्स कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज़ ने मौजूदा विस्तार के हिस्से के तौर पर 1,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

**जेसीके इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड:** यह 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से डेटा सेंटर सुविधाएं और सहायक इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाएं देगा, जिससे 2,000 से ज़्यादा नौकरियां पैदा होंगी।

**आरसीटी एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड:** कंपनी ने तेलंगाना में 3 चरणों में 2,500 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है, और इससे 1600+ सीधी नौकरियां पैदा होंगी।

**एक्यूलॉन नेक्सस लिमिटेड:** यह एमओयू क्लीन एनर्जी आधारित 50 मेगावाट डेटा सेंटर पर हुआ। यह तेलंगाना में नेट ज़ीरो डेटासेंटर स्थापित करता है। रिटेल और एमएसई इंडस्ट्री के लिए एआई पावर्ड आईओटी सॉल्यूशन कस्टमाइज़्ड सॉल्यूशन प्रोवाइडर पर काम करेगा।

**एजीपी ग्रुप :** इसने 125 एकड़ ज़मीन पर 1 जीडब्ल्यू हाइपरस्केल डीसी कैंपस बनाने का वादा किया है। यह डीसी कैंपस को सपोर्ट करने के लिए उसी इलाके में 1000 करोड़ रुपये के निवेश से बेस (बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम) बनाएगा। जिस पर लागत 6,750 करोड़ रुपए तक आएगी।

**इंफ्राकी डीसी पार्क्स:** यह एमओयू बड़े पैमाने पर एआई-रेडी 1जीडब्ल्यू डेटा पार्क के डेवलपमेंट के प्रपोज़ल पर हुआ। इसमें डेटासेंटर के लिए 150 एकड़ ज़मीन की ज़रूरत का प्रपोज़ल दिया गया है। कंपनी पूरे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए %0,000 करोड़ रुपये इन्वेस्ट करेगी। यह फ्यूचर रेडी कूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करेगी।

**पर्व्यू ग्रुप :** कंपनी तेलंगाना में एक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और एआई -ड्रिवन हाइपरस्केल डेटा सेंटर कैंपस बनाने के लिए एक बड़े स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट का प्रपोज़ल दिया है। (शेष भाग पृष्ठ 14 पर)

# तेलंगाना का लक्ष्य : 2036 ओलंपिक में अधिकतम एथलीट भेजने की तैयारी

## खेल मंत्री वक्ति श्रीहरि ने खेल विकास के लिए बड़े रोडमैप का ऐलान किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खेल मंत्री वक्ति श्रीहरि ने मंगलवार को तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के तहत आयोजित 'तेलंगाना ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट' कार्यक्रम में कहा कि राज्य सरकार खेलों में नई ऊँचाइयाँ छूने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य 2036 ओलंपिक में राज्य से अधिक से अधिक एथलीटों को भेजना है। श्रीहरि ने कहा कि इस लक्ष्य के लिए शीर्ष अधिकारियों, खेल हस्तियों और उद्योगपतियों के निवेश से स्पोर्ट्स हब विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश में स्कूल स्तर से राज्य स्तर तक खेलों को बढ़ावा देने के लिए युवा भारत शारीरिक शिक्षा खेल विश्वविद्यालय और युवा भारत खेल प्राधिकरण का गठन किया गया है। कोरिया राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी, पैरा एथलीटों के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र, 119 विधानसभा क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम और 1000 एकड़ में सैटेलाइट स्पोर्ट्स सिटी निर्माण की योजनाएँ भी उन्होंने गिनाईं। उन्होंने बताया कि सरकार एथलीटों के लिए प्रोत्साहन, बीमा पॉलिसी और गुरुवंदनम जैसी कल्याणकारी योजनाएँ लागू करेगी। कार्यक्रम में पीवी सिंधु, ज्वाला गुट्टा, अनिल कुंबले, पी. गोपीचंद, मोहम्मद अजहरुद्दीन, एपी जितेंद्र रेड्डी, जयेश रंजन, अंबाती रायडू और बोरिया मजूमदार जैसे खिलाड़ी और खेल विशेषज्ञ मौजूद रहे।

## स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त, दो बच्चे घायल नगरम में खड़ी लॉरी से टकराई बस

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल जिले के नगरम में मंगलवार को एक स्कूल बस के कचरा संग्रहण ट्रक से टकरा जाने से दो बच्चों को मामूली चोटें आईं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब बस एक खड़ी लॉरी से टकरा गई। दुर्घटना के समय बस में केवल दो छात्र सवार थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दोनों बच्चों को हल्की चोटें आईं और उन्हें तुरंत चिकित्सा सुविधा दी गई। कीसरा पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या ट्रक गलत तरीके से पार्क किया गया था और क्या चालक की लापरवाही इस दुर्घटना का कारण बनी। मामला दर्ज कर लिया गया है।

# इंडिगो की बढी मुश्किलें, हैदराबाद-बेंगलुरु से 180 उड़ानें रद्द

## केंद्र ने स्लॉट कम करने का संकेत दिया

मुंबई, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिगो में जारी संकट के कारण मंगलवार को बेंगलुरु और हैदराबाद से लगभग 180 उड़ानें रद्द कर दी गईं। सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद आने-जाने वाली 58 उड़ानें नहीं संचालित हो सकीं, जिनमें 14 आगमन और 44 प्रस्थान वाली उड़ानें शामिल हैं। बेंगलुरु में 121 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें 58 आगमन और 63 प्रस्थान वाली उड़ानें हैं। इस बीच केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा है कि सरकार इंडिगो के स्लॉट निश्चित रूप से कम करेगी, जिससे एयरलाइन को चालू शीतकालीन सत्र में अपने कुछ रूट खोने पड़ सकते हैं। राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली यह एयरलाइन रोजाना 90 से अधिक घरेलू और 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 2,200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती है। मंत्री ने बताया कि जिन रूटों को शेड्यूल से हटाया जाएगा, उन्हें दूसरी एयरलाइनों को दिया जाएगा और जब इंडिगो अपनी क्षमता साबित करेगी, तब वे स्लॉट वापस किए जाएंगे। इससे पहले सोमवार को इंडिगो ने अकेले छह मेट्रो हवाई अड्डों से 560 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं।

## लोक भवन को बम की धमकी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्होंने खैरताबाद स्थित लोक भवन को बम विस्फोट की धमकी वाला ईमेल भेजा था। 3 दिसंबर को भेजे गए ईमेल में लोक भवन और प्रजा भवन, सोमाजीगुडा में बम विस्फोट की योजना का उल्लेख था। कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाई और तोड़फोड़-रोधी जांच शुरू की। बाद में जांच में यह फर्जी ईमेल पाया गया। पुलिस ने पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है।

# तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस का उद्घाटन

## > केंद्रीय रेल एवं जलशक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने दिखाई हरी झंडी

तिरुपति, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल एवं जलशक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिरुपति और साईनगर शिरडी के बीच नई एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य एम. रघुनाथ रेड्डी तथा तिरुपति लोकसभा सांसद डॉ. मद्दिला गुरुमूर्ति भी उपस्थित रहे।

तिरुपति रेलवे स्टेशन में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश सरकार के सड़क एवं भवन, अवसंरचना और निवेश विभाग के मंत्री बी.सी. जनार्धन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा विधान परिषद सदस्य बल्लि कल्याण चक्रवर्ती, तिरुपति विधायक आरणी श्रीनिवासुलु और कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री सोमन्ना ने कहा कि तिरुपति-सायनगर शिरडी एक्सप्रेस का प्रारंभ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक दिन है। यह रेल सेवा तिरुपति, शिरडी, नेल्लूर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर, मनमाड़ सहित कुल 31 प्रमुख स्टेशनों से सीधा संपर्क प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस मार्ग के आसपास के क्षेत्रों के आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध होगी। श्री सोमन्ना ने बताया कि नई ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद से प्रत्यक्ष संपर्क उपलब्ध कराती है तथा मार्ग में स्थित प्रमुख शिवधाम पारली वैजनाथ को भी जोड़ती है। मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद से आंध्र प्रदेश में रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राज्य ने 1,580 किलोमीटर नई लाइन के साथ 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल किया है। वर्तमान में राज्य के 73 अमृत स्टेशनों का 3,125 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कार्य जारी है।इसके साथ ही 800 फ्लाईओवर और पुलों का निर्माण, 110 लिफ्ट, 40 एस्केलेटर तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेनों की शुरुआत की जानकारी भी उन्होंने साझा की। मंत्री ने बताया कि भारतीय रेल ने तिरुपति में 312 करोड़ रुपये की लागत से अमृत स्टेशन सहित कई विकास कार्य शुरू किए हैं।

तिरुपति-पाकाला-कटपाडी डबलिंग, गुडूर-रेणिगुंटा तृतीय लाइन, नाडीकुडी-श्रीकालहस्ती नई लाइन, विजयवाड़ा-गुडूर तृतीय लाइन तथा येरपेडु-पुडी बाईपास लाइन जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। आंध्र प्रदेश के मंत्री बी.सी. जनार्धन रेड्डी ने कहा कि तिरुपति-सायनगर शिरडी एक्सप्रेस के चलने से क्षेत्र में मंदिर पर्यटन को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने राज्य में चल रहे नए रेलमार्ग, डबलिंग, बाईपास लाइन तथा रेल ओवरब्रिज जैसे विभिन्न अवसंरचना कार्यों की भी जानकारी साझा की। इससे पहले दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य बल्लि कल्याण चक्रवर्ती और तिरुपति विधायक आरणी श्रीनिवासुलु ने भी संबोधन किया।

# हैदराबाद हवाई अड्डे को फिर मिला धमकी भरा ईमेल

## सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, जांच तेज

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) को एक और धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया कि मंगलवार को अमेरिका जाने वाली एक उड़ान में बम लगाया गया है और धमकी दी कि अगर दस लाख डॉलर नहीं दिए गए तो बम विस्फोट कर दिया जाएगा। ईमेल मिलते ही हवाई अड्डे के अधिकारी सतर्क हो गए। सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं और पूरे टर्मिनल, कार्गो क्षेत्र, पार्किंग और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों वाले हिस्से की पूरी तरह जांच की। यात्रियों की सुरक्षा जांच भी बढ़ा दी गई। पहली जांच में पता चला कि ईमेल कथित तौर पर अमेरिका में रहने वाले एक व्यक्ति ने भेजा है, जिसने अपना नाम 'जैस्पर' बताया है। साइबर अपराध टीमें यह पता लगा रही हैं कि यह असली धमकी है या हाल में हवाई अड्डों को भेजे जा रहे फर्जी संदेशों की तरह एक और मामला है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन हवाई अड्डे के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हवाई अड्डा प्रबंधन की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है। आरजीआईए पुलिस जांच कर रही है।

# 3 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पीपीपी अनिवार्य : भट्टी

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) अत्यंत आवश्यक हैं। भट्टी विक्रमार्का ने मंगलवार को इनोवेटिव पीपीपी हार्नेसिंग प्राइवेट कैपिटल टुवर्ड्स पब्लिक गुड्स विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

यह सत्र तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राइजिंग समिट जब 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के विज़न का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है, तब एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है। यद्यपि तेलंगाना का जीएसडीपी 200 बिलियन डॉलर है और 37% निवेश दर के चलते राज्य हर वर्ष 70-75 बिलियन डॉलर का उत्पादन करता है, फिर भी राज्य को लगभग 30 बिलियन डॉलर के निवेश अंतर का सामना करना पड़ रहा है-और यह अंतर लगातार बढ़ रहा है।

इस अंतर को पूरा करने के लिए पीपीपी क्योर (कोर अर्बन), प्योर (पेरि-अर्बन) और आरएआरई (रूरल एग्री) क्षेत्रों के विकास में इंजन की भूमिका निभाएँगी। उन्होंने बताया कि पीपीपी मॉडल मेट्रो, सोलर पार्क और स्किल हब जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश के द्वार खोलता है, जबकि सरकार को मानव विकास और नेट-ज़ीरो लक्ष्यों की दिशा में सार्वजनिक धन लगाने की सुविधा देता है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हैदराबाद निवेशकों के लिए स्वर्ग समान है और आतिथ्य तेलंगाना की पहचान है। राज्य निवेश के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण, किफायती और कुशल श्रम, मजबूत कानून-व्यवस्था और निवेशक-हितैषी सरकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों को अपने परिवार के सदस्यों की तरह सम्मान देती है और उन्हें राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश कर मजबूत भविष्य निर्माण में साझेदार बनने का आमंत्रण देती है। पीपीपी के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे एक ऐसी कहानी से शुरुआत करना चाहते हैं जो सबके दिल के करीब है, ओआरआर (आउटर रिंग रोड) परियोजना ने साबित कर दिया कि पीपीपी बड़े सपनों को वास्तविक सफलता की कहानियों में बदल सकती हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना अपने पीपीपी मॉडल को और मजबूत करेगा-बेहतर परियोजना तैयारियों, पारदर्शी अनुबंधों और यथार्थवादी जोखिम-साझेदारी के माध्यम से। रणनीतिक रूप से उपयोग किए जाने पर पीपीपी, तेलंगाना के विकास लक्ष्यों को ठोस बुनियादी ढाँचे और सामाजिक परिणामों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

## सोने के कारोबार में मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठगी

### सिकंदराबाद निवासी से 24.44 लाख रुपये ठग लिए

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर ठगों ने सिकंदराबाद के एक व्यक्ति को सोने के कारोबार में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर 24.44 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को लगभग एक साल पहले शरण्या नाम की महिला का व्हाट्सएप संदेश आया। धीरे-धीरे दोस्ती करने के बाद, ठगों ने उसे केडीवन गोल्ड नामक ऐप के ज़रिए ट्रेडिंग करने और 70 प्रतिशत मुनाफे का वादा किया।

भरोसा करके पीड़ित ने 24.44 लाख रुपये निवेश किए, लेकिन बाद में न तो उसकी निवेशित राशि मिली और न ही लाभ। जब उसने संपर्क किया, तो ठगों ने टैक्स और कन्वर्ज़न शुल्क के लिए और पैसे माँगे। ठगी का पता चलते ही पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और मामला दर्ज कराया गया।

## पुलिसकर्मियों ने सीपीआर देकर जान बचाई

राजन्ना-सिरसिला, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को वेमुलावाड़ा मंदिर शहर में दो सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबलों ने कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देकर एक व्यक्ति की जान बचाई। वेमुलावाड़ा नगरपालिका क्षेत्र के नामपल्ली निवासी रमेश, थिप्पापुर बस स्टैंड के पास एक होटल में अचानक बेहोश हो गए। ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल गंगाराजू और श्रीनिवास तुरंत मदद के लिए दौड़े और सीपीआर दिया।

# एपीपी परीक्षा और पंचायत चुनाव एक ही दिन हरीश राव ने स्थगन की मांग की

## 4,000 वकीलों के मतदान अधिकार पर संकट

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव ने 14 दिसंबर को प्रस्तावित सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) लिखित परीक्षा को स्थगित करने की मांग की है, क्योंकि उसी दिन तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनावों के दूसरे चरण का मतदान निर्धारित है। वरिष्ठ अधिवक्ता शिव शेखर के नेतृत्व में वकीलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरीश राव से मुलाकात कर परीक्षा की तिथि बदलने का अनुरोध किया। राव ने बताया कि टीएसपीएससी ने 118 पदों के लिए यह परीक्षा तय की है लेकिन लगभग 4,000 वकील, जो इसमें शामिल होंगे, अपने पैतृक गाँवों में दर्ज वोट के कारण मतदान नहीं कर सकेंगे, क्योंकि परीक्षा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक केवल हैदराबाद में ही आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दिन मतदान का अधिकार छीनना असंवैधानिक है और सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर परीक्षा की तारीख बदलनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.